www.epaper.azadsipahi.in

29 अक्टूबर, 2025
कार्तिक, शुक्ल पक्ष, सप्तमी
संवत 2082
पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹3.00

कलम कलम बढ़ाये जा

आजाद सिपाही

रांची
बुधवार, वर्ष 11, अंक 10

भक्ति भाव से दिया गया उदीयमान सूर्य को अर्घ्य, संपन्न हुआ छठ महापर्व

FLORENCE
GROUP OF INSTITUTIONS
(A Unit of : Haji Abdur Razzaque Educational Society)
ADMISSION OPEN
COLLEGE OF NURSING
M.Sc. Nursing
Post Basic B. Sc. Nursing
B.Sc. Nursing
GNM (General Nursing And Midwifery)
ANM (Auxiliary Nursing And Midwifery)
COLLEGE OF PARA MEDICAL SCIENCE
BMLT
DMLT
OT ASSISTANT
ECG
OPHTHALMIC ASST.
CRITICAL CARE (ICU)
RADIO-IMAGING
ANESTHESIA TECH.
DRESSERS
COLLEGE OF PHARMACY
D-PHARM
B-PHARM
Separate Hostel For Boys & Girls
9031231082, 7903999411, 6205145470
E-mail: fsnirba@gmail.com
Website: www.florenceinstirba.com

मोदी सरकार ने झारखंड को दी बड़ी सौगात

जामताड़ा, धनबाद, गिरिडीह और खूंटी में खुलेंगे मेडिकल कॉलेज

- पीपीपी मॉडल पर खुलेंगे चार मेडिकल कॉलेज
- खूंटी में 50 और अन्य तीन में 100-100 सीटें होंगी

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार ने झारखंड को बड़ी सौगात दी है। केंद्र सरकार ने पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप (पीपीपी) मॉडल पर राज्य में चार नये मेडिकल कॉलेज खोलने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। यह मंजूरी मंगलवार को वित्तीय मामलों के विभाग (डीइए) की बैठक में दी गयी, जिसमें झारखंड सरकार की ओर से स्वास्थ्य, चिकित्सा शिक्षा और परिवार कल्याण विभाग के अपर मुख्य सचिव अजय कुमार सिंह ने प्रस्तुति दी। ये नये मेडिकल कॉलेज खूंटी, जामताड़ा, धनबाद और गिरिडीह जिलों में स्थापित किये जायेंगे। खूंटी में 50, जबकि अन्य तीन जिलों में 100-100 एमबीबीएस सीटें होंगी। यह परियोजना केंद्र की व्यवहार्यता अंतर वित्तपोषण (वीजीएफ) योजना के तहत लागू होगी। धनबाद परियोजना स्कीम-1 और शेष तीन स्कीम-2 के अंतर्गत स्वीकृत की गयी हैं। पीपीपी मॉडल के तहत केंद्र सरकार पूंजीगत व्यय में 40% और परिचालन व्यय में 25% सहायता देगी, जबकि राज्य सरकार 25% से 40% तक पूंजीगत तथा 15% से 25% तक परिचालन व्यय वहन करेगी। इन कॉलेजों की स्थापना से राज्य में चिकित्सा शिक्षा का विस्तार होगा और स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता में सुधार आयेगा। साथ ही स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार के नये अवसर सृजित होंगे।

झारखंड ने जुलाई में भेजा था छह मेडिकल कॉलेजों का प्रस्ताव : बता दें कि झारखंड सरकार ने जुलाई महीने में छह नये मेडिकल कॉलेज खोलने का प्रस्ताव केंद्र सरकार को भेजा था। उच्च और तकनीकी शिक्षा मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू ने नयी दिल्ली में केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा से मुलाकात कर इसकी अनुमति देने का का आग्रह किया था। इसके बाद केंद्र की ओर से तीन सितंबर को सहमति पत्र भेजा गया।

झारखंड के लिए ऐतिहासिक कदम: अपर मुख्य सचिव

अपर मुख्य सचिव अजय कुमार सिंह ने कहा कि यह झारखंड के लिए ऐतिहासिक कदम है। पीपीपी मॉडल पर नये मेडिकल कॉलेज खुलने से ग्रामीण और अर्ध-शहरी इलाकों में विशेषज्ञ डॉक्टरों की उपलब्धता बढ़ेगी और स्वास्थ्य व्यवस्था को नयी मजबूती मिलेगी।

वर्तमान में राज्य में केवल नौ मेडिकल कॉलेज

झारखंड में लगभग 3.92 करोड़ की आबादी के लिए केवल नौ मेडिकल कॉलेज (सात सरकारी और दो निजी) उपलब्ध हैं। राज्य राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग (एनएचसी) के प्रति 10 लाख की आबादी पर एक मेडिकल कॉलेज के मानक से काफी पीछे है। इसका अर्थ है कि राज्य में 39 मेडिकल कॉलेजों की आवश्यकता है। कई जिलों में बेड जनसंख्या अनुपात के हिसाब से कम हैं, जबकि राष्ट्रीय औसत के अनुसार 1.5 बेड प्रति 1000 की आबादी पर होना चाहिए।

जुबीन गर्ग मौत मामले में पांच आरोपियों की न्यायिक हिरासत बढ़ी

गुवाहाटी। सिंगर जुबीन गर्ग की मौत मामले की जांच चल रही है। मंगलवार को एक स्थानीय अदालत ने इस मामले में पांच आरोपियों की न्यायाकि हिरासत 14 दिनों के लिए बढ़ा दी। एक अधिकारी ने कहा बक्सा जेल में बंद इन पांचों आरोपियों को कामरूप सीजेएम के सामने वर्चुअली पेश किया गया। अधिकारी ने कहा, पांचों आरोपियों की मौजूदा न्यायिक हिरासत कल खत्म होने वाली है। उन्हें सीजेएम के सामने पेश किया गया और हिरासत 14 दिनों के लिए बढ़ा दी गयी है।

केंद्रीय कर्मचारियों के लिए आठवें वेतन आयोग को मंजूरी

- केंद्रीय कैबिनेट ने कार्य प्रारूप को दी हरी झंडी
- 18 महीने में अपनी रिपोर्ट देगा आयोग
- जस्टिस रंजना प्रकाश देसाई होंगी अध्यक्ष

आजाद सिपाही संवाददाता

नयी दिल्ली। केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार ने केंद्रीय कर्मचारियों को बड़ी सौगात दी है। कैबिनेट ने मंगलवार को आठवें वेतन आयोग के कार्य प्रारूप (टर्म ऑफ रिफरेंस) को मंजूरी दी है। आयोग की अध्यक्षता सुप्रीम कोर्ट की पूर्व न्यायाधीश रंजना प्रकाश देसाई करेंगी। आइआइएम बंगलुरु के प्रोफेसर पुलक घोष और पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय के सचिव पंकज जैन सदस्य होंगे। आयोग अपनी सिफारिशें 18 माह के भीतर प्रस्तुत करेगा, जिससे लगभग 50 लाख केंद्रीय कर्मचारियों को लाभ होगा। सूचना प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि इससे रक्षा सेवा और करीब 69 लाख पेंशनभोगियों को भी फायदा होगा।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि सरकार ने जनवरी में ही आठवें वेतन आयोग को सैद्धांतिक तौर पर मंजूरी दी थी। इतने कम समय में आठवें वेतन आयोग का गठन भी कर दिया गया है। इसके लिए काफी सलाह मशविरा किया जाता है। रक्षा, गृह, रेल समेत कई महत्वपूर्ण विभागों से सलाह ली जाती है। वैष्णव ने कहा कि कई राज्य सरकारों से भी सलाह ली गयी है। दिवाली और छठ पूजा के त्योहारों के बाद केंद्र सरकार की ये घोषणा सरकारी कर्मचारियों के लिए बड़ा तोहफा है। बिहार चुनाव के पहले भी केंद्र सरकार ने ये फैसला लिया है। हालांकि वेतन आयोग की सिफारिशें आने में अभी समय लगेगा।

खाद पर 38 हजार करोड़ की सब्सिडी को मंजूरी

नयी दिल्ली (आजाद सिपाही)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय कैबिनेट ने चालू रबी सत्र के लिए नाइट्रोजन (एन) के लिए 43.02 रुपये प्रति किलोग्राम, फॉस्फोरस (पी) के लिए 47.96 रुपये प्रति किलोग्राम, पोटाश (के) के लिए 2.38 रुपये प्रति किलोग्राम और सल्फर (एस) के लिए 2.87 रुपये प्रति किलोग्राम की सब्सिडी दर को मंजूरी दी। सूचना प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि 2025 रबी के लिए स्वीकृत सब्सिडी पिछले वर्ष की तुलना में लगभग 14 हजार करोड़ रुपये अधिक है। उन्होंने बताया कि पोषक तत्व आधारित सब्सिडी (एनबीएस) योजना के तहत सब्सिडी दर आयात मूल्य और पोषक तत्वों की आवश्यकता, सब्सिडी का बोझ और एमआरपी आदि जैसे अन्य कारकों को ध्यान में रख कर तय की गयी है। सब्सिडी दरें एक अक्टूबर से लागू होंगी। देश के कई हिस्सों में रबी (सर्दियों) की बुवाई शुरू हो गयी है। इस मौसम में गेहूं, सरसों और चना मुख्य फसलें हैं।

चाइबासा में बवाल, लाठीचार्ज, आंसू गैस चले

- पुलिस और ग्रामीणों में हुई भिड़ंत
- बाइपास में भारी वाहनों की नो-एंट्री की है मांग

आजाद सिपाही संवाददाता

चाइबासा। कोल्हान के प्रमंडलीय मुख्यालय में सोमवार देर रात नो-एंट्री के लिए चल रहा आंदोलन हिंसक हो गया। तांबो चौक पर पुलिस और ग्रामीणों के बीच जबरदस्त झड़प हुई। प्रदर्शनकारी ग्रामीण लंबे समय से एनएच-220 और चाइबासा बाइपास पर दिन के समय भारी वाहनों के प्रवेश पर रोक लगाने की मांग कर रहे हैं। उनका कहना है कि इन वाहनों की तेज रफ्तार से आये दिन सड़क हादसे हो रहे हैं, जिनमें अब तक कई लोगों की मौत हो चुकी है।

मंत्री का आवास घेरने निकले थे ग्रामीण : सोमवार को सैकड़ों ग्रामीण परिवहन मंत्री दीपक बिरुवा के आवास का घेराव करने जा रहे थे, लेकिन पुलिस ने उन्हें तांबो चौक पर ही रोक दिया। इसके बाद भीड़ ने वहीं धरना शुरू कर दिया। सरकार के खिलाफ नारेबाजी भी करने लगी।

भाजपा का आज कोल्हान बंद का आह्वान : इस बीच झारखंड भाजपा ने चाइबासा की घटना के विरोध में बुधवार को कोल्हान बंद का आह्वान किया है। राज्यसभा सांसद आदित्य साहू और विधायक चंपाई सोरेन ने अलग-अलग यह घोषणा की।

स्थिति नियंत्रण में, पर तनाव बरकरार

झड़प के कारण कुछ घंटों तक मुख्य मार्ग पर वाहनों की आवाजाही पूरी तरह ठप रही। देर रात पुलिस ने हालात पर काबू पाया और सड़क खाली करायी। अधिकारियों ने बताया कि स्थिति अब नियंत्रण में है, लेकिन किसी अप्रिय घटना से बचाव के लिए अतिरिक्त पुलिस बल को तैनात कर दिया गया है।
उधर, ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि जब तक दिन के समय भारी वाहनों की एंट्री पूरी तरह बंद नहीं की जाती, तब तक उनका आंदोलन जारी रहेगा। उन्होंने कहा कि यह लड़ाई सड़क सुरक्षा और आम लोगों की जान बचाने के लिए है।

अंधेरा होने पर शुरू हुआ हंगामा

ग्रामीणों ने तांबो चौक पर ही शाम तक धरना जारी रखा। इस दौरान प्रदर्शनकारियों ने वहीं खाना बनाया, नृत्य-गान किया और प्रशासन के खिलाफ आवाज बुलंद की। जैसे-जैसे रात बढ़ती गयी, भीड़ का जोश और बढ़ता गया। देर रात पुलिस ने जब आंदोलनकारियों को हटाने की कोशिश की, तो स्थिति अचानक बिगड़ गयी। नाराज ग्रामीणों ने पुलिस पर पथराव शुरू कर दिया। जवाब में पुलिस ने लाठीचार्ज किया और आंसू गैस के गोले दागे। इस बीच सदर एसडीपीओ की स्कॉर्पियो गाड़ी भी क्षतिग्रस्त हो गयी। किसी के गंभीर रूप से घायल होने की सूचना नहीं है, लेकिन कई लोगों को हल्की चोटें आयीं।

हजारीबाग वन भूमि घोटाला मामला: सदर विधायक भी अभियुक्त

- एसीबी की जांच के बाद 70 से अधिक लोगों के खिलाफ मामला दर्ज

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। हजारीबाग में वन भूमि की अवैध खरीद-बिक्री से जुड़ा चर्चित भूमि घोटाला मामला लगातार सुर्खियों में है। अब यह मामला और बड़ा हो गया है, क्योंकि भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) की चल रही जांच में अब हजारीबाग के सदर विधायक प्रदीप प्रसाद का नाम भी अभियुक्तों की सूची में शामिल हो गया है। एसीबी ने इस मामले में कांड संख्या 11/2025 दर्ज की है, जिसमें अब तक 70 से अधिक लोगों को नामजद अभियुक्त बनाया गया है। इनमें कई चर्चित नाम शामिल हैं, जिनमें आइएएस अधिकारी विनय चौबे, कारोबारी विनय सिंह और उनकी पत्नी स्निग्धा सिंह भी शामिल हैं। एसीबी ने अब तक इस मामले में कई गिरफ्तारियां की हैं और दर्जनों संपत्तियों की जांच जारी है। विधायक प्रदीप प्रसाद का नाम शामिल होने से जांच का दायरा और बढ़ने की संभावना है।

2010 में हुई थी वन भूमि की खरीद, विधायक बने थे गवाह : प्राथमिकी के अनुसार विधायक प्रदीप प्रसाद उस निबंधित दस्तावेज (डीड) के गवाह हैं, जिसके जरिये वर्ष 2010 में विनय सिंह और स्निग्धा सिंह ने हजारीबाग सदर अंचल क्षेत्र की वन भूमि को अपने नाम पर खरीदा था। यह रजिस्ट्री 10 फरवरी 2010 को की गयी थी, जिसकी डीड संख्या 1763/1710 दर्ज है। एसीबी को मिले साक्ष्यों में यह भी पाया गया है कि इस जमीन की खरीद के दौरान कई नियमों और सरकारी अधिसूचनाओं का उल्लंघन किया गया था।

राजनीति में आने से पहले थे बड़े जमीन कारोबारी

जानकारी के अनुसार विधायक प्रदीप प्रसाद राजनीति में आने से पहले हजारीबाग के बड़े जमीन कारोबारियों में गिने जाते थे। उन्होंने भी कई संपत्तियां खरीदी हैं, जिनमें से कुछ अब जांच के दायरे में हैं। एसीबी की रिपोर्ट में कहा गया है कि विवादित भूमि सदर अंचल के बभनवे मौजा में स्थित है, जिसका कुल क्षेत्रफल लगभग एक एकड़ है। इस भूमि पर बाद में एक शोरूम का निर्माण भी किया गया था।

क्या है हजारीबाग भूमि घोटाला

इस मामले की शुरुआत तब हुई, जब एसीबी को सूचना मिली कि हजारीबाग में वन भूमि और सरकारी जमीन की अवैध खरीद-बिक्री हो रही है। जांच में खुलासा हुआ कि कई राजनीतिक नेताओं, अधिकारियों और जमीन कारोबारियों की मिलीभगत से यह धांधली की गयी। जमीन को पहले फर्जी दस्तावेजों और गलत वर्गीकरण के जरिये रजिस्ट्री किया गया, बाद में उन्हें व्यावसायिक उपयोग में लाया गया। इससे सरकार को करोड़ों रुपये के राजस्व का नुकसान हुआ।

बिहार में महागठबंधन का साझा घोषणा पत्र जारी

- हर घर को एक सरकारी नौकरी का वादा

आजाद सिपाही संवाददाता

पटना। आगामी विधानसभाा चुनाव को लेकर महागठबंधन ने मंगलवार को अपना घोषणा पत्र जारी कर दिया। महागठबंधन के मुख्यमंत्री चेहरा घोषित हुए तेजस्वी यादव ने सभी घटक दलों के प्रमुख नेताओं के साथ इसे जारी किया। इसे 'तेजस्वी का प्रण पत्र' भी कहा गया है। इसमें जनता से 25 वादे किये गये हैं, जिनमें प्रमुख है हरेक घर से कम से कम एक सदस्य को सरकारी नौकरी देना शामिल है। मौके पर तेजस्वी यादव ने कहा कि महागठबंधन को बिहार को बनाने का काम करना है। बिहार को नंबर वन बनाना है। यह दलों और दिलों का प्रण पत्र है। अगर हमें अपने प्राण देकर भी इसे पूरा करना पड़े, तो इसे पूरा करेंगे। तेजस्वी यादव ने कहा कि कुछ बाहरी शक्तियां बिहार को उपनिवेश बनाना चाहते हैं। लेकिन ऐसा किसी भी हाल में नहीं होने दिया जायेगा। मैं सीएम नीतीश कुमार के प्रति सहानभूति रखता हूं। भाजपा और भ्रष्ट अधिकारियों ने नीतीश कुमार को पुतला बनाकर रखा है। भाजपा वाले केवल उनके चेहरे का इस्तेमाल कर रहे है। अमित शाह ने तो पहले ही स्पष्ट कर दिया कि नीतीश कुमार मुख्यमंत्री नहीं बनने जा रहे हैं। विधायक दल तय करेगा कि एनडीए का मुख्यमंत्री कौन होगा। महागठबंधन ने तो अपना सीएम फेस घोषित कर दिया, लेकिन आज तक एनडीए ने घोषणा नहीं की कि उनका मुख्यमंत्री कौन होगा।

बजट की चिंता मत कीजिए, हर परिवार में नौकरी देंगे : तेजस्वी यादव ने कहा कि बिहार की जनता भ्रष्टाचारी सरकार को हटाकर रहेगी। आप सरकारी दफ्तर जाइए, वहां बिना पैसा का कोई काम नहीं होता है। अब विभाग मंत्री नहीं, सचिव चला रहे हैं। आज के घोषणा पत्र में जितनी बातें कहीं गयी हैं, वे सब लागू की जायेंगी। रोजगार के लिए बजट के सवाल पर तेजस्वी यादव ने कहा कि हम झूठे वादे नहीं करेंगे। एक-एक बात पर विशेषज्ञों से चर्चा की गयी है।

घोषणा पत्र के 25 बड़े वादे

- हर परिवार से एक को सरकारी नौकरी।
- जीविका दीदियों को सरकारी दर्जा।
- सभी संविदा और आउटसोर्स कर्मियों को स्थायी किया जायेगा।
- आइटी, कृषि, डेयरी, और टूरिज्म सेक्टर में नये रोजगार सृजन की योजना।
- पुरानी पेंशन योजना (ओपीएस) को लागू किया जायेगा।
- महिलाओं के लिए 'माई-बहिन मान योजना'।
- वृद्धों, विधवाओं और दिव्यांगों के लिए पेंशन 1500 रुपये से तीन हजार रुपये प्रति माह।
- हर परिवार को 200 यूनिट मुफ्त बिजली।
- माइक्रोफाइनेंस कंपनियों पर नियंत्रण और महिलाओं की सुरक्षा के लिए नया कानून।
- प्रतियोगी परीक्षाओं के फॉर्म और शुल्क खत्म, परीक्षा केंद्र तक फ्री यात्रा सुविधा।
- हर अनुमंडल में महिला कॉलेज और सभी 136 प्रखंडों में डिग्री कॉलेज की स्थापना।
- शिक्षकों और स्वास्थ्यकर्मियों की तैनाती गृह जिले से 70 किमी दायरे में सुनिश्चित की जायेगी।
- किसानों को सभी फसलों पर न्यूनतम समर्थन मूल्य की गारंटी और मंडी व्यवस्था बहाल।
- हर परिवार को 25 लाख रुपये तक मुफ्त स्वास्थ्य बीमा।
- मनरेगा में मजदूरी 300 रुपये और कार्य अवधि 200 दिन की जायेगी।
- 'अति पिछड़ा अत्याचार निवारण अधिनियम' पारित किया जायेगा।
- आरक्षण की सीमा 50% से बढ़ाने के लिए प्रस्ताव संविधान की नौवीं अनुसूची में भेजा जायेगा।
- पंचायतों में अति पिछड़ों का आरक्षण 20% से बढ़ाकर 30% किया जायेगा।
- अपराध पर जीरो टॉलरेंस नीति और पुलिस अधिकारियों के लिए निश्चित कार्यकाल।
- अल्पसंख्यकों के अधिकारों की रक्षा, वक्फ संशोधन विधेयक पर रोक।
- प्रवासी मजदूरों के लिए विशेष विभाग और 'बिहार मित्र केंद्र' बड़े शहरों में खोले जायेंगे।
- पंचायत प्रतिनिधियों का मानदेय दोगुना, 50 लाख रुपये का बीमा और पेंशन योजना शुरू।
- पीडीएस डीलरों को मानदेय और अनुकंपा नियुक्ति की उम्र सीमा खत्म।
- नाई, कुम्हार, लोहार जैसी परंपरागत जातियों को पांच लाख रुपये ब्याज-मुक्त आर्थिक सहायता।
- 'दिव्यांग विकास कार्यक्रम' लागू होगा, हर पंचायत में दिव्यांग मित्र की नियुक्ति और विशेष नौकरी-आरक्षण।

मुख्यमंत्री आवास पहुंचे राज्यपाल, पुत्र के आशीर्वाद समारोह में आने का दिया न्योता

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार मंगलवार को कांके रोड रांची स्थित मुख्यमंत्री आवास पहुंचे। उन्होंने वहां मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से मुलाकात की। इस अवसर पर राज्यपाल गंगवार ने अपने पुत्र के विवाह उपरांत आयोजित आशीर्वाद समारोह में शामिल होने के लिए सीएम को सपरिवार आमंत्रित किया। मौके पर सीएम ने राज्यपाल का आत्मीय स्वागत किया और उनके द्वारा मिले आमंत्रण को सहर्ष स्वीकार किया। सीएम ने राज्यपाल को अपनी ओर से हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं भी दी।

चक्रवात मोंथा का असर: रांची में जोरदार बारिश शुरू

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। चक्रवाती तूफान मोंथा का असर झारखंड में भी दिखने लगा है। मंगलवार को शाम होते ही राजधानी रांची में जोरदार बारिश का दौर शुरू हो गया। मौसम विभाग के अनुसार बंगाल की खाड़ी में बने चक्रवात के प्रभाव के कारण 31 अक्टूबर तक झारखंड के कुछ हिस्सों में भारी से बहुत भारी वर्षा होने का अनुमान है। आइएमडी ने एक बुलेटिन में बताया कि चक्रवाती तूफान मोंथा मंगलवार सुबह साढ़े पांच बजे तक एक भीषण चक्रवाती तूफान में तब्दील हो गया है। मौसम वैज्ञानिकों ने झारखंड के लिए चेतावनी जारी करते हुए कहा कि सिमडेगा, पश्चिमी सिंहभूम, खूंटी और गुमला के कुछ हिस्सों में भारी बारिश होने की संभावना है। इसके अलावा चतरा, गढ़वा, लातेहार और पलामू के कुछ हिस्सों में बहुत भारी बारिश हो सकती है।

आजाद सिपाही | झारखंड में सबसे ज्यादा देखा जाने वाला चैनल
200000 Subscribers
VIEWERSHIP 5 Crore 90 lakh+
12 Crore + Watch Time (min)
YouTube Channel
Subscribe NOW

बिहार की जनता का मन मोह रहे हैं तेजप्रताप यादव

■ 'तेजू भैया' ने कम समय में ही बना ली है अलग पहचान
■ छोटे भाई तेजस्वी के मुकाबले अधिक समझदारी का परिचय दे रहे हैं
■ साफ-सुथरी और बेदाग छवि के कारण तेजी से हो रहे लोकप्रिय
■ धर्म के प्रति आस्था और ज्ञान भी उन्हें दूसरों से अलग करती है

आजाद सिपाही विशेष

राजनीति का एक अजीब फंडा है। इसके दरवाजे पर हमेशा 'नो वेकेंसी' के साथ 'सीट वैकेंट' का साइनबोर्ड लटकता रहता है, यानी इसमें किसी नये खिलाड़ी के लिए जगह खाली भी नहीं होती और खाली भी रहती है। राजनीति के इस फंडे को उसकी असीमित संभावनाओं से तौला जाता है। बिहार की सियासत में अभी कुछ-कुछ ऐसी ही स्थिति है। अभी बिहार में विधानसभा के चुनाव हो रहे हैं और पार्टियां इसे जीतने के लिए एड़ी-चोटी का जोर लगायी हुई हैं। इन पार्टियों को लगता है कि बिहार में अब किसी नयी राजनीतिक ताकत के लिए 'नो वेकेंसी' है, लेकिन राज्य के सबसे प्रमुख राजनीतिक परिवार के बड़े बेटे तेजप्रताप यादव 'सीट वैकेंट' का दांव चल रहे हैं। छह महीने पहले परिवार और पार्टी से निष्कासित तेजप्रताप यादव अपनी नयी राजनीतिक पार्टी 'जनशक्ति जनता दल' से अब चुनाव मैदान में उतर गये हैं। तेजप्रताप यादव खुद महुआ विधानसभा सीट से चुनाव लड़ रहे हैं। बिहार के सियासी मैदान में उन्होंने जितनी तेजी से पहचान बनायी है और लोग उनके साथ जुड़ रहे हैं, उसने बड़े खिलाड़ियों की नींद उड़ा दी है। अपने प्रेम संबंध को सार्वजनिक रूप से स्वीकार करने के कारण परिवार और पार्टी से बाहर निकाल दिये गये तेजप्रताप यादव ने अपनी राजनीतिक समझदारी और लोक संवाद की अपनी क्षमता का बेहतरीन प्रदर्शन किया है। बिहार के राजनीतिक मैदान में वह लगातार फ्रंट फुट पर बैटिंग कर रहे हैं, तो लोकप्रियता भी हासिल कर रहे हैं। क्या है तेजप्रताप की लोकप्रियता का कारण और क्या हैं उनकी संभावनाएं, बता रहे हैं **आजाद सिपाही के संपादक राकेश सिंह।**

राकेश सिंह
संपादक

बिहार सरकार के पूर्व मंत्री, वर्तमान में विधायक, लालू के लाल और तेजस्वी के बड़े भैया तेज प्रताप यादव का परिचय सिर्फ यही नहीं है। वह अब बिहार में बने नये राजनीतिक दल जनशक्ति जनता दल के संस्थापक भी हैं। तेज प्रताप यादव ने बिहार चुनाव में अकेले अपने दम पर एंट्री मारी है। तेज प्रताप यादव इन दिनों अपनी राजनीतिक सूझबूझ और अपने बयानों को लेकर खूब सुर्खियां बटोर रहे हैं। सोशल मीडिया के वह नये ट्रेंडिंग स्टार हो गये हैं। जिस तरीके से वह मीडिया के सवालों का जवाब देते नजर आ रहे हैं, उससे तो यही लगता है कि तेज प्रताप की राजनीति को जनता खूब पसंद कर रही है। वह बिना लाग-लपेट के जवाब नहीं देते। जो दिल में है, वही जुबान पर होता है। तेज प्रताप यादव का मानना है कि वही घिसी-पीटी राजनीती करने के लिए पॉलिटिक्स में नहीं आये हैं। उन्हें नये तरीके, नयी सोच वाली राजनीती करनी है। वह 25 मई 2025 की तारीख थी, जब राष्ट्रीय जनता दल के अध्यक्ष और बिहार के सबसे प्रमुख राजनीतिक परिवार के मुखिया लालू प्रसाद यादव ने अपने बड़े बेटे तेजप्रताप यादव को पार्टी और परिवार से छह साल के लिए निष्कासित कर दिया। उनका यह फैसला तेजप्रताप द्वारा सोशल मीडिया में उनकी कथित प्रेमिका के साथ तस्वीर साझा करने और 12 साल के रिश्ते का खुलासा करने के बाद लिया गया। लालू यादव के इस फैसले ने न केवल लालू परिवार और राजद, बल्कि बिहार की सियासत में तूफान खड़ा कर दिया। इस घटनाक्रम के बाद से ही तेजप्रताप यादव की राजनीतिक राह को लेकर अटकलें तेज हो गयी थीं। इस घटना के बाद तेजप्रताप यादव ने तमाम अटकलों पर विराम लगाते हुए अलग राजनीतिक राह पकड़ ली और जनशक्ति जनता दल के नाम से अपनी पार्टी बना कर विधानसभा चुनाव लड़ने का एलान कर दिया। उनकी पार्टी को ब्लैक बोर्ड चुनाव चिह्न मिला, जिसे लेकर वह अब चुनाव मैदान में हैं। तेजप्रताप यादव खुद वैशाली जिले की महुआ सीट से चुनाव लड़ रहे हैं।

तेजी से लोकप्रिय हो रहे हैं तेज प्रताप

तेजप्रताप यादव, जिन्हें लोग तेजू भइया कह कर पुकारते हैं, इन दिनों बिहार की सियासत में तेजी से अपनी जगह बना रहे हैं। उनकी लोकप्रियता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि उनके साथ युवाओं का एक वर्ग जुड़ गया है और यह वर्ग अपने इलाके में राजनीतिक बदलाव करने की कोशिश कर रहा है। तेजप्रताप यादव की बढ़ती लोकप्रियता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर उनके फॉलोअरों की संख्या 17 लाख तक पहुंच गयी है। जिस महुआ सीट से वह चुनाव लड़ रहे हैं, वहां के लोग कहते हैं कि राजद को नहीं, लालू के बेटे को वोट देंगे।

महुआ में हैं तेज प्रताप का जादू

तेज प्रताप यादव इस विधानसभा चुनाव में अकेले चुनावी लड़ाई लड़ रहे हैं। उनके लिए अपने निर्वाचन क्षेत्र में शुरू की गयी बुनियादी ढांचे की परियोजनाओं का सपना बेचना इस बार निर्णायक साबित हो सकता है। इसमें प्रमुख है मेडिकल कॉलेज का निर्माण। महुआ कस्बे के मुख्य बाजार से कुछ ही किलोमीटर की दूरी पर एक भव्य, ईंट-रंग का परिसर खड़ा है, जिस पर हिंदी और अंग्रेजी में सरकारी मेडिकल कॉलेज और अस्पताल लिखा है। सार्वजनिक रिपोर्टों के अनुसार 462 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से 20 एकड़ में फैला यह अस्पताल, शैक्षणिक ब्लॉक और आवासीय सुविधाओं से युक्त है, ठीक वैसी ही सुविधा, जिसका सपना भारत के लोग बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं के लिए देखते हैं। तेज प्रताप का कहना है कि उन्होंने महुआ के लोगों से वादा किया था कि वह मेडिकल कॉलेज बनायेंगे और उन्होंने अपना वादा पूरा किया। उनका कहना है कि मुझे नाली-गली की राजनीति नहीं करनी। मैं मेडिकल कॉलेज बनाऊंगा, इंजीनियरिंग कॉलेज बनाऊंगा। महुआ के लोग कहते हैं कि तेज प्रताप ने महुआ का खूब विकास किया है। सड़क से लेकर स्वास्थ्य तक पर बहुत काम किया है। महुआ वालों के लिए मेडिकल कॉलेज वरदान है। जनता से कैसे कनेक्ट करना है, तेज प्रताप को पता है। वह लोगों के बीच में रहना पसंद करते हैं। लोगों की मदद के लिए वह दिन-रात एक्टिव रहते हैं।

मर जायेंगे, पर राजद में नहीं लौटेंगे

तेज प्रताप यादव का कहना है कि साल 2022 में ही उन्हें शंका होने लगी थी कि भविष्य में उनके खिलाफ साजिश हो सकती है। उन्हें लगने लगा था कि उनके खिलाफ षड्यंत्र रचा जा रहा है। उन्हें आभास था कि जयचंदों ने उन्हें टारगेट पर लिया हुआ है, तो उन्होंने उसी दौरान अपनी पार्टी जन शक्ति जनता दल को रेजिस्टर्ड करवा लिया था। उनका कहना है कि उस दौरान उन्हें बार-बार अपमान किया गया था। उन्हें तोड़ने की कोशिश की गयी थी, लेकिन वह टूटे नहीं। उनका कहना है कि जब वह हताश होते हैं, तो वह अपने मालिकों के बीच चले जाते हैं। उनकी मालिक उनकी जनता है। खुद तेजप्रताप अब अपनी राजनीतिक लाइन साफ कर चुके हैं। वह अपने माता-पिता के प्रति सम्मान तो रखते हैं, लेकिन कहते हैं कि वह राजद में लौटने की अपेक्षा मर जाना पसंद करेंगे। छोटे भाई तेजस्वी यादव को सीएम का चेहरा घोषित किये जाने के बाद उन्होंने शुभकामनाएं तो दी, लेकिन साफ कर दिया कि दोनों के रास्ते अलग-अलग हैं।

तेजप्रताप की उपलब्धि और साख

तेज प्रताप यादव ने 2015 में महुआ विधानसभा सीट से 43 प्रतिशत वोट पाकर जीत हासिल की थी और 2015 से 2017 तक वह बिहार के स्वास्थ्य मंत्री थे। अपने निर्वाचन क्षेत्र में इस मेडिकल कॉलेज का निर्माण उनकी सर्वोच्च प्राथमिकताओं में से एक था। स्थानीय लोगों ने परियोजना को आगे बढ़ाने और काम पूरा करने का श्रेय उन्हीं को दिया। लोग कहते हैं कि वह जो बोलते हैं, वह करते हैं। तेजप्रताप यादव का युवा, खासकर निम्न वर्ग के पुरुषों के बीच एक मजबूत प्रशंसक वर्ग है, जिनके साथ उन्होंने एक विशेष रिश्ता बनाया है। महुआ में तेज प्रताप यादव का मुकाबला राजद के 37 वर्षीय डेंटल सर्जन मुकेश कुमार रौशन से है, जिन्होंने 2020 में जदयू की आशमा परवीन को हराया था। इस कड़ी टक्कर वाली सीट पर एक अन्य मजबूत चुनौती चिराग पासवान की लोजपा (आर) के 45 वर्षीय व्यवसायी संजय कुमार सिंह पेश कर रहे हैं, जो एनडीए का हिस्सा हैं। तेज प्रताप के लिए अपनी साख बचाना इस बार एक बड़ी चुनौती है।

साफ-सुथरी और बेदाग छवि

तेजप्रताप यादव के साथ सबसे बड़ी बात उनकी साफ-सुथरी छवि है। स्वास्थ्य मंत्री और फिर विधायक रहते हुए भी उनके खिलाफ कोई आरोप नहीं लगा है। इसलिए लोग उन्हें पसंद करते हैं। तेजप्रताप यादव के खिलाफ भ्रष्टाचार का कोई आरोप भी नहीं है, इसलिए लोग कहते हैं कि वह एक अच्छे प्रतिनिधि हैं।

राजनीतिक रूप से अधिक समझदार

तेजप्रताप ने अब तक जो कुछ भी किया है या जो राजनीतिक फैसले लिये हैं, उनमें वह अपने छोटे भाई तेजस्वी के मुकाबले अधिक समझदार और परिपक्व नजर आ रहे हैं। चाहे अलग पार्टी बनाने का मुद्दा हो या फिर चुनाव लड़ने की घोषणा का, तेजप्रताप यादव ने हर फैसला ठंडे दिमाग से लिया है। वह न किसी के प्रति द्वेष का भाव रखते हैं और न ही अत्यधिक महत्वाकांक्षा पालते हैं। उनका अंदाज कुछ ऐसा है कि जनता से लेकर समर्थक और यहां तक कि राजनीतिक विश्लेषक भी समझ नहीं पा रहे कि तेजप्रताप वास्तव में किस दिशा में जाना चाहते हैं। कभी वे क्रांति की बात करते हैं, तो उनके एक्शन से भ्रांति भी पैदा हो जाती है, क्योंकि कभी-कभी वह विरोधियों के सुर में सुर मिलाते दिखते हैं। ऐसे कई उदाहरण हैं, जो उनकी राजनीति को सवालों के घेरे में खड़ा कर रहे हैं। इसके बावजूद तेजप्रताप यादव एक नयी राजनीतिक ताकत तो बन ही रहे हैं, जिसने विरोधियों की नींद उड़ा दी है।

जनता की हर समस्या झामुमो की प्राथमिकता : समीर मोहंती

आजाद सिपाही संवाददाता

घाटशिला। बहरागोड़ा विधायक समीर कुमार मोहंती ने मऊभंडार और गोपालपुर पंचायतों में झामुमो की महिला नेत्रियों के साथ जनसंपर्क अभियान चलाया। ग्रामीणों ने विधायक के समक्ष अपनी समस्याओं और क्षेत्रीय जरूरतों को साझा किया।

समीर मोहंती ने कहा कि जनता की हर समस्या हमारी प्राथमिकता है, चुनाव के बाद उन्हें शीघ्र समाधान मिलेगा। ग्रामीणों में झामुमो प्रत्याशी सोमेश सोरेन के समर्थन को लेकर भारी उत्साह देखा गया।

झामुमो कार्यकर्ताओं ने जनसंपर्क अभियान किया तेज

घाटशिला। घाटशिला विधानसभा उपचुनाव को लेकर झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) का जनसंपर्क अभियान लगातार गति पकड़ता जा रहा है। मंगलवार को दामपाड़ा क्षेत्र के बंकी पंचायत अंतर्गत देवली, लुपुंगडीह, बंकीडीह, चाकदोहा और चिरुगोड़ा गांवों में जबरदस्त उत्साह और जोश के साथ ग्रामीणों के बीच व्यापक जनसंपर्क अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान झामुमो कार्यकर्ताओं ने आगामी 11 नवंबर को क्रम संख्या 2 पर तीर-धनुष छाप पर मतदान करने की अपील की। ग्रामीणों ने झामुमो प्रत्याशी सोमेश चंद्र सोरेन का गर्मजोशी से स्वागत किया और उनके समर्थन में जोशीले नारे लगाये।

विपक्षी दल भारत को धर्मशाला बनाना चाहते हैं : गिरिराज सिंह

पटना (आजाद सिपाही)। बिहार में विधानसभा चुनाव से पहले स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (एसआइआर) की प्रक्रिया पूर्ण हो चुकी है और अब चुनाव आयोग यह प्रक्रिया देश के 12 अन्य राज्यों व केंद्र शासित प्रदेशों में भी चलाने वाला है। विपक्षी दलों का इंडिया गठबंधन एसआइआर के इस दूसरे चरण का भी विरोध कर रहा है। इस पर केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने विपक्ष पर निशाना साधा है। उनका आरोप है कि यह विरोध केवल मुस्लिम वोट हासिल करने के लिए किया जा रहा है। उन्होंने कहा है कि विपक्षी दल भारत को धर्मशाला बनाना चाहते हैं। दूसरी तरफ शिवसेना (यूबीटी) की सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने हर चुनाव क्षेत्र में वोट घोटाला होने और चुनाव आयोग पर जवाबदेही से बचने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा है कि कर्नाटक एसआइटी जांच ने भी कुछ निर्वाचन क्षेत्रों में फर्जी मतदाता जोड़े जाने की पुष्टि की है। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने मंगलवार को कहा कि मैं एसआइआर के लिए चुनाव आयोग को धन्यवाद देना चाहता हूं। कुछ राज्य एसआइआर का विरोध कर रहे हैं। इंडिया गठबंधन इसका विरोध कर रहा है। ऐसा लगता है कि पश्चिम बंगाल की सरकार बांग्लादेश की सरकार बन गयी है। ये लोग केवल मुस्लिम वोट पाने के लिए इसका विरोध करते हैं। वे भारत को धर्मशाला बनाना चाहते हैं।

सरकार की जनविरोधी नीतियों पर अंकुश लगाने के लिए भाजपा को जितायें : डॉ दिनेशानंद गोस्वामी

आजाद सिपाही संवाददाता

घाटशिला। भारतीय जनता पार्टी के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष डॉ दिनेशानंद गोस्वामी ने कहा कि राज्य में स्वास्थ्य व्यवस्थायें पूरी तरह बदहाल है। घाटशिला के लोगों को इलाज के लिए ओड़िसा एवं पश्चिम बंगाल के अस्पतालों पर निर्भर रहना पड़ता है। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में डॉक्टरों की कमी के कारण ग्रामीणों के छोटी-मोटी बिमारियों इलाज भी नहीं हो पाता। रोगियों को अस्पताल जाने के लिए भी सरकार एंबुलेंस उपलब्ध कराने में भी विफल है। स्वास्थ्य विभाग की लापरवाही से चाइबासा के थैलसेमिया पीड़ित बच्चों को एचआइवी संक्रमित रक्त दिया गया जिससे उनका भविष्य असुरक्षित हो गया है। एनएच पर आये दिन दुर्घटनायें होती हैं परंतु घाटशिला और आसपास में दुर्घटनाग्रस्त लोगों के त्वरित इलाज की कोई व्यवस्था नहीं है। घाटशिला अनुमंडल अस्पताल को अपग्रेड करने तथा घाटशिला में ब्लड बैंक खोलने की जनता की पूरानी मांगों पर भी सरकार ने कोई ध्यान नहीं दिया। डॉ गोस्वामी ने लोगों से झामुमो गठबंधन सरकार की जनविरोधी नीतियों पर अंकुश लगाने के लिए आगामी घाटशिला उपचुनाव में भाजपा प्रत्याशी बाबूलाल सोरेन को विजयी बनाने का आह्वान किया। डॉ गोस्वामी मंगलवार को घाटशिला के डाहिगोड़ा क्षेत्र में भाजपा के पक्ष में जन संपर्क अभियान चला रहे थे। जन संपर्क अभियान में डॉ गोस्वामी के साथ घाटशिला के जिला मंत्री गीता मुर्मू, मंडल अध्यक्ष कौशिक कुमार, महामंत्री सुखेन दास, हरप्रीत सिंह, भास्कर नायक, संध्या मंडल, अजय चक्रवर्ती, शंकर कालिंदी, गोविंदा बेहरा, दुखीराम बिसोई, लखीकांत बड़ी, आलोक दे, विश्वनाथ भट्टाचार्य सहित कई नेता सम्मिलित थे।

घाटशिला में परिवर्तन की लहर है : रामकुमार पाहन

घाटशिला (आजाद सिपाही)। अबकी बार विकास और जनसेवा के प्रति संकल्पित भाजपा प्रत्याशी बाबूलाल सोरेन को काफी आशीर्वाद और समर्थन मिल रहा है। बाबूलाल सोरेन के पक्ष में मंडल प्रवासी खिजरी के पूर्व विधायक राम कुमार पाहन, जिला उपाध्यक्ष सह मंडल खंड प्रभारी हेमंत नाराण देव और जिला मंत्री गौर चंद्र पात्र ने कार्यकर्ता संग जनसंपर्क अभियान चलाया। उन्होंने गुड़ाबांदा मंडल के सिंहपूरा पंचायत के भालकी और सूंडगी में बूथ समिति और ग्रामीणों के साथ बैठक की। बाबूलाल सोरेन के पक्ष मे कमल फूल के निशान पर मतदान करने करने का आग्रह किया। इस मौके पर मंडल अध्यक्ष रबिंद्र नाथ गांतात, मिश्र धीबर, जतिन पातर, जगदीश चंद्र सोरेन, लाल मोहन सोरेन, सुभाष हेम्ब्रम, सूनाराम सोरेन, विनोद टुडू, बिहारी किस्कू, बीरबल माहली, काजू धीबर, सुरेंद्र नाथ सोरेन, बारियर सोरेन, कार्तिक धीबर, सलमा सोरेन, माधा मुर्मू, जादूनाथ मुर्मू सहित ग्रामीण और भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित थे।

बाबूलाल सोरेन ने जनसंपर्क किया

घाटशिला (आजाद सिपाही)। भारतीय जनता पार्टी घाटशिला विधानसभा प्रत्याशी बाबूलाल सोरेन ने धालभूमगढ़ प्रखंड अंतर्गत विभिन्न पंचायत के कई गांवों में जनसंपर्क चलाया। जूनबनी पंचायत के हरिंनधुकडी गांव से जनसंपर्क प्रारंभ किया। पंचायत के उप मुखिया सुजन कुमार मन्ना ने माला एवं अंग वस्त्र से सम्मानित किया। ग्रामीणों को एक नंबर कमल छाप पर बटन दबाकर भारी से भारी मतों से विजय दिलाने का आग्रह किया। इस मौके पर मुख्य रूप से उपस्थित उपमुखिया सुजन मान्ना, सीता राम मुर्मू, काजल धल समित्र साब, साहब पूर्ति धनंजय मदीना, अमल मान्ना, निर्मल नामाता, दीपू अधिकारी, रतन प्रधान, मंटू प्रजापति, गौरांग मान्ना, भरत मान्ना समेत काफी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे।

आजाद सिपाही | झारखंड में सबसे ज्यादा देखा जाने वाला चैनल
200000 Subscribers
VIEWERSHIP 5 Crore 90 lakh+
12 Crore + Watch Time (min)
YouTube Channel
Subscribe NOW

चाइबासा में ग्रामीणों पर लाठी चार्ज के विरोध में भाजपा का कोल्हान बंद आज

- प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष आदित्य साहू ने घटना की निंदा की, सभी जिलों में भाजपा ने सरकार का पुतला फूंका
- हर लोकतांत्रिक आंदोलन को गोली, बंदूक, लाठी, डंडे से दबाने का काम किया जा रहा
- ग्रामीणों पर बल प्रयोग से पुलिस का बर्बर चेहरा उजागर हुआ

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। चाइबासा में बीती रात एनएच 220 पर बड़े वाहनों की नो इंट्री को लेकर लोकतांत्रिक तरीके से किये जा रहे धरना-प्रदर्शन, मंत्री आवास घेराव में शामिल सैकड़ों आदिवासी मूलवासी लोगों पर पुलिस द्वारा हुई बर्बर कार्रवाई, आंसू गैस के गोले को भाजपा ने बर्बर, जनविरोधी और हिंसक बताया है। भाजपा के प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष सांसद आदित्य साहू ने घटना की निंदा करते हुए पुलिसिया कार्रवाई के खिलाफ मंगलवार को प्रदेश के सभी जिलों में पार्टी द्वारा राज्य सरकार का पुतला दहन और 29 अक्टूबर बुधवार को पश्चिम सिंहभूम चाइबासा, सरायकेला खरसावां जिलों में 12 घंटे के बंद का आह्वान किया है। बंद 6 बजे सुबह से शाम 6 बजे तक होगा जिसमें आवश्यक सेवाओं को बंद मुक्त रखा गया है। आदित्य साहू ने कहा कि लोकतंत्र में शांतिपूर्ण तरीके से धरना-प्रदर्शन जनता का अधिकार है। लेकिन सरकार हर लोकतांत्रिक आंदोलन को गोली, बंदूक लाठी डंडे से दबाने का काम कर रही है।

एक वर्ष में लगभग 154 लोगों की जान गयी : आदित्य साहू

आदित्य साहू ने कहा कि चाइबासा बायपास में पिछले दो वर्षों से एनएच 220 पर दिन रात भारी वाहन चलते हैं। जिस कारण वाहन की चपेट में आने से एक वर्ष में लगभग 154 लोगों की जान जा चुकी है। पिछले 10 दिनों के भीतर ही 4 लोग वाहन की चपेट में आकर जान गंवा चुके हैं। उन्होंने कहा कि स्थानीय जनता आये दिन हो रही मौत से परेशान और दुखी है। आक्रोशित होकर जनता जिसमें बड़ी संख्या में आदिवासी समाज के भाई-बहन शामिल हैं ने राज्य के परिवहन मंत्री और स्थानीय विधायक दीपक बिरुवा के आवास के घेराव का कार्यक्रम रखा। दिनभर लोग धरना पर बैठे रहे, लेकिन सरकार का कोई प्रतिनिधि जनता से बात करने, उनकी मांगों को सुनने नहीं आया। उल्टे रात होते ही पुलिस का बर्बर चेहरा उजागर हुआ। पुलिस ने पकड़कर धरना दे रहे लोगों को गिरफ्तार किया और आंसू गैस के गोले छोड़े। भगदड़ में दर्जनों लोग घायल हुए। डर से लोग इलाज भी नहीं करा रहे।

अवैध खनन सिंडिकेट के दबाव में नो इंट्री लागू नहीं कर रही सरकार: बाबूलाल मरांडी

निर्दोष ग्रामीणों पर लाठीचार्ज करना लोकतंत्र पर हमला है

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष और नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने चाइबासा में शांतिपूर्ण धरना दे रहे आदिवासी ग्रामीणों पर की गयी पुलिस कार्रवाई की कड़ी निंदा की है। उन्होंने आरोप लगाया कि हेमंत सरकार अवैध खनन सिंडिकेट के दबाव में काम कर रही है और इसलिए चाइबासा में नो इंट्री नियम लागू नहीं किया जा रहा। मरांडी ने कहा कि बीती रात तांबो चौक पर नो इंट्री की मांग को लेकर शांतिपूर्वक धरना दे रहे ग्रामीणों पर पुलिस ने बर्बर लाठीचार्ज किया, जिसमें कई लोग घायल हो गया। उन्होंने कहा कि यह हमला कानून-व्यवस्था की विफलता नहीं, बल्कि भ्रष्टाचार की हिफाजत करने वाला राज्य-प्रायोजित आतंक है।

उन्होंने बताया कि ग्रामीण लंबे समय से एनएच-220 पर अवैध खनन ट्रकों की आवाजाही रोकने की मांग कर रहे हैं, क्योंकि ये ट्रक अब तक सौ से अधिक निर्दोष लोगों की जान ले चुके हैं। बावजूद इसके सरकार नो इंट्री लागू करने से बच रही है। मरांडी ने आरोप लगाया कि यह पूरा मार्ग अवैध खनन सिंडिकेट की जीवनरेखा है, जिससे मंत्री से लेकर अधिकारी तक सभी को कमीशन मिलता है।

पूर्व मुख्यमंत्री मधु कोड़ा का हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि 14 अक्टूबर को कोड़ा ने नोवामुंडी में छह अवैध ट्रकों की सूचना पुलिस को दी थी, लेकिन अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई। यह साबित करता है कि पुलिस और खनन माफिया में मिलीभगत है। मरांडी ने कहा कि जब ग्रामीण शांतिपूर्वक धरना दे रहे थे, तब रात में अचानक पुलिस ने उन पर लाठियां बरसाईं, आंसू गैस के गोले छोड़े यह लोकतंत्र पर हमला है। उन्होंने मांग की कि इस पूरे मामले की उच्च स्तरीय न्यायिक जांच करायी जाये, दोषी अधिकारियों को निलंबित कर उनके खिलाफ हत्या के प्रयास का मुकदमा दर्ज किया जाये। साथ ही नो इंट्री नियम तत्काल लागू किया जाये और पीड़ितों को मुआवजा दिया जाये।

राशिफल

डॉ एनके बेरा | 9431114351

- **मेष** — रोजी-रोजगार की स्थिति में सुधार,भाई-बहनों का सहयोग मिलेगा। आर्थिक समस्याओं का समाधान।
- **वृष** — आपको नियमित रूप से अपना खान-पान पर ध्यान देना चाहिए। संकल्पित काम पूरे होंगे।
- **मिथुन** — परिश्रम-प्रयत्न से रुके हुए काम पूरे होंगे, आर्थिक स्थिति सुदृढ़, निर्माण कार्य में प्रगति।
- **कर्क** — काम की गति बढ़ेगी, सुख-संसाधनों की वृद्धि, व्यापारिक विस्तार की योजना।
- **सिंह** — आज का दिन काफी अच्छा तथा प्रगतिवर्धक रहेगा। विपरीत स्थितियों में सुधार, सामयिक-सामाजिक विकास।
- **कन्या** — बहुत दिनों से चली आ रही इच्छाओं की पूर्ति होगी, व्यवसाय में सफलता।
- **तुला** — कुछ संघर्षों के बाद नौकरी-सरकारी कार्यों में आशातीत सफलता मिलेगी।
- **वृश्चिक** — चतुर्दिक हर्ष तथा उल्लास का वातावरण रहेगा, संयम, धैर्य से काम आसान होंगे।
- **धनु** — आय के नये स्रोत बनेंगे, प्रभावशाली व्यक्तित्व का विकास, षड्यंत्र विफल रहेगा।
- **मकर** — नये व्यवसाय का आरंभ हो सकता है, परिवार में मांगलिक कार्य संपन्न होगा।
- **कुंभ** — रुके हुए कार्य में तेजी, उत्साह-उमंग भरा रहेगा, भ्रमण के साधन बनेंगे,नये लोगों से संपर्क।
- **मीन** — किसी नये कार्य आरंभ करने से पूर्व परिवार में विचार-विमर्श करें, कठिनाइयों पर विजय।

झामुमो प्रत्याशी के समर्थन में संजीव सरदार का जनसंपर्क

सोमेश सोरेन की जीत से घाटशिला के विकास का नया अध्याय शुरू होगा : संजीव सरदार

आजाद सिपाही संवाददाता

घाटशिला। मंगलवार को भारी बारिश के बावजूद झारखंड मुक्ति मोर्चा के स्टार प्रचारक और पोटका के विधायक संजीव सरदार ने घाटशिला उपचुनाव में अपने दायित्वों का निर्वहन करते हुए विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न पंचायतों में जनसंपर्क अभियान चलाया और झामुमो प्रत्याशी सोमेश चंद्र सोरेन के पक्ष में मतदान की अपील की।

विधायक श्री सरदार ने मैदाशोल पंचायत के चिरुगोड़ा, जगन्नाथपुर गांव पावड़ा नरसिंहगढ़ पंचायत के पुनसा गांव और चूकरीपड़ा पंचायत के ऊपरशोली गांव सहित दर्जनों स्थानों पर पदयात्रा की और ग्रामीणों, बुद्धिजीवियों, ग्राम प्रधानों, मांझी बाबा, नायके बाबा एवं कार्यकर्ताओं से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने कहा कि झामुमो की अबुआ सरकार ने जनकल्याणकारी योजनाओं से हर वर्ग तक विकास पहुंचाया है।

उन्होंने क्षेत्र में घर-घर जा कर कहा कि झामुमो प्रत्याशी सोमेश सोरेन न सिर्फ अपने स्वर्गीय पिता, पूर्व मंत्री रामदास सोरेन के अधूरे कार्यों को पूरा करेंगे, बल्कि उनके सपनों को भी साकार करेंगे। विधायक सरदार ने कहा कि घाटशिला का जैसा मान रामदास दा ने बढ़ाया, सोमेश उसी मान-सम्मान और विकास की राह को आगे बढ़ायेंगे, सोमेश सोरेन की जीत से घाटशिला के विकास का नया अध्याय शुरू होगा।

झामुमो नेत्रियों ने सोमेश सोरेन के लिए मांगा समर्थन

आजाद सिपाही संवाददाता

घाटशिला। मंगलवार को घाटशिला विधानसभा क्षेत्र के कशीदा पंचायत के विभिन्न गांवों और टोलों में झारखंड मुक्ति मोर्चा की नेत्रियों ने पैदल जनसंपर्क अभियान चलाया। अभियान के दौरान उन्होंने ग्रामीण महिलाओं से संवाद करते हुए झामुमो के प्रत्याशी सोमेश चंद्र सोरेन के पक्ष में समर्थन और आशीर्वाद मांगा। जनसंपर्क के दौरान महिला मोर्चा की नेत्रियों ने राज्य सरकार की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं – मंईयां सम्मान योजना, सर्वजन पेंशन योजना, सावित्रीबाइ फुले किशोरी सम्मान योजना, 200 यूनिट मुफ्त बिजली योजना और कृषि ऋण माफी योजना की जानकारी विस्तार से दी और बताया कि झारखंड मुक्ति मोर्चा की सरकार हमेशा गरीब, किसान, महिला और युवाओं के हित में कार्य करती रही है।

महिला मोर्चा की वरिष्ठ नेत्री छाया रानी साहू ने कहा कि सोमेश चंद्र सोरेन एक पढ़े-लिखे, सरल और विनम्र स्वभाव के युवा हैं। वे अपने पिता स्व. रामदास सोरेन के अधूरे कार्यों को पूरा करेंगे। जैसे किसी नौकरी में पढ़े-लिखे को प्राथमिकता दी जाती है, वैसे ही अब हमारे क्षेत्र को एक शिक्षित जनसेवक की जरूरत है और वह हैं सोमेश चंद्र सोरेन। वहीं लक्ष्मी सिंह ने कहा कि स्व. रामदास सोरेन के निधन के बाद से सोमेश सोरेन ने पूरे क्षेत्र को अपने स्नेह और कर्म से जोड़ लिया है। गांव-गांव में उन्हें अपार सम्मान और प्यार मिल रहा है। यह स्पष्ट संकेत है कि आने वाले 11 नवंबर के उपचुनाव में सोमेश सोरेन अपने पिता से भी अधिक मतों से ऐतिहासिक जीत दर्ज करेंगे।

आंदोलनकारी निर्दोष, प्रशासन की कार्रवाई निंदनीय : चंपाई सोरेन

आजाद सिपाही संवाददाता

चाइबासा। चाइबासा में ग्रामीणों पर हुए लाठीचार्ज की घटना के विरोध में पूर्व मुख्यमंत्री सह विधायक चंपाई सोरेन ने बुधवार को कोल्हान बंद का एलान किया है। मंगलवार को मीडिया से बातचीत में उन्होंने कहा कि आंदोलनकारी पूरी तरह से निर्दोष हैं। उन पर की गयी कार्रवाई निंदनीय है। उन्होंने कहा कि सोमवार देर रात, चाइबासा में नो एंट्री की मांग को लेकर आदिवासियों के आंदोलन को प्रशासन द्वारा जिस प्रकार से कुचलने की कोशिश की गयी, उसकी जितनी भी निंदा की जाये कम है। उस क्षेत्र में बढ़ती सड़क दुर्घटनाओं के मद्देनजर ग्रामीण दिन में भारी वाहनों के लिए नो एंट्री की मांग कर रहे थे। क्या उनकी यह मांग गलत है। क्या इस राज्य में लोगों को लोकतांत्रिक तरीके से धरना प्रदर्शन का अधिकार नहीं है। चंपाई सोरेन ने मांग की कि लाठीचार्ज की निष्पक्ष जांच कर दोषी अधिकारियों पर कड़ी कार्रवाई की जाये और गिरफ्तार किये गये सभी लोगों को तुरंत रिहा किया जाये। चंपाई सोरेन ने लोगों के बीच पैदल मार्च किया और चार से पांच किलोमीटर तक चलकर कुजू बॉर्डर पहुंचे। वहां तैनात अधिकारियों से बातचीत की और स्थिति को समझाया। सोरेन ने कहा कि सरकार को आदिवासियों की आवाज दबाने की बजाय सुननी चाहिए। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर मांगें पूरी नहीं हुईं तो आंदोलन को और तेज किया जायेगा।

पाषाण काल की तरह जीवन जीने को मजबूर हैं कोरकोट पाठ के ग्रामीण

नियम तोड़ने के बावजूद लीज धारकों के खिलाफ कार्रवाई नहीं करते अधिकारी

अंजुम/संतोष/विकास

गुमला। बिशनपुर प्रखंड के कोरकोट पाठ में पिछले तीस सालों से आज तक कुछ नहीं बदला। वही मिट्टी के खस्ता हाल मकान, ग्रामीणों के तन पर फटे-पुराने कपड़े और लाल मिट्टी से अटा हुआ सारा शरीर।

आज भी ऐसा प्रतीत होता है कि कोरकोट पाठ की जनता पाषाण काल में जी रही है।

इन्ही आदिवासी और आदिम जनजाति के लोगों की जमीन से बॉक्साइट निकाल कर लीज धारक मालामाल हो रहे हैं।

सरकारी पदाधिकारियों के दम पर लीज धारक कंपनियां कर रहीं रैयतों का शोषण

कोरकोट पाठ मूलतः अवधेश सिंह का लीज क्षेत्र है। इस लीज क्षेत्र में व्यापक पैमाने पर बॉक्साइट खुदाई का काम चल रहा है। बॉक्साइट खुदाई करने के लिए बड़ी-बड़ी मशीनों का उपयोग भी किया जा रहा है। स्थानीय लोगों को नाम मात्र के लिए काम पर रखा जाता है। बावजूद इसके सरकार से बड़े-बड़े वादे करके लीज लेने वाली ये कंपनियां, सरकारी पदाधिकारियों की मिलीभगत से सरकार की आंख में धूल झोंक कर रैयतों के अधिकारों का हनन कर रही हैं और बदहाल जीवन जीने को छोड़ देती हैं।

आखिर नियम तोड़ने वाले लीज धारकों के खिलाफ पदाधिकारी क्यों नहीं करते कार्रवाई

खनन विभाग की निगरानी में चलने वाली लीज, ग्रामीणों को सुविधा मुहैया नहीं करा रही है। लीज धारकों की इस मनमानी पर खनन विभाग मौन रहता है। आखिर खनन विभाग ग्रामीणों को सुविधा नहीं देने पर लीज धारकों के विरुद्ध कोई सख्ती क्यों नहीं दिखता। यह अपने आप में सबसे बड़ा प्रश्न है। आखिर खनन विभाग को ऐसी क्या मजबूरी है, जिसके कारण लीज धारकों के विरुद्ध कार्रवाई पर उनकी कलम चलना ही भूल जाती है। रैयत सीधे तौर पर आरोप लगाते हैं कि आज हमारी बदहाली के सबसे बड़े जिम्मेदार खनन से संबंधित पदाधिकारी हैं, क्योंकि जब वही कार्रवाई नहीं करते, तो हमारी कौन सुनेगा।

पीने का पानी भी दो किमी से लाते हैं कोरकोट पाठ के लोग

कोरकोट पाठ में रह रहे आदिवासी और आदिम जनजातियों के लिए पीने का पानी तक मयस्सर नहीं है। उन्हें पीने का पानी लेने के लिए डेढ़ से दो किलोमीटर तक जाना पड़ता है। शुद्ध पानी नहीं मिलने के कारण इन लोगों का स्वास्थ्य अत्यंत प्रभावित रहता है।

उपलब्ध नहीं है स्वास्थ्य सुविधा

पाठ क्षेत्र में रह रहे लोगों को स्वास्थ्य सुविधाएं भी नहीं मिल रही हैं। बड़े-बड़े लीजधारक लीज से पैसा कमा कर बड़े-बड़े शहरों में हवेलियां बनकर रह रहे हैं। वहीं जिनकी जमीन से खजाने निकल रहे हैं, वे लोग एक मामूली दवा और स्वास्थ्य चेकअप के लिए भी मोहताज हैं, जबकि लीज के नियमों में उन बस्तियों में मूलभूत सुविधा देने की जिम्मेदारी लीजधारकों की है।

भाकृअनुप केन्द्रीय चावल अनुसंधान संस्थान
कटक-753006 (ओडिशा), भारत
ICAR-CENTRAL RICE RESEARCH INSTITUTE
Cuttack (Odisha) 753 006, India
Ph.: +91-671-2367757/67, EPBX: +91-671-2367768-783,
Fax : +91-671-2367663, e-mail: director.nrri@icar.gov.in,
crrictc@nic.in, URL : http//www.nrri.icar.in

विज्ञापन संख्या/ ADVERTISEMENT No.33/SRF/OA/CM 2025-26 दिनांक/ Date : 27.10.2025

प्रत्यक्ष साक्षात्कार हेतु सुचना /Notice for Walk-in-Interview

प्रधान अन्वेषक, ईएपी-359 योजना के तहत सभी योग्य उम्मीदवारों को दो (02) **सीनियर रिसर्च फैलो, एक (01) ऑफिस असिस्टेंट और तीन (03) कम्युनिटी मोबीलाईजर का** चयन दिनांक कृमश: 06.11.2025 (10.30पूर्वाह्न), 07.11.2025 (10.30 पूर्वाह्न) और 10.11.2025 (10.30 पूर्वाह्न) को भाकृअनुप-कें.चा.अनु.सं, कटक, ओडीशा में प्रत्यक्ष साक्षात्कार हेतु आमंत्रित करते हैं । अधिक जानकारी के लिए कृपया भाकृअनुप-कें.चा.अनु.सं की वेबसाइट https//icar-nrri.in/walk-in-interview-3/ पर जाएं ।

P.I. of the project EAP-359, invites all the eligible candidates for walk-in-interviews for the post of **Two(02) Senior Research Fellow (SRF), One(01) Office Assistant (OA) and Three(03) Community Mobilizer** on 06.11.2025 (10.30AM), 07.11.2025 (10.30AM) and 10.11.2025 (10.30AM) respectively at ICAR-CRRI, Cuttack, Odisha. For further details please visit to ICAR-CRRI website: https://icar-crri.in/walk-in-interview-3/.

प्रधान अन्वेषक/ PRINCIPAL INVESTIGATOR

TPWODL
TP WESTERN ODISHA DISTRIBUTION LIMITED
(A Joint Venture of Tata Power and Government of Odisha)
Corporate Office : Burla, Dist.-Sambalpur (Odisha)-768017

NOTICE INVITING TENDER

T.No.TPWODL/TP/O/SITC/2600002118 Date. 29.10.2025

TP Western Odisha Distribution Limited, invites tender quotations (in 2part bidding) from eligible vendors/suppliers for the following package :

SITC of 40 kVA UPS Along with Other Accessories.

Interested bidders are to submit Tender Participation Fee and Authorization Letter through email on or before **9th November 2025, 17:00Hrs,** after which the link from e-Tender system shall be shared with them.

For detailed tender documents of the above-mentioned tender, please visit Tender section of **www.tpwesternodisha.com.** All details for participating in the tender is given in the tender document.

All future correspondence regarding the tender, bid submission, date extension etc. will take place with the participating bidders only through E-Tender system.

Sd/- **Head-Contracts & Procurement**

उदीयमान सूर्य को अर्घ्य देने के साथ संपन्न हुआ छठ महापर्व

छठ घाटों पर उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़, भगवान भास्कर से की सुख-समृद्धि की कामना

आजाद सिपाही संवाददाता

हजारीबाग। उदीयमान सूर्य को अर्घ्य के साथ मंगलवार को छठ महापर्व संपन्न हो गया। घाटों पर श्रद्धालुओं ने सुख-समृद्धि की कामना उगते सूर्य को अर्घ्य अर्पित कर किया। रोशनी से जगमगाते घाटों पर महिलाओं और पुरुषों ने सिर पर फल-सज्जित डाला और टोकरी लेकर नंगे पांव घाट तक पहुंचकर जल में खड़े होकर सूर्य देव की आराधना की। श्रद्धालुओं ने शहर के झील, छठ तालाब, मीठा तलाव, धोबिया तालाब, हुडहुडू तालाब समेत शहर के अन्य घाटों पर छठ व्रतियों ने डूबते और उगते सूर्य को अर्घ्य दिया और भगवान भास्कर की उपासना की। मंगलवार सुबह चार बजे से ही घाटों पर श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ने लगी थी।

श्रद्धा उत्साह और भक्ति में डूबा रहा पूरा शहर : लोक आस्था और तपस्या के चार दिवसीय महापर्व छठ का समापन समापन उत्साह और उमंग के साथ हुआ। भोर होते ही श्रद्धालु अपने परिवारों के साथ नगर निगम क्षेत्र के विभिन्न तालाब और झील घाटों पर पहुंचने लगे। दो दर्जन से अधिक घाटों पर हजारों व्रतियों ने उगते सूर्य को अर्घ्य अर्पित किया और पवित्र जल में आस्था की डुबकी लगायी। 36 घंटे के निर्जला उपवास के बाद जब व्रतियों ने उगते सूर्य को अर्घ्य देकर पारण किया, तो घाटों का वातावरण जय छठी मैया के जयघोष से गूंज उठा। श्रद्धालु महिलाओं ने पारंपरिक विधि-विधान से पूजन किया और परिवार की सुख-समृद्धि और संतान की दीघार्यु की कामना की। जिला प्रशासन, पुलिस विभाग और नगर निगम की टीम ने घाटों पर सुरक्षा और व्यवस्था की जिम्मेदारी बखूबी निभायी। प्रमुख घाटों पर अधिकारीगण, पुलिस बल और महिला कांस्टेबल मुस्तैद रहीं। वहीं, एनडीआरएफ की विशेष टीम भी झील घाट में तैनात रही, जिसमें 30 से अधिक सदस्य सुरक्षा में सक्रिय थे। नगर निगम ने संभावित खतरे को देखते हुए गोताखोरों की व्यवस्था की थी।

लोक आस्था की मिसाल बनी सोनी किन्नर : हजारीबाग के मंडई कला की सोनी किन्नर ने इस साल पहली बार पूरे विधि-विधान से छठ व्रत किया और जोभिया नदी तट पर भक्ति भाव से सूर्य देव को अर्घ्य दिया।

झील घाट पर लगा पान मसाला का प्रचार गेट को लोगों ने ट्रोल किया : झील घाट पर एक पान मसाला का प्रचार गेट लगाया गया था। जिसे देख कर झील आने जाने वाले श्रद्धालुओं ने सोशल मीडिया पर जम कर विरोध किया, जिसके बाद रात्रि में ही इसे हटा लिया गया। भक्तजनों ने कहा कि छठ जैसे पावन पर्व पर जब हर ओर भक्ति की बयार बह रही है तो छठ घाट पर पान मसाला का प्रचार गेट लगाना कितना सही है। विरोध के बाद इसे रात में ही हटा लिया गया।

घरों के छत और स्विमिंग पूल में भी दिया गया अर्घ्य : हजारीबाग शहर समेत पूरे जिले में छठ पर्व पूरे श्रद्धा और उल्लास से मनाया गया। शहर के ऐतिहासिक झील के अलावा दर्जनों तालाबों और नदियों में छठ पूजा की गयी। इसके अलावा घरों की छत पर भी और स्विमिम पुल में भी अर्घ्य दिया गया। कई छठ व्रतियों ने अपने घरों के छत पर ही घाट बना अर्घ्य दिया।

लोक आस्था का महापर्व छठ संपन्न

विष्णुगढ़(आजाद सिपाही)। लोक आस्था का महापर्व छठ उदयीमान सूर्य को अर्घ्य देने के साथ सम्पन्न हुआ। पूजा अर्चना को लेकर पूरे प्रखण्ड में श्रद्धालुओं में उत्साह चरम पर रहा। सप्ताह दिन पहले से बाजार में रौनक बढ़ गयी, लोगों ने जमकर खरीदारी की। इस अवसर पर विष्णुगढ़ के उत्तरवाहिनी यमुनिया नदी पर 7 दिवसीय मेला का भी आयोजन किया गया। जिसमें रासलीला, जागरण के अलावा बाल नृत्य प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। मेला में झूला, खिलौने आदि के दुकाने सजे हुए हैं। मंदिर परिसर को आकर्षक लाइट गेट पंडाल से सजाया गया है। जहां बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने अर्घ्य दिया। इसके अलावा सात मिल मोड़ स्थित रमुवा नदी, चलनिया बादीखरना, अलपिटो, गैड़ा, बराई, सीरय, अचलजामो, करगालो, सारूकुदर, मडमो, चानो, नागी, बंदखारो, गाल्होबार, कोनार

डैम, नरकी, गोविंदपुर समेत विभिन्न क्षेत्रों में हर्षोल्लास के साथ छठ पर्व मनाया गया। छठ पर्व में स्वच्छता का विशेष ध्यान रखा जाता है। यह त्योहार प्रकृति से जुड़ा हुआ है।

दारू प्रखंड के विभिन्न घाटों पर श्रद्धा और भक्ति के साथ छठ महापर्व संपन्न

दारु /हजारीबाग(आजाद सिपाही)। आस्था का महापर्व छठ पूजा प्रखंड के विभिन्न छठ घाटों मे पूरे विधि विधान के साथ संपन्न हुआ। भगवान भास्कर के भक्तो ने सोमवार कि संध्या को अस्तचलगामी सूर्य को पहला अर्घ्य और अगले दिन मंगलवार को उदयीमान भास्कर दूसरा अर्घ्य देकर श्रद्धापूर्वक पूजा कि कर भगवान का आशीर्वाद प्राप्त किया। प्रखंड के सिवाने नदी पिपचो, बड़वार, इरगा, दारु खैरका, बक्शीडीह, भटवीघा, बासोबार, पेटो, हरली, झुमरा, कवालु, दिगवार, जिनगा, काबलासी, पुनाई, मेडकुरी आदि के छठ घाटों कि साफ सफाई व आकर्षक ढंग से विद्युत और फूल सज्जा कि गयी थी। बक्शीडीह छठ घाट मे सात घोड़ों पर सवार भगवान भास्कर कि आकर्षक प्रतिमा रख कर पूजा कि गयी। आचार्य श्रीनिवास शर्मा ने मंत्रोचरण कर पूरे विधि विधान से पूजा कराया। छठ पूजा मे बिष्णुगढ़ अनुमंडल के एसडीपीओ बैजनाथ प्रसाद, थाना प्रभारी इकबाल हुसैन भी सक्रियता दिखाते हुए छठ घाटो का निरीक्षण कर आवश्यक दिशा निर्देश दिये। इस कार्यक्रम और पूजा के सफल आयोजन मे संस्था के सदस्यो ने भी काफी योगदान दिया।

केरेडारी में भक्ति और उमंग के साथ छठ महापर्व हुआ संपन्न

केरेडारी(आजाद सिपाही)। लोकास्था और सूर्योपसना का महापर्व छठ मंगलवार को उदियमान सूर्य को अर्घ्य देने के साथ ही संपन्न हो गया। इस दौरान छठ व्रतियों ने भक्ति भाव के साथ भगवान भास्कर को अर्घ्य प्रदान किया तत्पश्चात रवि सष्ठी व्रत की कथा का भी श्रवण किया। इसके बाद 36 घंटे से जारी निर्जला उपवास के बाद पारण कर अनुष्ठान का समापन किया। वहीं सोमवार को श्रद्धालुओं ने अस्ताचल गामी सूर्य को अर्घ्य प्रदान किया और पूजा-अर्चना कर मंगलकामना किया। व्रत को लेकर लोगों में खासा उत्साह दिखा दिया और प्रखंड क्षेत्र के सभी सोलह पंचायतों में छठ घाटों को स्थानीय समितियों के द्वारा आकर्षक तरीके से सजाया गया था। केरेडारी के बड़की पोखर में और हेवई में विशेष साज साजज्या की गयी थी और तालाब के बिचो बीच जल में भगवान सूर्य की प्रतिमा स्थापित की गयी थी। साथ ही सभी छठ घाटों में आकर्षक विद्युत सज्जा और साउंड की व्यवस्था की गयी थी जिससे सभी छठ घाट छठ के गीतों से गुंजायमान होते रहे।

उपायुक्त ने भगवान भास्कर को अर्घ्य अर्पित कर जिलेवासियों की सुख- समृद्धि की कामना की

आजाद सिपाही संवाददाता

कोडरमा। लोक आस्था का महापर्व छठ आज उदीयमान सूर्य को अर्घ्य अर्पित करने के साथ श्रद्धा और भक्तिमय वातावरण में संपन्न हुआ। इस अवसर पर जिले के सभी छठ घाटों पर व्रतियों और श्रद्धालुओं की भारी भीड़ रही। जिला प्रशासन, कोडरमा द्वारा पर्व को शांतिपूर्ण और सुव्यवस्थित रूप से संपन्न कराने के लिए व्यापक तैयारियां की गयी थीं। उपायुक्त ऋतुराज ने भी आज छठ पर्व को श्रद्धा, आस्था और उत्साह के साथ मनाया। उन्होंने स्थानीय राजा तालाब घाट पर पहुंचकर उदयीमान सूर्य को अर्घ्य अर्पित किया और जिलेवासियों की सुख-समृद्धि, स्वास्थ्य और उन्नति की कामना की। इस दौरान उपायुक्त ऋतुराज ने कहा कि छठ पर्व लोक आस्था का महापर्व है, जो प्रकृति, सूर्य देव और जल तत्व के प्रति कृतज्ञता का प्रतीक है। यह पर्व सामाजिक एकता, स्वच्छता और सामूहिक सहयोग का संदेश देता है। जिला प्रशासन द्वारा छठ घाटों पर व्यापक व्यवस्थाएं की गयी थीं। इसके साथ ही जिला नियंत्रण कक्ष लगातार सक्रिय रहा। सभी घाटों पर पदाधिकारियों, पर्यवेक्षकों, कर्मियों की प्रतिनियुक्ति कर सतत निगरानी की गयी। सभी अस्पतालों में चिकित्सक, पैरामेडिकल टीम और एम्बुलेंस की उपलब्धता भी सुनिश्चित की गयी थी, ताकि किसी भी आपात स्थिति से तुरंत निपटा जा सके।

उदीयमान सूर्य को अर्घ्य अर्पण कर सांसद और विधायक ने की आराधना

कोडरमा (आजाद सिपाही)। लोक आस्था का महापर्व छठ मंगलवार सुबह भगवान भास्कर को प्रातः कालीन अर्घ्य अर्पण के साथ संपन्न हुआ। पूरे जिले में छठवर्तियों ने पूरी आस्था के साथ माता की पूजा अर्चना की। लोग पहले सुबह से ही छठ घाट पहुंचने लगे थे। इसके बाद वर्तियां ने नदी तालाब में उदीयमान सूर्य को अर्घ्य दिया। इसके साथ ही चार दिवसीय महापर्व का समापन हो गया। इसके बाद लोग अपने-अपने घरों की ओर रवाना हुए। छठ वर्तियो ने पारणकर 36 घंटे का निर्जला उपवास तोड़ा। सांसद और विधायक डॉ नीरा यादव नेवी छठ महापर्व पर अर्घ्य अर्पित किया। सांसद विधायक पूरे परिवार के साथ छठ घाट पहुंचे। इसके पूर्व सोमवार को अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य दिया गया। छठ महापर्व के लिए प्रशासन की ओर से सुरक्षा के व्यापक प्रबंध किये गये थे। पर्व को शांति और सौहार्दपूर्ण वातावरण में मनाने के लिए पुलिस प्रशासन के साथ कई स्वयंसेवी संगठनों के लोग भी लगे हुए थे। शहर के पानी टंकी रोड स्थित भास्कर छठ तालाब, इंदरवा छठ तालाब, धनी सिंह तालाब, कोरिया डीह तालाब, जय मंगल सिंह तालाब, कोडरमा के राजा तालाब, बरसतियाबर तालाब वर्तियों और श्रद्धालुओं से पटा रहा। अर्घ्य के दौरान व्रतधारी महिलाएं और पुरुष जल में काफी देर तक हाथ जोड़ खड़े रहकर सूर्य की आराधना करते दिखे। सूर्य को अर्घ्य अर्पित करने के लिए विभिन्न पूजा समितियां द्वारा छठ घाट और सड़कों पर आकर्षक साज सज्जा सहित कई प्रकार के इंतजाम किए गए थे, ताकि वर्तियो को कोई कठिनाई न हो। छठ घाट पर सुबह 4:00 से ही व्यक्तियों के पहुंचने का सिलसिला शुरू हो गया था। कई वृत्ति पूरे रास्ते दंडवत कर छठ घाट तक पहुंचे। कहीं छठ घाट पर मेला भी लगाया गया था। पूरे छठ के दौरान प्रशासन की ओर से भी पुख्ता इंतजाम किये गये थे। जगह-जगह हर चौक चौराहा पर पुलिस बल की तैनाती किये गये थे। कई घाटों पर जिला प्रशासन के निर्देश के बावजूद बैरिकेडिंग नहीं की जा सकी थी। वहीं विभिन्न संगठन में छठ के महान पर्व के मौके पर छात्रवृत्तियों के बीच नारियल फल और वस्त्र वितरण करते देखे गये थे।

बेंगवरी में अर्घ्य के दौरान महिला की मौत

केरेडारी (आजाद सिपाही)। छठ पर्व के तीसरे दिन सोमवार को प्रखंड के बेंगवरी गांव में एक छठ व्रती महिला मम्पी कुमारी की आकस्मिक मौत हो गयी जिससे माहौल गमगीन हो गया। घटना सोमवार की देर शाम करीब 6 बजे की बतायी जा रही है। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार उक्त महिला ने विधि विधान के साथ व्रत किया था और अर्घ्य देने के लिए वो जैसे ही जलाशय में पहुंची और डुबकी लगायी की अचानक दिल का दौरा पड़ा और महिला बेहोश हो गयी। मौके पर मौजूद ग्रामीणों ने आनन फानन में एम्बुलेंस से इसे अस्पताल पहुंचाया जहां चिकित्सकों ने इसे मृत घोषित कर दिया। अकस्मात हुए इस घटना से समूचे गांव में मातम पसर गया व माहौल गमगीन हो गया। विदित हो की एक दिन पूर्व प्रखंड के बेला टोला कराली में भी खरना से पूर्व स्नान के दौरान तालाब में डूबने से दो बच्चीयों की दर्दनाक मौत हो गयी थी।

छठ महापर्व के दौरान चेन स्नैचिंग में संलिप्त आठ महिलाएं गिरफ्तार

सभी गिरफ्तार महिलायें धनबाद पटना और प बंगाल की

आजाद सिपाही संवाददाता

कोडरमा। छठ महापर्व-2025 को शांतिपूर्ण सम्पन्न कराने के लिए बड़ी संख्या में पुरूष और महिला बलों की प्रतिन्युक्ति की गयी थी। साथ ही सादे लिबास में भी बलों को प्रतिन्युक्ति किया गया था। इसी दौरान ऐसी सूचना प्राप्त हई कि पर्व पर तिलैया बाजार के भीड-भाड वाले इलाके से महिलाओं के आभूषणों की चोरी अज्ञात द्वारा की जा रही है। ऐसी सूचना का सत्यापन और आवश्यक कार्रवाई के लिए एसपी अनुदीप सिंह ने पुलिस इंस्पेक्टर सह थाना प्रभारी तिलैया विनय कुमार के नेतृत्व में विशेष टीम का गठन किया। उक्त टीम तत्परता से अज्ञात चोरों का पता लगाने में जुट गयी। इसी बीच पता चला कि महतो आहरा छठ घाट से लौट रही महीला कल्याणी सिंह,गुमो के गले से चैन स्नैचिंग की घटना हुई है। इसके बाद वहां प्रतिन्युक्ति अन्य बलों के अतिरिक्त उक्त टीम ने आम लोगों की मदद से कुल आठ महिलाओं को पकडा गया। इन सबों के पास से चोरी की गयी आभुषणों की बिकी से प्राप्त नगद रू बरामद किए गए और उनकी निशानदेही पर चेन कंटिग करने में प्रयुक्त करने वाले कटर और कुछ आभूषण बरामद किए गए। पकडे गए उक्त महिलाओं ने अपने अपराध स्वीकारोकित बयान मे बताया कि वे सभी पूर्व में सब्जी बेचने और कपडा फेरी करने का काम करती थी, जिस कम में सबों में एक- दूसरे से जान पहचान हुई थी और कुछ दिनों बाद सभी भीडभाड वाले स्थानो में महिलाओं का आभूषण की चोरी करने लगी। उक्त घटना के संदर्भ में वादी सूरज कुमार सिंह, सा- गुमों, तिलैया के आवेदन के आधार पर उपरोक्त पकड़ी गई महिलाओं जिन्होने महतो आहर छठ घाट पर सूरज कुमार सिंह की मां के गले से सोने का चैन स्नैचिंग की थी के विरूध तिलैया थाना में मामला दर्ज किया गया है। गिरफ्तार अभियुक्तों को जेल भेज दिया गया है।

पुलिस ने इन सभी के पास से कुल 21 हजार 670 रू,एक पीस लोहे का बना कटर, एक पीस चांदी रंग का बजरंग बली का लॉकेट और दो पीस सोने का रंग जैसा कानबाली को बरामद किया ही। छापेमारी दल में पुलिस निशिक्षक सह थाना प्रभारी विनय कुमार, पुअनि देवेन्द्र उरांव समेत तिलैया सशस्त्र बल के जवान शामिल थे।

गिरफ्तार अभियुक्तों के नाम

गिरफ्तार अभियुक्तों में मोना साव, उम्र 35 वर्ष, पति- रमेश साव, सरस्वती मुदिलियार उम्र 36 वर्ष, पति- पेडमल मुदिलियार,गंगा मुदिलियार उम्र 40 वर्ष, पति- स्व अमन मुदिलियार, साकिन धनबाद रेलवे स्टेशन के नजदिक मस्जीद के पास, थाना व जिला धनबाद, अंजली माली उम्र 55 वर्ष, पति- स्व जनक माली, सा सब्जी बाजार, थाना व जिला धनबाद, सामली दास उम्र 40 वर्ष, पति- स्व भोलय सेर, सब्जी मंडी, पटना, जिला पटना बिहार, रूबी हलधर उम्र 45 वर्ष, पति- शंकर हलधर, सब्जी मंडी, पटना जिला पटना बिहार, शांति दास उम्र 42 वर्ष, पति - अशोक दास, सा बंडी थाना चिचुरा, जिला कोलकाता पं बगाल और श्रेखा साव उम्र 55 वर्ष, पति- मुन्ना साव, सा मझुआ टोली, थाना कदम कुआं, जिला पटना हैं।

तालाब में डूबने से चार बच्चियों की मौत

एक ही परिवार के चार बच्चियों की मौत हृदय विदारक

आजाद सिपाही संवाददाता

कटकमसांडी / हजारीबाग। कटकमसांडी थाना क्षेत्र के झरदाग गांव में मंगलवार को करीब एक बजे दिन नहाने व कपड़ा धोने के दौरान एक ही परिवार के चार युवतियों की मौत तालाब मे डूबने से हो गयी। डूबते युवतियों को बचाने तालाब में गयी महिला भी डूबने लगी, जिसे पास से गुजर रहे गांव के एक व्यक्ति ने महिला को बेहोशी की हालत मे बाहर निकाला। इस दर्दनाक हादसे की खबर पाकर गांव के दर्जनों लोग घटना स्थल पर पहुंच चारो युवतियों को मृतावस्था मे तालाब से बाहर निकाला। मृत युवतियों में झरदाग निवासी मुकेश कुमार की 16 वर्षीया पुत्री रिंकी कुमारी, बड़का गांव सिकरी निवासी राजू साव की 18 वर्षीया पुत्री पूजा कुमारी, कटकमसांडी झरदाग निवासी प्रेमचंद प्रसाद के 16 वर्षीया पुत्री साक्षी कुमारी व झरदाग गांव के ही मुनेश प्रसाद के 14 वर्षीया पुत्री रिया कुमारी का नाम शामिल है। इसमे पूजा कुमारी छठ महापर्व में शामिल होने अपने मामा के घर झरदाग आई थी। हादसे की खबर पाकर कटकमसांडी पुलिस मौके पर पहुंच कर घटना की जायजा ली। बताया गया कि आस्था का महापर्व छठ के समापन के बाद चारों युवतियां घर के एक महिला सदस्य के साथ समीप के तालाब मे कपड़े धोने पहुंची। इस दौरान युवतियां नहाने के लिए जैसे ही तालाब में उतरी। एक एक कर चारों युवतियां गहरे पानी में चली गयी और डूब गयी। साथ गयी महिला ने युवतियों को डूबते देख बचाने को लेकर तालाब में छलांग लगा दी। मगर वह भी डूबने लगी। समीप से गुजर रहे गांव के एक व्यक्ति ने महिला को तो किसी तरह बचा लिया। मगर चारों युवतियां गहरे पानी में डूब गयी। क्षेत्र के लिए यह घटना सनसनीखेज व दर्दनाक बन गयी है। ग्रामीणों ने बताया कि उदीयमान भगवान भास्कर को अर्घ्य देकर थकेहारे लोग घर मे आराम करने लगे। गांव मे सन्नाटा पसरा था। इस बीच तालाब के इर्द गिर्द ग्रामीण नहीं रहने के कारण इतनी बड़ी हादसा हो गयी, जिससे गांव मे मातम पसरा है। इधर मृतिकाओं के परिजनों की हृदयविदारक चित्कार से लोगों के आंसू थमने का नाम नहीं ले रही है।

सिकरी की 21 वर्षीय पूजा की तालाब में डूबने से मौत, पूरे गांव में पसरा मातम

बड़कागांव (आजाद सिपाही)। छठ पूजा की समाप्ति के बाद मंगलवार को एक हृदयविदारक घटना ने पूरे इलाके को शोक में डुबो दिया। बड़कागांव प्रखंड क्षेत्र के सिकरी पंचायत निवासी राजू साव की 21 वर्षीय पुत्री पूजा कुमारी की तालाब में डूबने से दर्दनाक मौत हो गयी। यह हादसा उस समय हुआ जब पूजा अपने ननिहाल झारदाग (कटकमसांडी) में थी, जहां वह छठ पर्व मनाने गयी थी। परिवारजनों ने बताया कि छठ पूजा के समापन के बाद पूजा अपनी तीन ममेरी बहनों के साथ कपड़ा धोने के लिए गांव के समीप स्थित तालाब पर गयी थी। कपड़ा धोते समय पैर फिसलने से एक के बाद एक चारों बहनें गहरे पानी में चली गयी। जब तक आसपास के लोग मदद के लिए पहुंचे, तब तक चारों बहनें तालाब में डूब चुकी थीं। ग्रामीणों ने कड़ी मशक्कत के बाद सभी को बाहर निकाला और अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने चारों को मृत घोषित कर दिया। घटना की खबर मिलते ही पूजा के पिता राजू साव और परिवार के अन्य सदस्य बेसुध हो गये। घर में कोहराम मच गया। छठ पूजा जैसे पावन पर्व के समापन के बाद इस तरह की दर्दनाक घटना ने पूरे क्षेत्र को झकझोर कर रख दिया है। प्रशासन ने घटना की जानकारी लेकर आवश्यक औपचारिकताएं पूरी कीं और शवों को पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सौंप दिया गया। यह घटना पूरे क्षेत्र के लिए गहरी पीड़ा छोड़ गयी है — जहां छठ की खुशियां मातम में बदल गयी।

अर्घ्य देने के दौरान तालाब में डूबने से व्यक्ति की मौत

कोडरमा (आजाद सिपाही)। कोडरमा थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम डूमरडीहा पंचायत के ग्राम चीगलाबार स्थित कुंडा तालाब में छठ पूजा का अर्घ्य अर्पित के दौरान डूबने से एक व्यक्ति की मौत हो गयी। मृतक की पहचान चिगलाबर निवासी 40 वर्षीय उमेश यादव, पिता- सोमर यादव के रूप में हुई है। जानकारी के मुताबिक उमेश यादव छठ पर्व में अर्घ्य देने के लिए तालाब में उतरे थे। इसी दौरान उनका संतुलन बिगड़ गया और वह गहरे पानी में डूब गये। आसपास मौजूद ग्रामीणों ने उन्हें बचाने का प्रयास किया, लेकिन सफल नहीं हो सके। घटना की सूचना मिलते ही कोडरमा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और ग्रामीणों की मदद से शव को बाहर काफी मशक्कत के बाद निकाला जा सका। घटना के बाद पूरे गांव और क्षेत्र में शोक का माहौल है। जबकि परिजनों का रो - रोकर बुरा हाल है।

ट्रेन की चपेट में आने से एक व्यक्ति की मौत

कोडरमा(आजाद सिपाही)। जिले के तिलैया थाना अंतर्गत मोरियांवा में ट्रेन की चपेट में आने से एक वृद्ध की मौत हो गयी है। मृतक की पहचान मोरियांवा गांव निवासी 65 वर्षीय परमेश्वर साव के रूप में की गयी है। घटना की जानकारी देते हुए ग्रामीण किशोर पंडित ने बताया कि परमेश्वर साव मंगलवार की सुबह करीब 8 बजे अपने गांव के बगल से गुजरे कोडरमा-गिरिडीह रेलखंड को पार कर शौच के लिए गये हुए थे। शौच के पश्चात वे वापस घर लौट रहे थे। इसी बीच कोडरमा से गोड्डा जा रही 14050 दिल्ली-गोड्डा एक्सप्रेस गुजर रही थी। हालांकि ट्रेन चालक के द्वारा लगातार हॉर्न बजाय गया, चूंकि परमेश्वर साव को कम सुनाई देती थी, इसलिए उन्हें ट्रेन का हॉर्न सुनाई नहीं पड़ा। वे उक्त ट्रेन की चपेट में आ गए और उनकी मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। इधर घटना की सूचना पाकर परमेश्वर साव के परिजन मौके पर पहुंचे और शव को रेलवे ट्रैक से उठाकर अपने घर ले गए। बताते चलें कि मृतक के तीन पुत्र हैं। इधर घटना के बाद मृतक के परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल है।

रामगढ़ में छठ पूजा संपन्न: आस्था का दिखा अद्भुत संगम

आजाद सिपाही संवाददाता

रामगढ़। चार दिनों तक चलने वाले महापर्व छठ पूजा का समापन मंगलवार को उदीयमान सूर्य को अर्घ्य अर्पित करने के साथ हर्षोल्लास और श्रद्धा के वातावरण में हुआ। जिले के सभी घाटों पर हजारों श्रद्धालुओं ने अपनी आस्था और परंपरा का अनूठा उदाहरण पेश किया। भोर की लालिमा में छलकी आस्था शहर के दामोदर नदी, बिजुलिया तालाब, भुरकुंडा, गोला और कुजू के घाट सहित अन्य इलाकों में सुबह की पहली किरण के साथ ही श्रद्धालु हाथों में बांस की टोकरी लिए सूर्य को अर्घ्य अर्पित करते नजर आए। महिलाओं ने पारंपरिक वेशभूषा में सिर पर पूजा की डलिया रखकर पूजा संपन्न की। छठी मइया के गीतों से गूंजा रामगढ़ पूरे रामगढ़ में छठ मइया के भजनों की गूंज रही केलवा जे फरेला घवद से ओ पिंजरा में जैसे गीतों से वातावरण भक्तिमय हो उठा। कई स्थानों पर स्थानीय कलाकारों और महिलाओं ने पारंपरिक छठ गीतों की प्रस्तुति दी।

साफ-सफाई और सुरक्षा में प्रशासन की तत्परता इस वर्ष प्रशासन ने विशेष व्यवस्था की थी। नगर परिषद, पुलिस विभाग, और आपदा प्रबंधन टीम ने मिलकर घाटों की सफाई, रोशनी और सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किये। गोताखोरों की तैनाती और चिकित्सा शिविर भी लगाये गये।

सामूहिकता और सद्भाव का प्रतीक : छठ पूजा ने रामगढ़ में सामाजिक एकता और सौहार्द की मिसाल पेश की। सभी समुदायों के लोगों ने मिलकर पर्व को सफल बनाया। युवाओं की टोली ने घाटों की सजावट और भीड़ नियंत्रण में अहम भूमिका निभाई।

आस्था का महापर्व अगले वर्ष फिर लौटेगा : उदीयमान सूर्य को अर्घ्य देने के साथ ही छठ व्रतियों ने 36 घंटे का निर्जला व्रत पूर्ण किया। परिवार के सदस्य और स्थानीय लोगों ने एक-दूसरे को शुभकामनाएं दीं। अब सबकी निगाहें अगले वर्ष के छठ पर्व पर हैं, जब फिर से रामगढ़ की घाटियों में श्रद्धा और आस्था का सागर उमड़ेगा।

श्रद्धालुओं ने घाट पर भगवान भास्कर को दिया अर्घ्य

रजरप्पा(आजाद सिपाही)। रजरप्पा कोयलांचल क्षेत्र में लोक आस्था और पवित्रता का छठ महापर्व भक्ति भाव के साथ धूमधाम से हुआ संपन्न, तीन दिनों तक 36 घंटा निर्जला उपवास कर चलने वाला त्योहार भक्ति भाव के साथ हुआ संपन्न, छठ व्रती अपनी अपनी सूप डाला में सजाकर पूजन सामग्री के साथ कठिन सूरजदेव की उपासना की, छठ पर पूजा अर्चना को लेकर सोमवार शाम को पवित्र स्नान कर छठ व्रतियों ने डूबते सूर्य भगवान को अर्घ्य दिया गया जबकि मंगलवार सुबह उगते हुए भगवान भास्कर नदी नाला तालाब के विभिन्न छठ घाट में श्रद्धालूओं ने भगवान अर्घ्य दिया और सूरजदेव अर्जी कर जीवन के लिए सुख समृद्धि की मनोकामनाएं की, आस्था का महापौर को देखते हुए श्रद्धालुओं की बेहतर आवागमन के लिए सड़कों की साफ सफाई की गयी जहां बिजली रोशनी की बेहतर सुविधा किया गया था डीजे साउंड पर छठ मैया की महिमा के भक्ति गीत से गुंजायमान रहा। इस मौके पर रजरप्पा कॉलोनी, कुंदरू कला, चितरपुर मुरुबंदा, सोढ, मायल, लारीकला, सुकरीगड़ा, बारलोंग, लोधमा, छत्तर मांडू सांडी सहित दर्जनो पंचायत में भक्ति भाव से लोक आस्था का महापर्व छठ पूजा हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ दुलमी प्रखंड के ग्रामीण क्षेत्र सिरु, मदगी, कोरचे, सिकनी होहद, पोटमदगा प्रियातु चटाग, सोसो, उसरा, इदपारा आदि कई ग्रामीण इलाकों में हजारों श्रद्धालुओं ने भक्ति भाव के साथ भगवान भास्कर को दिया अर्घ्य। छठ महापर्व को लेकर काफी चहल पहल रहा और भक्ति का माहौल बना रहा।

व्रतियों ने सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की

उरीमारी(आजाद सिपाही)। कोयलांचल सहित ग्रामीण क्षेत्रों में चार दिवसीय लोक आस्था और उपासना का महापर्व छठ पूजा भगवान भास्कर को प्रातः कालीन अर्घ्य अर्पन के साथ संपन्न हुआ। छठ व्रतियों ने घाट पर पूरी आस्था के साथ छठी मैया की पूजा की और सोमवार शाम को अस्ताचलगामी सूर्य और मंगलवार सुबह उदयीमान सूर्य को अर्घ्य अर्पित कर अपने परिवार के लिए सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की। इस दौरान व्रतधारी महिलाएं और पुरुष जल में काफी देर तक हाथ जोड़ खड़े रहकर सूर्य की अराधना करते दिखे। वहीं छठ पूजा उरीमारी गौरीशंकर मंदिर दामोदर नदी घाट, अफसर कालोनी दामोदर नदी घाट, सयाल दामोदर नदी घाट, गरसुला दामोदर नदी घाट,चानो घाट, लुरुंगा घाट, केकेसी पोड़ा दामोदर नदी घाट में भगवान भास्कर को अर्घ्य अर्पन करने के लिए श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी हुई थी। सभी छठ घाटो में पर्व को शांति और सौहार्दपूर्ण वातावरण में मनाने के लिए समिति और पुलिस प्रशासन की ओर से सुरक्षा के व्यापक प्रबंध किये गये थे। इस अवसर पर समाजसेवी सह राकोमयू बरका सयाल क्षेत्रीय सचिव राजू यादव के नेतृत्व में गौरीशंकर मंदिर स्थित दामोदर नदी घाट पर सभी छठ व्रतियों के दौरे में नारियल, केला, सेव इत्यादि फलों का वितरण किया गया।

अर्घ्य अर्पित करने के लिए उमड़ी भीड़

गंगा आरती में शामिल हुए पूर्व मंत्री सत्यानंद भोगता

आजाद सिपाही संवाददाता

चतरा। जिले में नेम निष्ठा, लोक आस्था और सूर्य उपासना का छठ महापर्व मंगलवार की सुबह उदीयमान सूर्य को अर्घ्य अर्पित करने के साथ ही संपन्न हो गया। शहर के प्रसिद्ध छठ तालाब स्थित छठ घाट पर व्रतियों और श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। इस मौके पर छठ घाट रंग-बिरंगी लाइटों से जगमगाता रहा।, छठ तालाब के बीचों बीच बनाया गया अस्थाई सूर्य मंदिर आकर्षण का केंद्र रहा। सूर्या क्लब द्वारा बनारस से मंगवाये गये पांच पुजारियों द्वारा भव्य गंगा आरती का आयोजन किया गया। राज्य के पूर्व मंत्री सत्यानंद भोगता श्रद्धा के साथ आरती में शामिल हुए। पूर्व मंत्री ने कहा कि छठ पर्व लोक आस्था, अनुशासन और पर्यावरण संरक्षण का प्रतीक है। यह पर्व समाज में एकता और स्वच्छता का संदेश देता है। सोमवार की शाम अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य देने के बाद मंगलवार को अहले सुबह श्रद्धालुओं ने उगते सूर्य को अर्घ्य दिया। शहर में छठ तालाब के अलावा कठौतिया तालाब, पुरैनिया तालाब, हरलाल तालाब, है, डैम समेत अन्य छठ घाटों में भी छठव्रती और श्रद्धालुओं की भीड़ लगी रही। इस दौरान छठी मैया की रिकार्डिंग गीतों और महिला श्रद्धालुओं के लोक गीत से पूरा क्षेत्र गूंजायमान होता रहा। अनेक धार्मिक और सामाजिक संगठनों द्वारा फल और दूध का वितरण किया गया।

मुखिया ने की छठ व्रतियों के बीच साड़ी और फल का किया वितरण

हंटरगंज/चातरा (आजाद सिपाही)। लोक आस्था के महापर्व छठ पूजा के अवसर पर प्रखंड क्षेत्र के तिलहेत पंचायत मुखिया सोनी देवी के नेतृत्व में छठव्रती माताओं के बीच साड़ी और फल का वितरण किया गया। हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी उन्होंने श्रद्धा और भक्ति के साथ यह कार्य किया। चार दिनों तक मनाये जाने वाला यह महापर्व भगवान भास्कर की उपासना का प्रतीक है, जो सुबह के अर्ध्य के साथ संपन्न हो गया। इसी क्रम में हंटरगंज प्रखंड के तिलहेत पंचायत मुखिया सोनी देवी के नेतृत्व में मुखिया प्रतिनिधि रामबाबू ने छठ व्रती माताओं को साड़ी और फल भेंट कर आशीर्वाद लिया। इस दौरान मुखिया प्रतिनिधि रामबाबू ने कहा कि छठ पूजा श्रद्धा, विश्वास और लोक आस्था का महापर्व है। हमारा प्रयास रहता है कि इस पावन अवसर पर जनसेवा के माध्यम से पुण्य की भागी बनें। उन्होंने आगे भी इसी तरह श्रद्धापूर्वक फल वितरण और जनसेवा कार्य जारी रखने की बात कही। साथ ही उन्होंने कामना की कि छठी मईया का आशीर्वाद सभी पर बनी रहे।

भाजपा ने सरकार का फूंका पुतला

चतरा (आजाद सिपाही)। भाजपा कार्यकर्ताओं ने राज्य सरकार द्वारा चाईबासा में महिलाओं पर बर्बरता पूर्ण लाठी चार्ज और आंसू गैस छोड़ कर महिलाओं पर जघन्य अपराध करने के खिलाफ भारतीय जनता पार्टी ने झारखंड सरकार का पुतला फूंका और हेमंत सोरेन मुर्दाबाद आदि नारा लगाया। भाजपा नेताओं ने कहा कि झारखंड सरकार निर्दयी है। भारतीय जनता पार्टी इसका विरोध करती है। उन्होंने कहा कि ऐसे तानाशाही रवैया से सरकार नहीं चलेगी। भारतीय जनता पार्टी ने आज पूरे झारखंड प्रदेश के सभी जिलों में जिला मुख्यालय में पुतला दहन का कार्यक्रम किया। इसी निमित्त चतरा जिला में जिला अध्यक्ष रामदेव सिंह भोक्ता के नेतृत्व में पुतला दहन कार्यक्रम किया गया। इसमें हेमंत सरकार को जल्द से जल्द झारखंड से उखाड़ फेंकने का निर्णय लिया गया। इस अवसर पर भारतीय जनता पार्टी के जिला अध्यक्ष रामदेव सिंह भोक्ता, जिला महामंत्री मिथिलेश गुप्ता, सुजीत जायसवाल, भोला साहू, शिवकुमार चौबे, संजीत सिंह, गोपाल सोनी, चम्पा देवी, अमन गोप, आदित्य गोप, मंडल महामंत्री अमित राम , ग्रामीण मंडल अध्यक्ष सुबोध सिंह गुड्डु , चतरा ग्रामीण भवानी राय, राजकुमार राम, राजा मालाकार, जुगल ठाकुर, काली यादव, अजित लाल, जीतेन्द्र पाण्डे, प्रवीण कुमार, बसंत यादव, अनिल भारती, हरिओम केसरी, समेत सैकड़ों नेता एवं भाजपा कार्यकर्ता मौजूद थे।

रामगढ़ में घंटों पानी में खड़ी रही छठव्रती

आजाद सिपाही संवाददाता

रामगढ़। चार दिवसीय छठ महापर्व उगते सूर्य को अर्घ्य देने के साथ मंगलवार को संपन्न हो गया। छठ व्रतियों ने दामोदर नदी, बिजुलिया तालाब, हरहरी नदी सहित अन्य जलाशयों में उगते सूर्य की उपासना की। इसके साथ ही 36 घंटे का निर्जला उपवास भी खत्म हुआ। शहर के दामोदर नदी, बिजुलिया तालाब, हरहरी नदी सहित अन्य जलाशयों में भारी भीड़। व्रती सूप लेकर नदी में अर्घ्य के लिए उतरे उदीयमान सूर्य को अर्घ्य दिया। बताते चले कि चार दिवसीय यह पर्व 25 अक्टूबर को नहाय-खाय के साथ शुरू हुआ था। 28 अक्टूबर मंगलवार को संपन्न हो गया। जिले सहित पूरे कोयलांचल में इसे लेकर काफी उत्साह देखने को मिला।

घंटों पानी में खड़ी रही छठव्रती : उगते सूर्य को अर्घ्य देने के लिए दामोदर नदी, बिजुलिया तालाब, हरहरी नदी सहित अन्य जलाशयों के आसपास मेला जैसा नजारा देखने को मिला। दौरा सजाकर और कई व्रती गाजे बाजे के साथ छठ घाट पहुंची और घंटों पानी में खड़ी होकर भगवान में लीन होते देखी।

छठ व्रतियों की सुख-समृद्धि की कामना : रामगढ़ जिले में सूर्य उपासना का चार दिवसीय छठ महापर्व पूजा आस्था के साथ संपन्न हो गया। मंगलवार की सुबह व्रतियों ने उगते सूर्य को अर्घ्य अर्पित कर भगवान भास्कर से परिवार की सुख-समृद्धि और मनोवांछित फल की कामना की। साथ ही चार दिनों से चल रहा यह महापर्व विधिवत रूप से पूर्ण हुई।

सांसद चंद्रप्रकाश चौधरी ने थाना चौक और झंडा चौक पंडाल का किया उद्घाटन : श्री श्री छठ पूजा महासमिति थाना चौक और श्री श्री छठ पूजा महासमिति झंडा चौक पूजा पंडाल का उद्घाटन गिरिडीह सांसद चंद्रप्रकाश चौधरी ने छठ व्रतियों के साथ फीता काटकर उद्घाटन किया। साथ ही समितियों के द्वारा भगवान सूर्य की प्रतिमा स्थापित की गयी थी।

महादेव मठ में हजारों की संख्या में छठ व्रतियों ने सूर्य भगवान को दिया अर्घ्य

कुंदा /चतरा (आजाद सिपाही)। प्रखंड क्षेत्र के विभिन्न स्थानों के साथ कुंदा महादेव मठ मंदिर छठ घाट पर छठ पूजा पर काफी संख्या में छठ व्रतियों ने सूर्य भगवान को अर्घ्य दिया। इस व्रत में विशेष रूप से शुद्धता पर ध्यान रखा गया। सभी स्थानों पर साफ सफाई के साथ-साथ नदी के किनारे भव्य पंडाल बनाया गया। हर श्रद्धालुओं के आने जाने की सुविधा के लिए जगमगाते लाईटों से आकर्षक रूप से सजाया गया। पूरे प्रखंड क्षेत्र में भक्ति का माहौल था। इस मौके पर हर कोई नेम निष्ठा के साथ पवित्रता पर विशेष ध्यान रखा और अस्ताचलगामी और उदीयमान सूर्य को अर्घ्य अर्पित कर परिवार के सुख शांति की कामना किया।

श्री गुरु नानक देव जी के पांचवें और छठे दिन निकाली प्रभातफेरी

श्री गुरुनानक देव जी के प्रकाशोत्सव पर गुरुवाणी और छठ गीतों से गुंजायमान हुआ शहर

आजाद सिपाही संवाददाता

रामगढ़। श्री गुरु नानक देव जी के प्रकाशोत्सव को लेकर पांचवें और छठवें दिन प्रभताफेरी में छठ गीतों के साथ गुरुवाणी का अद्भुत संगम दिखा। मंगवार को सिख धर्म के प्रवर्तक और सिखों के प्रथम गुरु श्री गुरु नानक देव के प्रकाशोत्सव छठे दिन प्रभात फेरी निकाली गई। प्रभातफेरी में निशान साहिब लेकर सरदार गुरजोत सिंह सैनी, प्रभातफेरी की अगुवाई कर रहे थे। प्रभातफेरी मेन रोड स्थित गुरुद्वारा साहिब से आरंभ होकर किला मंदिर, लोहार टोला, चट्टी बाजार, झंडा चौक, सुभाष चौक होते हुए गुरुद्वारा साहिब पहुंची। यहां प्रभातफेरी का स्वागत स्व सतपाल सिंह होरा के परिवार ने साध संगत का स्वागत किया। जबकि, पांचवें दिन साथ संगत का स्वागत प्रबंधन कमेटी की ओर से बीबी राजेंद्र कौर ने बीबी ममता भसीन को सरोपा देकर सम्मानित किया। गुरुद्वारा प्रबंध कमेटी की ओर से सरदार तेजेंद्र सिंह सोनी ने सरदार सम्राट सिंह होरा को सरोपा देकर सम्मानित किया। वही, प्रभातफेरी के दौरान साध संगत गुरुवाणी पेश करते चल रहे थे। जिसमें, ऐसा नाम निरंजन हो ऐसा नाम निरंजन हुए दर्शन दीजिए खोल किवाड़, माधव हम ऐसे,तुम ऐसा, नाम मिले ता जीवा नानक नाम मिले ता जीवा जैसे शबद कीर्तन करते हुए चल रहे थे। प्रभातफेरी में प्रधान परमदीप सिंह कालरा, मीत प्रधान अमरजीत सिंह सैनी, हैप्पी छाबड़ा, सेक्रेटरी हरदीप सिंह होरा, रघुवीर सिंह छाबड़ा, तेजेंद्र सिंह सोनी, मंजीत सिंह, विंकल कालरा, प्रीतम सिंह कालरा, सुरजीत सिंह छाबड़ा, कुलजीत सिंह, राजा कालरा, सतपाल सिंह सलूजा, कंवलजीत सिंह लांबा, त्रिलोचन सिंह जस्सल, गुरजीत सिंह सलूजा, जगजीत सिंह सोनी, कमल जस्सल, विक्की छाबड़ा, नरेंद्र सिंह होरा, गुरदीप सिंह सैनी, हरेंद्र छाबड़ा, पलविंदर सिंह बल, रिंटू छाबड़ा, गुरजोत सिंह सैनी सिंह, जिगर छाबड़ा, यश छाबड़ा, मन्नत सिंह, बबलू छाबड़ा, सूमी जॉली, गुरबक्श कौर सैनी, जसमीत कौर सोनी, रोमी छाबड़ा, सोनम कालरा, कुदरत छाबड़ा, बलविंदर कौर छाबड़ा, शरण कौर छाबड़ा, मनप्रीत कौर सैनी, लवली लांबा, बलविंदर कौर पवार, बबली सोनी, निक्की लांबा सहित सिख समाज के कई महिला-पुरुष शामिल थे।

श्री रामगढ़ गौशाला में गोपाष्टमी मेला आज

रामगढ़ (आजाद सिपाही)। शहर के विकास नगर स्थित श्री गौशाला परिसर में हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी 67वां गोपाष्टमी महोत्सव बुधवार को धूमधाम से मनाया जायेगा। इसकी तैयारी पूरी कर ली गयी है। श्री गौशाला परिसर में लगभग सवा सौ गाय हैं जिनमें से मात्र 20 गाय ही दुधारू है, बाकी सभी गाय नथी है जिनकी गौशाला कमेटी द्वारा देखभाल की जाती है। साथ ही प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी रामगढ़ गौशाला परिसर में गोपाष्टमी महोत्सव का आयोजन किया गया है। जिसके मुख्य अतिथि मंत्री योगेंद्र प्रसाद, अति विशिष्ट अतिथि एसडीओ अनुराग कुमार तिवारी, विशिष्ट अतिथि फेडरेशन ऑफ चैंबर के अध्यक्ष आदित्य मल्होत्रा, समाजसेवी किशोर मंत्री, क्षेत्रीय उपाध्यक्ष फेडरेशन चैंबर के विनय कुमार अग्रवाल, विमल बुधिया, मनजीत साहनी होंगे। कार्यक्रम सुबह 11 बजे गौ माता की पूजा प्रारंभ होगा और 3:00 बजे श्री कृष्ण विद्या मंदिर और श्री राम प्रताप रानीलिया कृष्णा पब्लिक स्कूल के बच्चों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया जायेगा। वही, 4:00 बजे से गौशाला कमेटी की महिला सदस्यों द्वारा खान-पान के व्यंजन का स्टॉल लगाया जायेगा। जहां शुद्ध एवं स्वादिष्ट व्यंजन उचित दामों में उपलब्ध रहेंगे। इस अवसर पर रामगढ़ गौशाला के अध्यक्ष बजरंग लाल अग्रवाल ने कहा कि गोपाष्टमी महोत्सव मनाने का मुख्य उद्देश्य को गौ संवर्धन की तरफ लोग ध्यान आकर्षित करना है गौ या गाय हमारी संस्कृति के प्राण है यह गंगा, गायत्री, गीता, गोवर्धन, गोविंद की तरह पूज्य है हम गाय को गौ माता कहकर संबोधित करते हैं, गाय की देह में सभी देवी देवताओं का वास होता है। गाय के गोबर में लक्ष्मी, गोमूत्र में भवानी, चरणों में देवता और थनों में समुद्र प्रतिष्ठित है। इस अवसर पर हम सभी गौ माता की पूजा कर पुण्य के भागी बनते हैं। तैयारी में मुख्य रूप से गौशाला कमेटी के सचिव शिवकुमार अग्रवाल, कोषाध्यक्ष महेंद्र अग्रवाल, कार्यकारिणी सदस्य अधिवक्ता आनंद अग्रवाल, विमल किशोर जीजू, निशांत जैन, प्रदीप अग्रवाल, महेश कुमार अग्रवाल, महावीर बौंदिया, मुरारी पोद्दार सहित अन्य सदस्य सहयोग है।

मां पंच बहिनी मंदिर परिसर में सूर्य मंदिर निर्माण कार्य का हुआ शुभारंभ

भुरकुंडा (आजाद सिपाही)। छठ महापर्व के पावन अवसर पर लबगा स्थित मां पंच बहिनी मंदिर परिसर में सूर्य मंदिर निर्माण कार्य का सोमवार को विधिवत शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर मंदिर परिसर को आकर्षक रूप से सजाया गया और भगवान भास्कर की भव्य प्रतिमा स्थापित कर वैदिक मंत्रोच्चार के बीच पूजा-अर्चना की गयी। इस अवसर पर समिति के अध्यक्ष रामेश्वर गोप ने मुख्य पुजारी के रूप में पूजा संपन्न कर मंदिर निर्माण की आधारशिला रखी और ढलाई कार्य का शुभारंभ किया। इस दौरान पूरे क्षेत्र में भक्ति और उल्लास का वातावरण देखा गया। समिति द्वारा छठव्रतियों और श्रद्धालुओं के लिए विशेष सुविधाओं की व्यवस्था की गयी थी, ताकि किसी को कोई असुविधा न हो। मंगलवार की तड़के सुबह उदीयमान भगवान भास्कर को द्वितीय अर्घ्य देने के पश्चात मंदिर परिसर में महाप्रसाद का वितरण किया गया। इधर सूर्य मंदिर निर्माण की शुरूआत से पूरे क्षेत्र में आस्था और उत्साह का संचार हुआ है। श्रद्धालु इस शुभ कार्य को छठ महापर्व का दिव्य उपहार मान रहे हैं। धार्मिक अनुष्ठान में जिंदल स्टील प्रबंधन के संतोष कुमार, प्रियेष कुमार, राजू रंजन, धर्मेश यादव, समाजसेवी गौतम सिंह, पंचम साहू सहित समिति के सदस्य कैलाश मंडा, सुरेश गोप, लखन मुंडा, अनिल साहू, मनोज यादव, विजय साहू, योगेश कुमार, रंजीत यादव, नागेश्वर शाह, बीरबल दांगी, सहदेव प्रसाद, सागर मुंडा, बादल मुंडा, शिव प्रसाद मुंडा, राजेश पाठक, पुजारी शशि मिश्रा, तथा छट्ठु प्रसाद, भोला, राहुल, दिलीप साहू, बिनोद यादव, अजय जायसवाल, प्रभात यादव, संटु, नवलखा गोप, पंकज कुमार सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

एक चोर गिरफ्तार

कुजू (आजाद सिपाही)। कुजू पुलिस को क्षेत्र के ग्राम रउता के ग्रामीणों ने सोमवार की रात एक चोर को पकड़ कर हवाले किया। इसके बाद ओपी प्रभारी आशुतोष कुमार सिंह ने कार्रवाई करते हुए अनि आशीष कुमार गौतम, मनीष कुमार सिंह, ओमकार पाल सदलबल के साथ उक्त स्थल पहुंचे। साथ ही, पकड़े गये चोर को अपने कब्जे में लेते हुए पूछताछ की। पूछताछ में आरोपी युवक ने अपना नाम छोटू सिंह उर्फ सूरजदेव सिंह (20वर्ष) पिता स्व.महेंद्र सिंह कोयरी टोला, छोटकीपोना, रजरप्पा निवासी बताते हुए अन्य साथियों के नाम बताया। वहीं, पकड़े गये चोर को जेल भेजते हुए आगे की कार्रवाई में जुटी है।

दक्षिण पूर्व रेलवे, निविदा

मंडल रेल प्रबंधक/इंजी./ चक्रधरपुर भारत के राष्ट्रपति के लिए और उनकी ओर से कार्य करते हुए खुली निविदा के विरुद्ध ई-निविदा आमंत्रित करते हैं: **निविदा सूचना सं.: सीकेपी-ईस्ट-25-26-37; कार्य का नाम :** एसएसई (पी. वे)/टाटा के अधीन 30.09.2027 तक की अवधि के लिए ट्रैक रखरखाव कार्य का निष्पादन (दूसरी कॉल); **निविदा मूल्य:** ₹ 1,43,55,000.00; **बयाना राशि:** ₹ 2,21,800.00; **निविदा प्रपत्र की लागत:** ₹ 0.00; **खुलने की तिथि** 17.11.2025। इस निविदा के विरुद्ध मैनुअल प्रस्तावों की अनुमति नहीं है, और प्राप्त ऐसे किसी भी मैनुअल प्रस्ताव को अनदेखा कर दिया जाएगा। निविदा वेबसाइट http://www.ireps.gov.in पर देखी जा सकती है। निविदाकर्ता/बोलीदाताओं के पास क्लास-III डिजिटल हस्ताक्षर प्रमाणपत्र होना चाहिए और आईआरईपीएस पोर्टल पर पंजीकृत होना चाहिए। केवल पंजीकृत निविदाकर्ता/बोलीदाता ही ई-निविदा में भाग ले सकते हैं। ई-निविदा में भाग लेते समय सभी प्रासंगिक कागजात अपलोड किए जाने चाहिए। **नोट:-** ई-निविदा प्रपत्र सभी निविदाकर्ताओं को निःशुल्क जारी किए जाएँगे। **(प्राधिकरण रेलवे बोर्ड का पत्र सं.2020/सीई-I/सीटी/3ई/जीसीसी/पॉलिसी दिनांकित 16.07.2020)।** (PR-774)

एसआइआर की दूसरी परीक्षा

चुनाव आयोग ने स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन यानी एसआइआर के दूसरे चरण का ऐलान कर दिया है। इस बार राज्य ज्यादा हैं - 12, तो चुनौती भी उसी हिसाब से ज्यादा बड़ी है। उम्मीद कर सकते हैं कि बिहार में पुनरीक्षण प्रक्रिया में आई दिक्कतें अब आयोग के लिए अनुभव का काम करेंगी और वहां जैसी परेशानी बाकी जगहों पर लोगों को नहीं उठानी पड़ेगी।

चुनावी राज्य : मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने एसआइआर के शिड्यूल का ऐलान करते हुए कहा कि प्रक्रिया यह सुनिश्चित करेगी कि कोई भी योग्य मतदाता छूट न जाये और कोई भी अयोग्य मतदाता लिस्ट में शामिल न हो। जिन राज्यों को दूसरे चरण में चुना गया है, उनमें केरल, पुडुचेरी, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल में अगले साल विधानसभा चुनाव होने हैं। असम में भी अगले ही साल असेंबली इलेक्शन है, लेकिन उसे दूसरे चरण से बाहर रखा गया।

ज्यादा समय : इस बार आयोग ने रक्फ़के लिए खुद को अधिक वक्त दिया है। बिहार में सबसे बड़ा सवाल जल्दबाजी को लेकर ही उठा था। राज्य में जून के आखिर में वोटर पुनरीक्षण अभियान की घोषणा की गयी थी, जबकि पता था कि अक्टूबर-नवंबर में विधानसभा चुनाव होने हैं। इस हड़बड़ी का असर पूरी प्रक्रिया के दौरान दिखा, खास कर डॉक्युमेंट्स को लेकर जनता ही नहीं, चुनाव कर्मियों में भी गफलत की स्थिति रही। सरकारी कार्यालयों में भीड़ उमड़ने से जैसी अफरा-तफरी देखने को मिली, वैसा नहीं होना चाहिए।

मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने एसआइआर के शिड्यूल का ऐलान करते हुए कहा कि प्रक्रिया यह सुनिश्चित करेगी कि कोई भी योग्य मतदाता छूट न जाये और कोई भी अयोग्य मतदाता लिस्ट में शामिल न हो।

आधार पर स्पष्टता : आयोग ने इस बार आधार कार्ड को लेकर रुख पहले ही साफ कर दिया है कि यह जन्म, नागरिकता या निवास प्रमाण पत्र के रूप में मान्य नहीं होगा, लेकिन एसआइआर में इसे एक डॉक्युमेंट के रूप में पेश किया जा सकेगा। यह स्पष्टता इसलिए जरूरी थी, क्योंकि बिहार में पहले चरण के दौरान आधार कार्ड का मसला सुप्रीम कोर्ट तक चला गया था। दस्तावेज ऐसे होने चाहिए, जो अधिकतम आबादी की पहुंच में हों और आधार आज पहचान का सबसे सरल जरिया है।

प्रक्रिया सरल बने : एसआइआर को 21 साल बाद अंजाम दिया जा रहा है। वोटर लिस्ट में समय-समय पर सुधार जरूरी है और इस प्रक्रिया के औचित्य पर कोई सवाल नहीं उठाया जा सकता, लेकिन इसे अंजाम देने के तरीके पर जरूर ध्यान देना चाहिए। एसआइआर का मकसद किसी की नागरिकता तय करना या ज्यादा से ज्यादा लोगों को वोटर लिस्ट से बाहर करना नहीं है। इसे इतना सरल होना चाहिए, जिससे लोग वोटर बनने के लिए प्रेरित हों और उनमें लोकतंत्र के सबसे बड़े पर्व के लिए उत्साह जगे।

अभिमत
आजाद सिपाही

बुजुर्गों के समर्थन के दृष्टिकोण में परिवार और समुदाय द्वारा संचालित पहलों को प्राथमिकता दी जानी चाहिए, साथ ही वित्तीय सुरक्षा, डिजिटल साक्षरता प्रशिक्षण, दीर्घकालिक देखभाल बीमा, डिजिटल स्वास्थ्य सेवा तक पहुंच, सहायक तकनीकें और जुड़ाव प्लेटफॉर्म सुनिश्चित करने चाहिए। ये तत्व भारत की उभरती 'सिल्वर इकोनॉमी' में बुजुर्गों को प्रभावी ढंग से एकीकृत करने के लिए महत्वपूर्ण हैं। वृद्धजनों, विशेष रूप से 50 वर्ष से अधिक आयु के लोगों, की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए डिजाइन की गयी वस्तुओं और सेवाओं द्वारा संचालित अर्थव्यवस्था।

जनसंख्या, चुनौतियां और सरकारी पहल

पीआइबी

भारत तेजी से जनसांख्यिकीय परिवर्तन के दौर से गुजर रहा है और अनुमान है कि वृद्ध जनसंख्या (60 वर्ष और उससे अधिक) 2011 के 10 करोड़ से बढ़ कर 2036 तक दोगुने से भी ज्यादा यानी 23 करोड़ हो जायेगी। यह परिवर्तन दर्शाता है कि 2036 तक, लगभग हर सात में से एक भारतीय 60 वर्ष या उससे अधिक आयु का होगा, जो देश की जनसंख्या में एक बुनियादी बदलाव का प्रतिनिधित्व करता है। इस परिवर्तन को ध्यान में रखते हुए, भारत ने घटती प्रजनन क्षमता और बढ़ती जीवन प्रत्याशा दरों से उत्पन्न चुनौतियों का समाधान करने के लिए कई नीतियां, कार्यक्रम और कानूनी प्रावधान अपनाये हैं। बेहतर पोषण और स्वास्थ्य सेवा ने भारत में लोगों को लंबी उम्र जीने में मदद की है, लेकिन इससे बिना अमीर हुए भी बुढ़ापे में नयी चुनौतियां और अवसर भी सामने आते हैं। सरकार को खास कर आर्थिक रूप से कमजोर बुजुर्गों और विधवाओं के लिए पेंशन, पर्याप्त आवास और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच को प्राथमिकता देनी चाहिए।

बुजुर्गों के समर्थन के दृष्टिकोण में परिवार और समुदाय द्वारा संचालित पहलों को प्राथमिकता दी जानी चाहिए, साथ ही वित्तीय सुरक्षा, डिजिटल साक्षरता प्रशिक्षण, दीर्घकालिक देखभाल बीमा, डिजिटल स्वास्थ्य सेवा तक पहुंच, सहायक तकनीकें और जुड़ाव प्लेटफॉर्म सुनिश्चित करने चाहिए। ये तत्व भारत की उभरती 'सिल्वर इकोनॉमी' में बुजुर्गों को प्रभावी ढंग से एकीकृत करने के लिए महत्वपूर्ण हैं। वृद्धजनों, विशेष रूप से 50 वर्ष से अधिक आयु के लोगों, की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए डिजाइन की गई वस्तुओं और सेवाओं द्वारा संचालित अर्थव्यवस्था। यह ऐसे कार्य अवसर भी प्रदान करती है, जो वृद्धजनों को विभिन्न क्षेत्रों में अपने अनुभव और विशेषज्ञता का योगदान करने में सक्षम बनाते हैं। यह जानने के लिए कि वृद्ध लोगों की जनसंख्या कैसे बदल रही है और भविष्य के लिए क्या अनुमान है, जुलाई 2020 में जनसंख्या अनुमानों पर तकनीकी समूह द्वारा भारत और राज्यों के लिए एक जनसंख्या अनुमान रिपोर्ट तैयार की गयी थी। रिपोर्ट के अनुसार भारत की वृद्ध जनसंख्या 2036 तक 23 करोड़ तक पहुंच जायेगी, जो व्यापक प्रभावों वाले एक गहन सामाजिक परिवर्तन का प्रतिनिधित्व करती है। हमारे देश में वृद्ध जनसंख्या में उल्लेखनीय क्षेत्रीय असमानताएं हैं और यह जनसांख्यिकीय परिवर्तन पूरे देश में एक समान नहीं है।

केरल, तमिलनाडु और हिमाचल प्रदेश जैसे दक्षिणी राज्यों में पहले से ही विकसित देशों के समान वृद्ध लोगों की संख्या अधिक है।

केरल, तमिलनाडु और हिमाचल प्रदेश जैसे दक्षिणी राज्यों में पहले से ही विकसित देशों के समान वृद्ध लोगों की संख्या अधिक है। केरल में वृद्ध जनसंख्या 2011 के 13% से बढ़ कर 2036 तक 23% हो जाने की उम्मीद है, जिससे यह सबसे वृद्ध आबादी वाला राज्य बन जायेगा। इसके विपरीत, कई उत्तरी और पूर्वी राज्यों में अभी वृद्ध लोगों की संख्या कम है, लेकिन उनकी संख्या तेजी से बढ़ रही है। उत्तर प्रदेश की जनसंख्या अपेक्षाकृत युवा है, तथा अनुमान है कि वृद्ध वर्ग 2011 के 7% से बढ़ कर 2036 तक 12% हो जाएगा। दक्षिणी राज्यों, हिमाचल प्रदेश और पंजाब में वृद्ध जनसंख्या औसत से अधिक है, जो भारत के विविध जनसांख्यिकीय परिदृश्य को उजागर करता है। भारत का अनुदैर्ध्य वृद्धावस्था अध्ययन 2021 एक पूर्ण पैमाने का राष्ट्रीय सर्वेक्षण और भारत में वृद्ध जनसंख्या की स्थिति पर एक मौलिक अध्ययन है। यह अध्ययन स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के अधिकार क्षेत्र में किया गया है और यह दुनिया का सबसे बड़ा अध्ययन है। रिपोर्ट से पता चलता है कि भारत की 12% आबादी बुजुर्गों की है, यह अनुपात 2050 तक बढ़कर 319 मिलियन होने का अनुमान है, जो लगभग 3% की वार्षिक दर से बढ़ रहा है। बुजुर्गों में लिंगानुपात प्रति 1,000 पुरुषों पर 1,065 महिलाओं का है, जिसमें महिलाएं बुजुर्ग आबादी का 58% हिस्सा हैं, जिनमें से 54% विधवाएं हैं। इसके अलावा, समग्र निर्भरता अनुपात प्रति 100 कामकाजी आयु के व्यक्तियों पर 62 आश्रितों का है!

भारत में वृद्धजनों के लिए सरकारी पहल : भारत सरकार ने वृद्धजनों के समक्ष आने वाली चुनौतियों से निपटने के लिए अनेक पहल, नीतियां और कार्य योजनाएं शुरू की हैं। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय भारत में वरिष्ठ नागरिकों के कल्याण को सुनिश्चित करने की ज़िम्मेदारी वाला नोडल मंत्रालय है। वित्त, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण और आयुष सहित विभिन्न संबंधित मंत्रालयों के साथ-साथ राज्य सरकारों, गैर-सरकारी संगठनों, नागरिक समाज और निजी क्षेत्र के साथ मिलकर काम करते हुए सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय ने देश भर में वृद्धजनों की सहायता के उद्देश्य से नीतियों और कार्यक्रमों के व्यापक विकास का नेतृत्व किया है। सरकार वरिष्ठ नागरिकों की देखभाल, कल्याण, सम्मान को बढ़ावा देने के उद्देश्य से कई पहलों को लागू कर रही है।

अटल पेंशन योजना (एपीवाइ) : अटल पेंशन योजना (एपीवाइ) भारत सरकार की एक प्रमुख सामाजिक सुरक्षा योजना है, जिसका संचालन पेंशन निधि नियामक एवं विकास प्राधिकरण (पीएफआरडीए) द्वारा किया जाता है। इसका उद्देश्य भारतीयों, विशेषकर गरीबों और वंचितों को सामाजिक सुरक्षा प्रदान करना है। 9 मई, 2015 को प्रारंभ की गयी यह योजना 18-40 वर्ष की आयु के उन नागरिकों के लिए है जिनके पास बचत बैंक खाता है (1 अक्टूबर 2022 से आयकरदाताओं को छोड़ कर)। यह योजना ग्राहक के 60 वर्ष का हो जाने पर न्यूनतम 1,000 रुपये से 5,000 रुपये तक की मासिक पेंशन की गारंटी देती है, ग्राहक की मृत्यु के बाद उतनी ही राशि उसके जीवनसाथी को देय होगी और दोनों के निधन के बाद संचित पेंशन राशि नामित व्यक्ति को दी जायेगी। 60 वर्ष की आयु तक मासिक, त्रैमासिक या अर्ध-वार्षिक अंतराल पर ऑटो-डेबिट के माध्यम से योगदान किया जाता है और यदि गारंटीकृत पेंशन के लिए रिटर्न अपर्याप्त है, तो कमी सरकार द्वारा पूरी की जाती है। अटल पेंशन योजना में नामांकन मार्च 2019 में 1.54 करोड़ से बढ़ कर 5 अक्टूबर, 2025 तक 8.27 करोड़ हो गया। प्रबंधनाधीन परिसंपत्तियां (एयूएम) 49,000 करोड़ रुपये से अधिक हैं।

अटल वयो अभ्युदय योजना : सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय के अंतर्गत अटल वयो अभ्युदय योजना (अव्यय) भारत भर के वरिष्ठ नागरिकों को सशक्त बनाने के लिए एक व्यापक पहल है। यह योजना समाज में वृद्धजनों के अमूल्य योगदान को मान्यता देती है और उनके समग्र कल्याण एवं सामाजिक समावेशन को सुनिश्चित करने के लिए समर्पित है। इस कार्यक्रम के माध्यम से, सरकार जीवन के सभी पहलुओं में वरिष्ठ नागरिकों की सक्रिय भागीदारी और समावेशन को सुगम बनाकर, उन्हें सशक्त और उन्नत बनाने के प्रति अपनी प्रतिबद्धता प्रदर्शित करती है, जिससे राष्ट्र के प्रति उनकी आजीवन सेवा का सम्मान होता है।

वरिष्ठ नागरिकों के लिए एकीकृत कार्यक्रम (आईपीएसआरसी) योजना : वरिष्ठ नागरिकों के लिए एकीकृत कार्यक्रम (आईपीएसआरसी) सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय द्वारा कार्यान्वित एक केंद्रीय क्षेत्र की योजना है, जो पंजीकृत सोसायटियों, पंचायती राज संस्थानों, गैर-सरकारी/स्वैच्छिक संगठनों और नेहरू युवा केंद्र संगठन (एनवाईकेएस) जैसे मान्यता प्राप्त युवा संगठनों के माध्यम से राज्य सरकारों/संघ राज्य क्षेत्र प्रशासनों सहित कार्यान्वयन एजेंसियों को वरिष्ठ नागरिक गृहों (वृद्धाश्रमों), सतत देखभाल गृहों, मोबाइल मेडिकेयर इकाइयों, फिजियोथेरेपी क्लीनिकों और क्षेत्रीय संसाधन और प्रशिक्षण केंद्रों के संचालन और रखरखाव के लिए अनुदान सहायता प्रदान करती है। अगस्त 2025 तक, देश भर में 696 वरिष्ठ नागरिक गृह कार्य कर रहे हैं, जो 29 राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों को कवर करते हैं, जो गरीब वरिष्ठ नागरिकों को आश्रय, पोषण, चिकित्सा देखभाल और मनोरंजन सहित मुफ्त सुविधाएं देते हैं।

राष्ट्रीय वयोश्री योजना (आरवीवाइ) : 1 अप्रैल, 2017 को शुरू की गई राष्ट्रीय वयोश्री योजना, आयु-संबंधी विकलांगताओं से पीड़ित वरिष्ठ नागरिकों को सहायक जीवन-यापन उपकरण प्रदान करती है। ये उपकरण, जिनमें चलने की छड़ियां, कोहनी की बैसाखी, वॉकर, श्रवण यंत्र, व्हीलचेयर और डेन्चर शामिल हैं, लगभग सामान्य शारीरिक क्रियाओं को बहाल करने में मदद करते हैं। इन उपकरणों का निर्माण सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम (पीएसयू), कृत्रिम अंग निर्माण निगम (एलिम्को) द्वारा किया जाता है। यह योजना गरीबी रेखा से नीचे (बीपीएल) श्रेणी के वरिष्ठ नागरिकों या 15,000 रुपये से कम मासिक आय वाले वरिष्ठ नागरिकों के लिए है। ये उपकरण शिविरों के माध्यम से वितरित किए जाते हैं और 80 वर्ष या उससे अधिक आयु के वरिष्ठ नागरिकों के लिए, ये उपकरण उनके घर पर पहुंचाए जा सकते हैं।

कोल्हान की खबरें

सारंडा जंगल में आइइडी विस्फोट से 10 वर्षीय बच्ची की दर्दनाक मौत

मनोहरपुर (आजाद सिपाही)। नक्सल प्रभावित सारंडा जंगल में मंगलवार सुबह एक बार फिर विस्फोट से दहल उठा। जराईकेला थाना क्षेत्र के दीघा गांव के पास आइइडी विस्फोट में 10 वर्षीय बच्ची सिरिया हेरेंज की मौके पर ही मौत हो गयी। सिरिया अपने साथियों के साथ हिंदकुड़ी जंगल में साल पत्ता चुनने गयी थी, तभी जमीन में दबे आइइडी में विस्फोट हो गया। धमाका इतना तेज था बच्ची की मौके पर ही मौत हो गयी। सूचना मिलने पर जराईकेला पुलिस और सीआरपीएफ जवान घटनास्थल पर पहुंचे और शव को बरामद कर लिया। प्रशासन ने ग्रामीणों से जंगल क्षेत्र में सतर्क रहने की अपील की। पुलिस सूत्रों के मुताबिक नक्सलियों ने सुरक्षा बलों की आवाजाही रोकने के लिए क्षेत्र में कई जगह आइइडी बिछा रखे हैं, जिनकी चपेट में ग्रामीण और वन्यजीव आ रहे हैं। हाल के दिनों में आइइडी की चपेट में आने से तीन हाथियों की भी मौत हो चुकी है। सुरक्षा बलों ने सर्च ऑपरेशन तेज कर दिया।

नदी में बह रहे युवक को गोताखोरों ने बचाया भाजपा नेता निरंजन मिश्रा ने अस्पताल पहुंचाया

जमशेदपुर (आजाद सिपाही)। छठ पूजा के दौरान बागबेड़ा छठ घाट पर सोमवार को एक बड़ा हादसा टल गया। नया टोला निवासी आशीष कुमार अर्घ्य के दौरान तेज बहाव में फंसकर नदी पार कुलुपटांगा घाट की ओर बहने लगा, लेकिन मौके पर मौजूद स्थानीय गोताखोर वीरेंद्र और उनकी टीम ने तत्काल कार्रवाई करते हुए युवक को सुरक्षित बाहर निकाल लिया।घायल युवक को भाजपा नेता सह सामाजिक कार्यकर्ता निरंजन मिश्रा ने अपने निजी वाहन से टीएमएच पहुंचाया, जहां डॉक्टरों की तत्परता से उसकी जान बचाई जा सकी। फिलहाल युवक की स्थिति पूरी तरह स्थिर बताई जा रही है।बचाव अभियान में संतोष चौबे, आशीष झा और अशोक चौधरी की भी सराहनीय भूमिका रही।

गुवा रेलवे साइडिंग में मालगाड़ी बेपटरी मजदूर संगठन ने सीबीआइ जांच की मांग

गुवा (आजाद सिपाही)। सेल गुवा अयस्क खान के रेलवे साइडिंग में बीते रात एक मालगाड़ी का डिब्बा पटरी से उतर गया, जिससे इलाके में हड़कंप मच गया।हालांकि हादसे में कोई जनहानि नहीं हुई, लेकिन डिब्बे को करोड़ों रुपये का नुकसान पहुंचा है। घटना के बाद रेलवे कर्मी और अधिकारी मौके पर पहुंचे और देर रात तक मरम्मत कार्य जारी रहा। वही गुवा अयस्क खान सेल के अधिकारी सीबी कुमार ने घटनास्थल का निरीक्षण किया। इस बीच झारखंड मजदूर संघर्ष संघ के केंद्रीय अध्यक्ष रामा पांडेय ने केंद्र सरकार से घटना की सीबीआई जांच कराने की मांग की। उन्होंने आरोप लगाया साइडिंग क्षेत्र में बार-बार हो रही दुर्घटनाओं के पीछे भ्रष्टाचार और लापरवाही जिम्मेदार है। रामा पांडेय ने चेतावनी दी यदि जल्द कार्रवाई नहीं की गयी, तो संगठन आंदोलन करेगा।

सोमेश सोरेन ने अर्घ्य अर्पित किया

घाटशिला (आजाद सिपाही)। लोक आस्था के महापर्व छठ पूजा के चौथे दिन झामुमो प्रत्याशी सोमेश चंद्र सोरेन ने विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न छठ घाटों पर पहुंचकर ऊषा अर्घ्य अर्पित किया। अर्घ्य अर्पित करने के बाद सोमेश सोरेन ने श्रद्धालुओं से प्रसाद ग्रहण किया और जनआशीर्वाद लिया। मौके पर कांग्रेस नेता सनत कुमार चक्रवर्ती, गौरांग माहाली, सुखलाल हांसदा, सुशील मार्डी, सौरभ बोस, अंकुर कवाड़ी मौजूद रहे।

सूर्यधाम सिदगोड़ा में उमड़ा आस्था का सैलाब, रघुवर दास ने दिया अर्घ्य

आजाद सिपाही संवाददाता

जमशेदपुर। लोक आस्था और सूर्य उपासना के महापर्व छठ पूजा पर रविवार को सिदगोड़ा स्थित सूर्यधाम छठ घाट तालाब में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। इस अवसर पर राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री सह सूर्य मंदिर समिति के मुख्य संरक्षक रघुवर दास ने अपनी धर्मपत्नी रुक्मिणी देवी, पुत्र ललित दास और पुत्रवधू भाजपा विधायक पूर्णिमा साहू के साथ सपरिवार भगवान भास्कर को अर्घ्य दिया और प्रदेशवासियों के सुख, शांति और समृद्धि की कामना की। रघुवर दास ने कहा कि छठ महापर्व नारी शक्ति के तप, त्याग और श्रद्धा का प्रतीक है। यह पर्व हमें अनुशासन, पवित्रता और समर्पण का संदेश देता है और समाज में एकता एवं सद्भाव का भाव जगाता है। उन्होंने सूर्य मंदिर समिति द्वारा की गई व्यवस्थाओं की सराहना की।

बोकारो स्टील वर्कर्स यूनियन (इंटक) ने नये सीजीएम चंद्रभूषण कुमार का किया स्वागत

गुवा (आजाद सिपाही)। बोकारो स्टील वर्कर्स यूनियन (इंटक) की ओर से उपाध्यक्ष दिलबाग सिंह के नेतृत्व में नवपदस्थापित सीजीएम चंद्रभूषण कुमार को बधाई दी गई। यूनियन पदाधिकारियों ने गुलदस्ता भेंट कर उनका स्वागत किया और उनके कार्यकाल में गुवा सेल के विकास की उम्मीद जताई।इंटक नेताओं ने कहा चंद्रभूषण कुमार एक कर्मठ और अनुभवी अधिकारी हैं, जिनके नेतृत्व में संगठन और प्रबंधन के बीच बेहतर तालमेल बनेगा। उन्होंने विश्वास जताया मजदूरों के हितों की रक्षा और औद्योगिक सौहार्द बनाए रखने में सीजीएम सकारात्मक भूमिका निभाएंगे।मौके पर दिलबाग सिंह, मुकुंद बोसा, जयसिंह नायक, विश्वजीत तांती, कमलजीत सिंह, मंगलु साहू, गुरुचरण, देवेंद्र पंडा, शेषनाथ, राजा, विकास, हरिश और करण सिंह आदि उपस्थित रहे।

छठ पूजा के दौरान चांडिल के शहरबेड़ा छठ घाट पर दर्दनाक हादसा

स्वर्णरेखा नदी में डूबे तीन श्रद्धालुओं के शव बरामद

- विधायक सविता महतो और सरयू राय ने जताया शोक
- शहरबेड़ा घाट पर स्थायी प्रतिबंध लगाने का सुझाव

आजाद सिपाही संवाददाता

चांडिल। सरायकेला-खरसावां जिले के चांडिल थाना क्षेत्र स्थित शहरबेड़ा छठ घाट पर छठ पूजा के दौरान सोमवार शाम एक दर्दनाक हादसा हो गया। स्वर्णरेखा नदी में अर्घ्य देने के दौरान रायडीह बस्ती निवासी 42 वर्षीय संजय यादव, उनके पुत्र 19 वर्षीय प्रतीक यादव और डिमना बस्ती निवासी 14 वर्षीय आर्यन यादव डूबने से मौत हो गया।

घटना के बाद मंगलवार को स्थानीय गोताखोरों और एनडीआरएफ टीम कई घंटों की मशक्कत के बाद तीनों शवों को बरामद कर लिया। हादसे के बाद पूरे इलाके शोक में है।

वहीं घटना की सूचना मिलने पर घटनास्थल पर पहुंचे ईचागढ़ विधायक सविता महतो और जमशेदपुर पश्चिम के विधायक सरयू राय ने गहरा दुःख व्यक्त किया। सरयू राय ने कहा यह घटना एक अपवाद स्वरूप दुर्घटना है और इसे प्रशासनिक लापरवाही कहना उचित नहीं होगा। उन्होंने सुझाव दिया भविष्य में ऐसी घटनाओं से बचाव के लिए शहरबेड़ा घाट पर छठ पूजा के आयोजन पर स्थायी प्रतिबंध लगाया जाये। वहीं आदित्यपुर नगर परिषद के पूर्व उपाध्यक्ष पुरेंद्र नारायण सिंह ने इस हादसे को अत्यंत हृदय विदारक बताया और कहा पूरा आदित्यपुर शोक में है। उन्होंने सरकार से प्रशिक्षित गोताखोरों की संविदा नियुक्ति और आपदा प्रबंधन व्यवस्था को मजबूत करने की मांग की। साथ ही पीड़ित परिवारों को 25 लाख रुपये मुआवजा देने की अपील की। प्रशासन ने सभी घाटों की सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा शुरू कर दी है और भविष्य में सख्त सुरक्षा मानक लागू करने के निर्देश जारी किये हैं।

विधायक सविता महतो ने शहरबेड़ा छठ घाट पहुंच कर हादसे पर जताया दुख

चांडिल (आजाद सिपाही)। शहरबेड़ा छठ घाट पर छठ पूजा के दौरान हुए दर्दनाक हादसे की सूचना मिलते ही ईचागढ़ विधायक सविता महतो मौके पर पहुंचीं। उन्होंने घटनास्थल का निरीक्षण किया और मृतकों के परिजनों से मुलाकात कर संवेदना व्यक्त की। विधायक ने कहा यह घटना अत्यंत पीड़ादायक है।विधायक सविता महतो ने एसडीओ विकास कुमार राय, एसडीपीओ अरविंद कुमार बिन्हा, बीडीओ तालेश्वर रविदास, सीओ प्रदीप महतो, थाना प्रभारी डिलशन बीरुआ और बजरंग महतो को निर्देश दिया भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए सुरक्षा उपायों को सख्ती से लागू किया जाए।उन्होंने कहा प्रशासन और राज्य सरकार पीड़ित परिवारों के साथ खड़ी है।आवश्यक सहायता सुनिश्चित की जाएगी। मौके पर झामुमो केंद्रीय सदस्य ओम प्रकाश लायेक, काबलू महतो, दिलीप महतो, शंकर लायेक, मिलन तंतुवाई, और सरदीप नायेक सहित कई कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

भक्ति भाव से दिया गया उदीयमान सूर्य को अर्घ्य, छठ महापर्व संपन्न

उदीयमान सूर्य देव हमें निरंतर कर्तव्यपथ पर अग्रसर रहने की प्रेरणा देते हैं : मिथिलेश ठाकुर

आजाद सिपाही संवाददाता

गढ़वा। लोक आस्था का चार दिवसीय छठ महापर्व उदीयमान सूर्य को अर्घ्य के साथ ही संपन्न हो गया। जिले भर के छठ भारतीयों ने मंगलवार को अहले सुबह उदीयमान सूर्य को अर्घ्य दिया। इस दौरान जिला मुख्यालय के दानरो नदी छठ घाट पर एवं सरस्वती नदी के छठ घाट पर स्टूडेंट क्लब, फ्रेंड्स क्लब, सूर्य क्लब, टी ग्रुप सहित कई पूजा संगठनों के द्वारा छठ व्रतियों के लिए विशेष सुविधा की व्यवस्था नदी घाट पर की गई थी। जहां छठव्रतियों ने एकजुट होकर भगवान सूर्य की उपासना की भगवान भास्कर को अर्घ्य देते हुए पूजा एवं प्रार्थना की। सीएसआर पर झारखंड सरकार के पूर्व मंत्री सह झामुमो के केंद्रीय महासचिव मिथिलेश कुमार ठाकुर के आवास पर उदीयमान सूर्य को अर्घ्य दिया गया। जबकि सोमवार की संध्या अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य दिया गया। पूर्व मंत्री श्री ठाकुर ने उदीयमान सूर्य देव को अर्घ्य अर्पित कर सबके कल्याण और झारखंड की समृद्धि की कामना की। उन्होंने कहा कि उदीयमान सूर्य देव हमें निरंतर कर्तव्यपथ पर अग्रसर रहने की प्रेरणा देते हैं। श्री ठाकुर ने कहा कि छठ महापर्व हमारी आस्था, संस्कार और आत्मबल का प्रतीक है। उगते सूर्य को अर्घ्य देने का महत्व धार्मिक, ज्योतिषीय और वैज्ञानिक है। धार्मिक रूप से, यह सूर्य देव की कृपा और आशीर्वाद प्राप्त करने, पापों से मुक्ति पाने और आत्मिक शुद्धि के लिए किया जाता है। ज्योतिषीय रूप से, यह कुंडली में सूर्य को मजबूत करता है। जिससे सफलता और आत्मविश्वास मिलता है। वैज्ञानिक रूप से सूर्य की पहली किरणें स्वास्थ्य के लिए लाभकारी मानी जाती हैं और ऊर्जा प्रदान करती हैं। उन्होंने कहा कि इस महापर्व का बड़ा धार्मिक महत्व है। सूर्य को प्रत्यक्ष देवता माना जाता है और उन्हें अर्घ्य देने से उनकी कृपा प्राप्त होती है। ऐसा माना जाता है कि अर्घ्य देने से पापों का नाश होता है और आत्मा शुद्ध होती है। छठ पूजा में उगते सूर्य को अर्घ्य देने के बाद ही व्रत पूरा माना जाता है। उन्होंने कहा कि छठी मईया एवं सूर्य देव के आशीर्वाद से गढ़वा सहित पूरे देश में सुख, शांति, समृद्धि, खुशहाली हो। देश की एकता एवं अखंडता बनी रहे, ऐसी वे प्रार्थना करते हैं। मौके पर पूर्व मंत्री के परिजन सहित काफी संख्या में गढ़वा वासी मौजूद थे।

छठ भक्तिभाव और गहरी आस्था के साथ संपन्न

आजाद सिपाही संवाददाता

भगवान भास्कर की अद्भुत प्रतिमा बनी आकर्षण का केंद्र

सिंदुरिया छठ घाट और यंग लायंस क्लब मेहता टोला बुका के छठ घाट पर भगवान भास्कर की अद्भुत प्रतिमा बनाई गई, जो श्रद्धालुओं के आकर्षण का केंद्र रही। पैंथर क्लब छठ पूजा समिति सिंदुरिया और यंग लायंस बुका क्लब द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम को सफल बनाने में अध्यक्ष पंकज सिंह, उपाध्यक्ष अमित वर्मा, सचिव सुबोध पाठक, कोषाध्यक्ष दिनेश गुप्ता सहित कई सदस्यों की सराहनीय भूमिका रही।

भवनाथपुर। मंगलवार की सुबह उदीयमान भगवान भास्कर को अर्घ्य देने के साथ सूर्योपासना का महान पर्व छठ पूरे प्रखंड में भक्तिभाव और गहरे आस्था के वातावरण में संपन्न हुआ। प्रखंड के विभिन्न छठ घाटों पर श्रद्धालुओं ने भगवान भास्कर को अर्घ्य अर्पित कर सुख, समृद्धि और क्षेत्र की शांति की कामना की। प्रखंड मुख्यालय के अवधूत भगवान सर्वेश्वरी आश्रम, टाउनशिप दुर्गा मंदिर, सिंदुरिया दुलरह नदी, अरसली, सिंघीताली हनुमान मंदिर, भवनाथपुर सूर्य मंदिर, बाजार दुर्गा मंदिर, झगरखंड़ा, चपरी, अरसली उत्तरी झुमरी अशोक वाटिका सहित सभी छठ घाट पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। घरों से माथे पर पूजा सामग्री ढोकर श्रद्धालु छठ घाटों तक पहुंचे। महिलाएं छठ गीतों की मधुर स्वर लहरियों के बीच भगवान भास्कर की आराधना करती नजर आईं। कई छठ व्रती दंडवत करते हुए घाटों तक पहुंचे। रास्ते में व्रतियों के चरण स्पर्श कर लोग आशीर्वाद प्राप्त करते देखे गये। कई घाटों पर सामाजिक संस्थाओं और स्थानीय युवाओं ने व्रतियों के बीच दूध, फल और प्रसाद का वितरण किया। वहीं जनप्रतिनिधि और विभिन्न राजनीतिक दलों के नेता भी घाटों का भ्रमण कर व्यवस्था का जायजा लेते दिखे।

टाउनशिप दुर्गा मंदिर में गंगा आरती

टाउनशिप दुर्गा मंदिर परिसर में पंडित सत्येंद्र वैद्य एवं मिथलेश मिश्रा के नेतृत्व में भव्य गंगा आरती का आयोजन किया गया। इस अवसर पर आलोक चौबे,ध्रुव नारायण दुबे, संजीव सिंह, दिवाकर चौधरी, जसवंत चौबे, महेश पाण्डेय उपस्थित रहे। वहीं थाना समीप सर्वेश्वरी आश्रम छठ घाट पर समाजसेवी एवं बाबू डेकोरेशन के संचालक बुचून चन्दवंशी ने निशुल्क टेंट और लाइट की व्यवस्था कर प्रशंसनीय योगदान दिया। सुरक्षा व्यवस्था रही चाक-चौबंद छठ पर्व को लेकर प्रशासन ने सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए थे। इसकी निगरानी खुद प्रभारी थाना प्रभारी रंजनी रंजन ने की। महिला पुलिस बल और जवानों ने सभी छठ घाटों पर पूरी मुस्तैदी से ड्यूटी निभाई, जिससे पर्व शांतिपूर्ण और श्रद्धामय माहौल में संपन्न हुआ। मौके पर सर्वेश्वरी समूह छठ घाट समिति के गौरव सिंह, अर्पित सिंह, सुनील कुमार सिंह, बुचूल राम, प्रमोद बैठा, पपन सिंह आदि ने सराहनीय भूमिका निभाई।

छठी मैया से सबके सुख-समृद्धि की कामना: अलखनाथ पाण्डेय

आजाद सिपाही संवाददाता

गढ़वा। लोक आस्था के महापर्व छठ पूजा के शुभ अवसर पर वरिष्ठ भाजपा नेता, समाजसेवी सह गढ़वा जिला के शिक्षाविद् अलखनाथ पाण्डेय ने गढ़वा विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न नदी, तालाबों एवं घाटों पर पहुँचकर श्रद्धालु व्रतधारिणी माताओं, बहनों एवं उपस्थित जनसमुदाय को छठ महापर्व की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि छठ पूजा भारतीय संस्कृति की आत्मा है। यह त्योहार न केवल प्रकृति और सूर्य देव के प्रति आस्था का प्रतीक है, बल्कि इसमें मातृशक्ति की अटूट निष्ठा और त्याग की भी गाथा निहित है। छठी मैया की आराधना से जीवन में सकारात्मक ऊर्जा, समृद्धि और शांति का संचार होता है। श्री पाण्डेय ने छठ घाटों पर आयोजित भक्ति जागरण और सांस्कृतिक कार्यक्रमों में भी अपनी उपस्थिति दर्ज कराई तथा सभी आयोजन समितियों के कार्यों की सराहना की। उन्होंने सामूहिक रूप से दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रमों का शुभारंभ किया और श्रद्धालु जनों से आपसी एकता, स्वच्छता और सामाजिक सद्भाव बनाए रखने की अपील की। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि छठ मैया से मेरी यही प्रार्थना है कि हमारे समाज के प्रत्येक व्यक्ति के जीवन में सुख, शांति, समृद्धि और सौभाग्य का वास हो। माँ छठी का आशीर्वाद सदा सभी पर बना रहे और हर घर में खुशहाली आये।

सगमा बौली टोला में हुआ भव्य देवी जागरण, विधायक अनंत प्रताप देव और ताहिर अंसारी ने किया उद्घाटन

आजाद सिपाही संवाददाता

सगमा(गढ़वा)। लोक आस्था के महापर्व छठ के शुभ अवसर पर सगमा प्रखंड के बौली टोला में युवा स्टार क्लब के द्वारा भव्य देवी जागरण का आयोजन किया गया। श्रद्धा और भक्ति से ओतप्रोत इस कार्यक्रम में क्षेत्र के सैकड़ों श्रद्धालुओं ने भाग लेकर भक्ति संगीत और मां की आराधना में शाम को आध्यात्मिक माहौल में बदल दिया। कार्यक्रम का उद्घाटन क्षेत्रीय विधायक अनंत प्रताप देव एवं केंद्रीय समिति सदस्य ताहिर अंसारी, झामुमो प्रखंड अध्यक्ष डॉक्टर हरिदास यादव ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर और फीता काटकर किया। मंच पर पहुंचते ही अतिथियों का भव्य स्वागत पुष्पगुच्छ और मालाओं से किया गया। इस अवसर पर संबोधित करते हुए विधायक अनंत प्रताप देव ने कहा कि छठ पर्व लोक आस्था का पर्व है जो समाज में एकता, श्रद्धा और शुद्धता का संदेश देता है। युवा स्टार क्लब द्वारा भक्ति जागरण का आयोजन करना समाज में भक्ति और संस्कृति के प्रति जागरूकता का प्रतीक है। वहीं केंद्रीय समिति सदस्य ताहिर अंसारी ने कहा कि छठ महापर्व हमें संयम और समर्पण की सीख देता है। इस अवसर पर देवी जागरण का आयोजन कर क्लब ने भक्ति और संस्कृति को जीवित रखा है। छठी मैया से मेरी प्रार्थना है कि सभी माताओं और बहनों की हर मनोकामना पूर्ण हो।

कार्यक्रम में सगमा पंचायत अध्यक्ष राजेश कुमार यादव, समाजसेवी योगेंद्र यादव, उप प्रमुख अर्जुन पावन, मुखिया तेजलाल राम, उप मुखिया मंगलेश यादव, देवचंद यादव, रमेश यादव, घूरन यादव, ताराचंद यादव,राजेश बैठा सहित बड़ी संख्या में स्थानीय ग्रामीण और युवा स्टार क्लब के सभी सदस्य उपस्थित थे।

रंका में पूर्ण हुआ छठ का पर्व, पुलिस प्रशासन रही सक्रिय

रंका (आजाद सिपाही)। सूर्य उपासना व लोक आस्था का प्रकृति महापर्व छठ पूजा रंका अनुमंडल मुख्यालय सहित संपूर्ण सुदूरवर्ती क्षेत्रों में श्रद्धा, भक्ति एवं हर्षोल्लास के साथ सम्पन्न हुआ। बाजार नदी पुल छठ घाट पर मां काली युवा संघ रंका के तत्वावधान में अध्यक्ष रणजीत सौण्डिक की अध्यक्षता में छठ पूजा का आयोजन किया गया। जिसमें टेंट पंडाल,लाईट, डेकोरेशन, साउंड आदि का संपूर्ण व्यवस्था किया गया था , जो सराहनीय रहा।छठ पूजा को शांति पूर्वक संपन्न कराने में रंका अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी रोहित रंजन सिंह एवं थाना प्रभारी चेतन कुमार सिंह की महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। वे हर जगह हर संभव सुरक्षा के लिए उपस्थित रहे। संरक्षक के रूप में उतम पांडेय, शिक्षक धीरज कुमार सिंह,छठ पूजा मिडिया प्रभारी पीएलवी अमरेन्द्र कुमार , पत्रकार अरूण यादव, भोला अग्रवाल, मां शारदा फाउंडेशन के प्रेम चौधरी, अभिनव रंजन, सुजीत चौरसिया सहित अन्य लोग उपस्थित रहे। डीएसपी रोहित रंजन सिंह एवं थाना प्रभारी चेतन कुमार सिंह ने छठ पूजा समिति से जुड़े लोगों के कार्यों की सराहना की।

डंडई में 64 घाटों पर 12 हजार व्रतियों ने दिया अर्घ्य

डंडइ (आजाद सिपाही)। डंडई प्रखंड क्षेत्र में चार दिवसीय छठ महापर्व मंगलवार को उगते सूर्य को अर्घ्य देने के साथ ही श्रद्धा और शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न हो गया। प्रखंड के विभिन्न हिस्सों में नदी, तालाब, नहरों और अन्य जलाशयों पर बने करीब 64 घाटों पर लगभग 12 हजार व्रतियों ने उगते सूर्य को अर्घ्य अर्पित कर छठी मइया से परिवार की सुख-समृद्धि की कामना की। पूरे प्रखंड में धार्मिक उत्साह और भक्ति का वातावरण देखने को मिला। तड़के सुबह पंडितों के मंत्रोच्चारण के बीच व्रतियों ने घुटने तक जल में खड़े होकर दूध और जल से सूर्य देव को अर्घ्य दिया। इस दौरान छठ के पारंपरिक गीतों की गूंज से क्षेत्र का माहौल भक्तिमय बना रहा। प्रखंड मुख्यालय के दानरो नदी पीपल और बगीचा घाट, करके बड़ा तालाब शिव मंदिर घाट, लवाही पोखर घाट तथा रारो बुढ़वा शिव छठ घाट पर सबसे अधिक भीड़ देखी गयी । रात्रि में मुख्यालय स्थित फ्रेंड्स क्लब की ओर से गंगा आरती और सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें बाहर से आए कलाकारों ने अपनी प्रस्तुतियों से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।पूजा को लेकर स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने भी विभिन्न छठ घाटों का भ्रमण कर पूजा-अर्चना में हिस्सा लिया। रारो मुखिया प्रतिनिधि जितेंद्र कुमार ठाकुर ने पंचायत के विभिन्न छठ घाटों पर जाकर फलाहारी वितरण किया। इसी तरह रारो, करके, सोनेहरा, पचोर, तसरार और झोतर पंचायतों के प्रतिनिधियों ने भी विभिन्न घाटों पर पहुँचकर श्रद्धालुओं से मुलाकात की और भगवान भास्कर की आराधना की।

गंगा आरती के दिव्य दृश्य ने श्रद्धालुओं को किया भावविह्वलु

मेराल (आजाद सिपाही)। प्रखंड मुख्यालय के सबसे पुराना और प्रसिद्ध वर नदी छठ घाट पर छठ पूजा के अवसर पर भव्य गंगा आरती का आयोजन किया गया। यहां पहली बार वाराणसी तथा हरिद्वार के तर्ज पर भव्य गंगा आरती में सैकड़ो छठ व्रतियों तथा बड़ी संख्या में महिला पुरुष तथा बच्चे और गणमान्य लोग शामिल हुए। इस घाट को प्रसिद्धि दिलाने वाले संजय भगत और ब्रजेश मिश्र के देख रेख में आचार्य किशोर मिश्र तथा मृत्युंजय शर्मा द्वारा वैदिक मंत्रोचार के बीच सहयोगी अजय कुमार मिश्र और मृत्युंजय पांडे के शंखनाद के साथ मुख्य यजमान राहुल, शुभम, अर्पित और श्रेयांश मल्होत्रा द्वारा जैसे ही आरती के लिए जलता हुआ दीपक को उठाया गया पूरा घाट सूर्य भगवान और छठी मईया की जयकारा से गूंज उठा। आतिशबाजी के बीच ऱ्जै गंगे माता ऱ्गंगा मैया में जब तक यह पानी रहे तथा शिव तांडव स्तोत्र मंत्र से सभी श्रद्धालु मंत्र मुग्ध होकर ताली बजाते हुए भक्ति भावना के सागर में डुबकी लगाने लगे। गंगा आरती का विहंगम दृश्य देखते ही बन रहा था। गंगा आरती में मुख्य अतिथि के रूप में प्रखंड प्रमुख दीपमाला कुमारी, जिला परिषद सदस्य रोशन परवीन, डॉ अनिल साह, विधायक प्रतिनिधि डॉ लालमोहन, मुखिया शंकर के प्रखंड अध्यक्ष रामसागर महतो, स्थानीय मुखिया पति मुन्ना राम, सूर्य प्रकाश, दशरथ प्रसाद, विनोद प्रसाद उर्फ लाला, पूर्व मुखिया सुषमा कुशवाहा, वीरेंद्र प्रसाद, करीब अंसारी, अतहर अली, जहुर रंगसाज, महेंद्र प्रसाद, तलों सोनी, समाजसेवी अजय प्रसाद गुप्ता ने गंगा आरती की नई शुरूआत की सराहना करते हुए कहा कि यहां का विहंगम दृश्य देखकर लगा कि हम सभी काशी के गंगा घाट पर आरती में शामिल हैं। छठ पूजा महोत्सव को सफल बनाने में पूजा समिति के अध्यक्ष संजीव जायसवाल, अशोक गुप्ता, सत्यम मल्होत्रा, सतीश गुप्ता, सुधांशु कुमार, शशि कांत यादव, नवीन जायसवाल, पंकज, अशोक राम, संदीप कुमार, मुन्ना जयसवाल, अनुज कुमार, सुभाष गुप्ता, अनिल कुशवाहा, सुजीत पटवा, अशोक मेहता, अजय ठाकुर आदि ने सक्रिय भूमिका निभाई।

छठ गीतों की मधुर ध्वनि, लाइट और कार्यक्रम से पूरा क्षेत्र रहा गुलजार

बलराम शर्मा

मेराल (आजाद सिपाही)। उदीयमान सूर्य को अर्घ्य अर्पित करने के साथ ही चार दिवसीय महापर्व छठ पूरे प्रखंड में आस्था और श्रद्धा के वातावरण में सम्पन्न हो गया। व्रतियों के घरों से उठती सुगंध और चारों तरफ छठ गीतों की मधुर संगीत से वातावरण पूरी तरह आध्यात्मिक बना रहा। प्रखंड मुख्यालय के सबसे पुराना वर नदी छठ घाट, नेनुआ मोड़ सरस्वती नदी छठ घाट, प्रसिद्ध मां शायर देवी धाम के समीप शिवाला तालाब छठ घाट, स्टेशन रोड तालाब छठ घाट, मुडल टोला उरिया नदी छठ घाट को स्थानीय पूजा समिति-क्लब द्वारा आकर्षक ढंग से सजाया गया था। विभिन्न छठ घाटों पर जिप सदस्य रौशन परवीन, प्रखंड प्रमुख दीपमाला कुमारी, विधायक सत्येंद्र नाथ तिवारी के अस्वस्थ रहने के कारण उनके प्रतिनिधि विवेकानंद तिवारी, डॉ लालमोहन, चिकित्सक व समाजसेवी डॉ अनिल साह, मुखिया रामसागर महतो, मुन्ना राम, सूर्य प्रकाश, करीब अंसारी, अतहर अली, संजय भगत, अजय प्रसाद गुप्ता, विनोद प्रसाद, नवीन जायसवाल, दशरथ प्रसाद सहित कई पंचायत प्रतिनिधि, गणमान्य लोग पहुंच कर लोगों को छठ महापर्व की शुभकामना देते हुए क्षेत्र का उत्तरोत्तर विकास की कामना की। विधि व्यवस्था को लेकर पुलिस प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद रही। थाना प्रभारी विष्णुकांत ने वर नदी छठ घाट पर पहुंच कर स्थानीय छठ व्रतियों को अर्घ्य दिलाकर परिवार और थाना क्षेत्र में सुख शांति की कामना किया।

थाना प्रभारी ने छठ व्रतियों को बांटी पूजा सामग्री

मझिआंव (आजाद सिपाही)। लोक आस्था के चार दिवसीय महापर्व छठ के अवसर पर मझिआंव थाना प्रभारी ओमप्रकाश टोप्पो ने एक सराहनीय पहल कर समाज में सेवा और सौहार्द की मिसाल पेश की। उन्होंने छठ व्रतियों के बीच पूजा सामग्री, फलाहार किया। थाना प्रभारी ने स्वयं अपने हाथों से छठ व्रतियों को सामग्री प्रदान की और पर्व की पवित्रता को बनाए रखने का संदेश दिया। इस दौरान थाना परिसर में श्रद्धा और भक्ति का माहौल देखने को मिला। वहीं उन्होंने कहा कि छठ पर्व आस्था, अनुशासन और प्रकृति के प्रति समर्पण का प्रतीक है। यह पर्व समाज को एकजुटता और सहयोग का संदेश देता है। कार्यक्रम में कई पुलिस पदाधिकारी, कर्मी एवं स्थानीय लोग उपस्थित रहे। सभी ने थाना प्रभारी की इस पहल को सामाजिक जिम्मेदारी और मानवीय संवेदना का उदाहरण बताया। इस तरह की पहल से पुलिस और समाज के बीच विश्वास और अपनत्व का रिश्ता और मजबूत होता है।

कांडी में लोक आस्था का महापर्व छठ संपन्न

कांडी (आजाद सिपाही)। उदीयमान सूर्य को अर्घ्य अर्पित करने के साथ ही चार दिवसीय लोक आस्था का महापर्व छठ पूजा मंगलवार की सुबह पूरे प्रखंड क्षेत्र में श्रद्धा और उत्साह के साथ सम्पन्न हो गया। व्रतियों के घरों से उठती ठेकुआ की सुगंध और छठ गीतों की मधुर धुनों से पूरा वातावरण भक्तिमय बना रहा। प्रखंड मुख्यालय स्थित सतबहिनी झरना तीर्थ, सोन नदी के विभिन्न घाट, कांडी तालाब के मध्य स्थित सूर्यमंदिर परिसर, श्री संकट मोचन हनुमान मंदिर, तथा घटही नदी सहित सभी प्रमुख छठ घाटों को स्थानीय पूजा समितियों द्वारा आकर्षक रूप से सजाया गया था। व्रतियों ने दृढ़ संकल्प के साथ अपने पूजा स्थलों पर ही डटे रहकर भगवान सूर्य को अर्घ्य अर्पित किया।विभिन्न छठ घाटों पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु, जनप्रतिनिधि, समाजसेवी और राजनीतिक दलों के कार्यकर्ता उपस्थित रहे। तथा कई लोगों ने प्रसाद , पूजा सामग्री सभी छठ घाटों पर वितरण किया। विधि-व्यवस्था को लेकर कांडी थाना प्रभारी अशफाक आलम तथा हरिहरपुर ओपी प्रभारी नसीम अंसारी के नेतृत्व में पुलिस प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद रहा।

उगते सूर्य को अर्घ्य देने के साथ संपन्न हुआ चार दिवसीय छठ महापर्व

सगमा (आजाद सिपाही)। सगमा प्रखंड क्षेत्र में उगते सूर्य देव को अर्घ्य अर्पित करने के साथ चार दिवसीय लोक आस्था के महापर्व छठ का समापन श्रद्धा और भक्ति के माहौल में हुआ। नहाय-खाय से आरंभ हुए इस पर्व के दौरान प्रखंड के पांचों पंचायतों - सगमा, कटहर कला, पूतूर, सोनडीहा, बीरबल, सारदा, लखुर्द, मकरी, चैनपुर, घघरी, दुसैया और झूंका गांवों में धार्मिक उत्साह चरम पर रहा। नदी, सरोवर और देव स्थलों पर व्रतधारियों की लंबी कतारें देखने को मिलीं, जहाँ अमीर-गरीब, ऊंच-नीच का कोई भेद नहीं था। सभी श्रद्धालु एक साथ आस्था के रंग में रंगे नजर आये। इस अवसर पर बीरबल पंचायत के मुखिया इंद्रजीत कुशवाहा ने लगातार सातवें वर्ष लगभग बारह सौ व्रतधारियों के बीच नारियल और प्रसाद का वितरण किया। वहीं, बीरबल सूर्य मंदिर पूजा समिति के आमंत्रण पर पहुँचे धुरकी थाना प्रभारी जनार्दन राऊत, मुखिया इंद्रजीत कुशवाहा, प्रमुख अजय साह और पूजा समिति के वरिष्ठ सदस्यों का स्वागत समिति अध्यक्ष बालेश्वर यादव ने भगवा अंगवस्त्र देकर किया।

समाजसेवी की पहल पर बनी जर्जर सड़क, ग्रामीणों को मिली बड़ी राहत

आजाद सिपाही संवाददाता

डंडई। डंडई प्रखंड के रारो पंचायत के चिनुखरा टोला में समाजसेवी पप्पू यादव ने अपने निजी खर्च से गड्ढों में तब्दील सड़क की मरम्मत कराई, जिससे ग्रामीणों को बड़ी राहत मिली। यह सड़क डंडई व चिनिया प्रखंड को जोड़ती है और लंबे समय से खराब थी। ग्रामीणों की समस्या को देखते हुए समाजसेवी पप्पू यादव ने अपनी पहल पर ट्रैक्टर और जेसीबी मशीन लगवाकर सड़क की मरम्मत कराई। अब सड़क समतल और कीचड़मुक्त हो गई है, जिससे ग्रामीणों में खुशी की लहर है। समाजसेवी ने कहा की चिनुखरा टोला में मनिजर सिंह के घर के पास सड़क की हालत बहुत खराब थी। कीचड़ और गड्ढों के कारण लोगों को काफी मुश्किल होती थी। इसलिए मैंने निजी स्तर पर इसकी मरम्मत कराने का निर्णय लिया। यह कार्य किसी दिखावे के लिए नहीं, बल्कि लोगों की सुविधा के लिए किया गया है। सड़क मरम्मत कार्य में महेंद्र यादव, अवधेश यादव, सुदामा सिंह, विनोद यादव (उंदल), नौरंग सिंह आदि ने सक्रिय सहयोग किया। इधर, समाजसेवी पप्पू यादव की अगुआई में झुमरी नाहर छठ घाट और वहाँ तक जाने वाले रास्ते की भी सफाई कराई गई। अनिल यादव, मुकेश यादव, कमलेश यादव, भानु कुमार यादव, विमलेश यादव सहित कई लोगों ने साफ सफाई की।

भाजपा ने इरफान अंसारी का पुतला फूंका

आजाद सिपाही संवाददाता

गढ़वा। भाजपा जिलाध्यक्ष ठाकुर प्रसाद महतो के नेतृत्व में स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी का पुतला दहन हनुमान चौक रंका मोड़ पर किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए ठाकुर प्रसाद महतो ने कहा कि झामुमो सरकार में जनता त्राहि-त्राहि कर रही है। पिछले दिनों चाईबासा में मरीज बच्चों को एचआईवी ब्लड चढ़ा दिया गया। जिसको लेकर भाजपा कार्यकताओं ने जब विरोध किया तो मामले को दबाने के लिए आंसू गैस का गोला छोड़ा गया। इससे यह साबित होता है कि झामुमो सरकार में स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी पुरी तरह से स्वास्थ्य व्यवस्था संभालने में फेल हो चुके हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे निकम्मे स्वास्थ्य मंत्री को तत्काल प्रभाव से हेमंत सरकार बर्खास्त करे। उन्होंने कहा कि झामुमो सरकार में स्वास्थ्य व्यवस्था फेल हो चुका है स्वास्थ्य मंत्री अपनी जिम्मेदारी नहीं समझते है वे सिर्फ अनर्गल बातें बोलकर अपनी झुठी वाहवाही लूटने में लगे रहते हैं गरीब जनता के जिंदगी से खिलवाड़ किया जा रहा है। इसको लेकर भाजपा कार्यकर्ता चुप नहीं बैठेंगे मामले की उच्च स्तरीय जांच होनी चाहिए। कार्यक्रम में मुख्य रूप से विधायक प्रतिनिधि विवेकानंद तिवारी भाजपा नेता विनय चौबे मनीष गुप्ता ब्रजेश उपाध्याय संजय ठाकुर उदय कुशवाहा शुभम गुप्ता अशोक केशरी रितेश दुबे कंचन पाण्डेय विकास तिवारी दिनेश कुशवाहा अभिषेक कश्यप संतोष ठाकुर सहित अन्य कई कार्यकर्ता मौजूद थे।

आजाद सिपाही
रांची, बुधवार, 29 अक्टूबर, 2025
www.azadsipahi.in
08

लोहरदगा और लातेहार में उदयगामी सूर्य को अर्घ्य देने के साथ छठ संपन्न

समानता, सद्भाव और पर्यावरण संरक्षण का संदेश देता है छठ पर्व

आजाद सिपाही संवाददाता

लोहरदगा। लोकआस्था का महापर्व छठ पूरे जिले में श्रद्धा, उल्लास और पवित्रता के साथ संपन्न हुआ। नहाय-खाय और खरना के बाद व्रतियों ने सोमवार की शाम अस्ताचलगामी सूर्य को दूध और जल से अर्घ्य अर्पित किया। मंगलवार की भोर में उदीयमान सूर्य को अर्घ्य देकर भगवान भास्कर की आराधना की गयी। पूजा, हवन और आरती के पश्चात प्रसाद वितरण के साथ व्रत का समापन हुआ।

जिले के सभी नदी-तालाबों और छठ घाटों पर हजारों व्रतियों ने निर्जला उपवास रखते हुए उगते सूर्य को अर्घ्य दिया। प्रमुख घाटों सेरेंगहातु कोयल नदी छठ घाट, शंख नदी, हरमू, भक्सो छठ घाट आदि पर श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी रही। सभी घाटों पर विशेष विद्युत सज्जा, साउंड सिस्टम, खिलौने, मिठाई और पूजा सामग्री की दुकानें सजी रहीं।

श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए जिला पुलिस प्रशासन द्वारा सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किये गये। जगह-जगह पुलिस बल की तैनाती की गयी थी। नगर परिषद और स्थानीय समितियों द्वारा प्रकाश व्यवस्था, सफाई, यातायात नियंत्रण और पार्किंग की उत्कृष्ट व्यवस्था की गयी।

भोर में जब पूर्व दिशा में लालिमा फैली और सूर्य देव का दर्शन हुआ, तो व्रतियों ने पवित्र जल में खड़े होकर अर्घ्य अर्पित किया। पूरे माहौल में भक्ति और आस्था की गूंज सुनाई दी।

महापर्व छठ केवल आस्था का नहीं, बल्कि समानता, सद्भाव और पर्यावरण संरक्षण का संदेश देने वाला पर्व है। अमीर-गरीब सभी एक साथ सिर पर डाला लिए घाटों तक पहुंचते हैं। यह पर्व प्रकृति और सूर्य-जल के प्रति श्रद्धा का प्रतीक है। भगवान सूर्य और षष्ठी देवी की उपासना के माध्यम से यह पर्व मानव और प्रकृति के अटूट संबंध को दर्शाता है।

भगवान भास्कर को अर्घ्य अर्पित कर सुख समृद्धि की कामना की

बरवाडीह (आजाद सिपाही)। प्रखंड मुख्यालय एवं आसपास के क्षेत्र में चार दिवसीय लोक आस्था और सूर्य उपासना छठ महापर्व मंगलवार को उदयीमान सूर्य को अर्घ्य देने के साथ धूमधाम से संपन्न हो गया। वही इससे पूर्व छठ व्रतियों ने सोमवार शाम अस्ताचलगामी भगवान भास्कर को अर्घ्य देकर सुख समृद्धि की आशीर्वाद मांगी। प्रखंड के आदर्श नगर मुख्य छठ घाट मे रेलवे कॉलोनी, बाजार और आसपास के काफी संख्या में छठ व्रतियों और श्रद्धालुओं की भारी भीड़ रही। छठ पूजा समितियों द्वारा छठ व्रतियों और श्रद्धालुओं की सुविधा का विशेष ख्याल रखते हुए तैयारी कर छठ घाट को आकर्षक ढंग से सजाया गया था। इसके अलावा देवरी नदी छठ घाट में भी श्रद्धालुओं एवं व्रतियों की काफी भीड़ रही। इसके अलावा प्रखंड के पुल नदी छठ घाट समिति के अध्यक्ष रवि सिंह, सचिव रवि गुप्ता, देवरी छठ घाट, खुरा छठ घाट, कोयल नदी किनारे स्थित सभी घाट में पर्व करने वालो की व्रतियों एवं श्रद्धालुओं की काफी भीड़ रही। वही छठ महापर्व के अवसर पर स्थानीय विधायक रामचंद्र सिंह अपने समर्थकों अनिल कुमार सिंह, रविंद्र राम, प्रेम कुमार सिंह, मनोज जायसवाल, दीपू तिवारी, प्रिंस गुप्ता, कुलेश्वर सिंह समेत अन्य समर्थकों के साथ सर्वप्रथम आदर्श नगर मुख्य छठ घाट पहुंचे जहां पूजा समिति के अध्यक्ष सदस्यों ने उनका जोरदार तरीके से स्वागत किया। इसके साथ ही विधायक ने प्रखंड के सभी छठ घाट का भ्रमण कर व्रतियों से आशीर्वाद प्राप्त किया। वही बरवाडीह के थाना प्रभारी अनूप कुमार, बीडीओ रेशमा रेखा मिंज पुलिस बल और संबंधित दंडाधिकारी के साथ मुख्य छठ घाट समेत सभी छठ घाट का निरीक्षण करते हुई शांति व्यवस्था बनाये रखने में सक्रिय रहे। मौके पर छठ पूजा समिति के अध्यक्ष पंकज कुमार गुप्ता, दीपक राज, नरेश चौरसिया, फिरोज अहमद मुन्ना, हिमांशु गुप्ता, पपन खान, प्रिंस गुप्ता, संजीव श्रीवास्तव समेत पूजा समिति के सभी सदस्यों शामिल थे।

सुबह से ही छठ घाटों पर श्रद्धालुओं की रही भीड़

अर्घ्य देते हुए लातेहार एसपी कुमार गौरव।

आजाद सिपाही संवाददाता

लातेहार। लातेहार लोक आस्था, शुद्धता और अनुशासन का प्रतीक चार दिवसीय महापर्व छठ मंगलवार की सुबह उदीयमान सूर्य को अर्घ्य अर्पित करने के साथ श्रद्धा और उत्साह के माहौल में संपन्न हो गया। जिले भर में छठ घाटों पर सुबह से ही श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। व्रती महिलाओं ने नदियों, तालाबों और जलाशयों में खड़े होकर भगवान सूर्यदेव और छठी मइया की पूजा-अर्चना की और परिवार की सुख, शांति, समृद्धि तथा उत्तम स्वास्थ्य की कामना की।

लातेहार शहर के करमाचुआं, पम्पू कल, चटनाही, डुरूआ के पास औरंगा नदी और खीरखीर नदी, करकट बाणपुर सहित जिले के सभी प्रमुख घाटों पर हजारों श्रद्धालुओं ने उपस्थित होकर इस आस्था के महापर्व का उल्लासपूर्ण समापन किया। घाटों पर सजावट, प्रकाश व्यवस्था और भक्तिमय संगीत ने वातावरण को और अधिक पवित्र बना दिया।

पूरे क्षेत्र में रंग-बिरंगी रोशनी से जगमगाता माहौल छठ की भव्यता को दर्शा रहा था। घाटों पर गूंजते छठ गीतों और ढोलक की थाप से पूरा लातेहार भक्ति और उल्लास से सराबोर दिखाई दिया। श्रद्धालुओं ने अपने परिवारों के साथ घाटों पर उपस्थित होकर छठी मइया को अर्घ्य अर्पित किया।

महापर्व के दौरान प्रशासन ने भी सुरक्षा के पुख्ता और व्यापक इंतजाम किये थे। लातेहार जिला प्रशासन की ओर से पुलिस बलों की विशेष तैनाती की गयी थी ताकि किसी भी तरह की अप्रिय घटना न हो सके। साथ ही घाटों के आस-पास चिकित्सा व्यवस्था, प्रकाश व्यवस्था और सफाई अभियान पर विशेष ध्यान दिया गया। नगर परिषद और स्थानीय प्रशासन की ओर से घाटों की सफाई, पानी की निकासी और लाइटिंग की समुचित व्यवस्था की गयी थी। वहीं जगह-जगह सेवा स्टॉल लगाये गये थे, जहां व्रतियों को निशुल्क पूजन सामग्री और प्रसाद वितरित किये जा रहे थे। स्थानीय समाजसेवियों, स्वयंसेवी संगठनों और युवाओं की टीमों ने भी घाटों पर पहुंचकर श्रद्धालुओं की हर संभव मदद की। इससे पूरे माहौल में एक सामूहिक आस्था और सहयोग की भावना देखने को मिली। छठ व्रती महिलाओं ने चार दिनों तक कठोर व्रत का पालन करते हुए नहाय-खाय, खरना, संध्या अर्घ्य और प्रातःकालीन अर्घ्य की विधियों का पालन किया। इस दौरान उन्होंने बिना जल ग्रहण किये उपवास रखा और सूर्यदेव के प्रति अपनी अटूट श्रद्धा व्यक्त की। इस वर्ष लातेहार जिले के छठ घाटों पर पिछले वर्षों की तुलना में अधिक श्रद्धालु पहुंचे, जिससे यह पर्व और भी भव्य और यादगार बन गया।

सेन्हा छठ घाट में विशेष पूजा और सामूहिक अर्घ्य किया अर्पित

आजाद सिपाही संवाददाता

सेन्हा/ लोहरदगा। लोक आस्था का महापर्व छठ अरुणोदय भगवान भुवन भास्कर को अर्घ्य अर्पण करने के साथ मंगलवार को संपन्न हो गया। प्रखंड क्षेत्र के सीठीयो कोयल नदी, बांकी नदी सेन्हा छठ घाट मे भुवन भास्कर को अर्घ्य देने के लिए आस्था का जनसैलाब उमड़ पड़ा तथा अन्य छठ घाटों मे भी छठ महापर्व के अवसर पर श्रदालुओ की भीड रही। सीठीयो कोयल नदी और बांकी नदी सेन्हा छठ घाट मे विशेष पुजन तथा सामूहिक अर्घ्य अर्पण किया गया। छठ महापर्व को लेकर पुरे प्रखंड क्षेत्र मे पानी छिडकाव से लेकर विधुत सज्जा की गयी थी। शहरी क्षेत्र के श्रदालुओ के लिए सीठीयो कोयल नदी छठ घाट को आर्कषक ढंग से सजाया गया था। सभी जगहों में छठ पुजा समिति के द्वारा विधुत सज्जा, साउंड के अलावे छठव्रतियो के लिए विशेष व्यवस्था की गयी थी। वही प्रखंड और पुलिस प्रशासन सुरक्षा व्यवस्था को लेकर मुस्तैद रहे। साथ ही जिला के वरीय पदाधिकारियों डीसी डॉ कुमार ताराचंद और एसपी सादिक अनवर रिजीवी ने सीठीयो कोयल नदी छठ घाट पर भगवान भुवन भास्कर का अर्घ्य लिया। सोमवार शाम में छठव्रतियों द्वारा अस्तचलगामी भगवान सुर्य को शाम में तथा मंगलवार सुबह भगवान अरुणोदय सूर्य को सामुहिक अर्घ्य अर्पण किया गया। पंडित अवनीश पाठक, कृष्ण कुमार मिश्रा, राजेश पाठक, नर्मदेश्वर पाठक समेत अन्य के पुरोहितों द्वारा छठव्रतियो को सामुहिक अर्घ्य दिलाने के साथ छठ घाट मे भगवान सूर्य का और सत्यनारायण कथा कराया गया। पूजन के उपरांत छठव्रतियो समीप के विभिन्न मंदिरों में जा कर भगवान के दरबार मे मत्था टेकते हुए भगवान से सुख सृमद्धि और ऐश्वर्य के लिये मङ्गलकामना किया गया। छठ महापर्व का सफल आयोजन के लिये सभी जगहों में छठ पूजा समिति के सदस्य और पदाधिकारियों का सराहनीय योगदान रहा। वही छठ महापर्व को लेकर प्रखंड प्रशाषन तथा पुलिस के द्वारा सुरक्षा व्यवस्था का पुख्ता इंतजाम किया गया था। सोमवार शाम चार बजे से रात आठ बजे तक और मंगलवार सुबह तीन बजे से 9 बजे तक भारी वाहनों का प्रवेश वर्जित किया गया था। साथ ही छोटे तथा यात्री वाहनों का आवागमन के लोय मार्ग में बदलाव किया गया था। जिससे श्रद्धालु भक्तों और व्रतियों को छठ घाट तक आने जाने मे परेशानी ना हो। वही प्रखंड मुख्यालय सहित क्षेत्र के सभी छठ घाटों पर लोक आस्था का महापर्व छठ पर श्रद्धालु भक्तों का जन सैलाब उमड़ पड़ा था। जिससे लोक आस्था का महापर्व छठ को लेकर बच्चे बूढ़े नवजवान युवक युवतियों के मन श्रद्धा भक्ति और उमंग था। अर्घ्य और प्रसाद ग्रहण करने के लिये भक्त जन उत्साहित दिखाई दिये।

कुडू में हर्षोल्लास के साथ छठ का समापन

कुडू / लोहरदगा (आजाद सिपाही)। सूर्योपासना और लोक आस्था का चार दिवसीय महापर्व छठ पूजा सोमवार की संध्या को अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य अर्पित करने के साथ आरंभ हुआ तथा मंगलवार की सुबह उदयीमान सूर्य को अर्घ्य देने के साथ श्रद्धा, भक्ति और उल्लास के वातावरण में संपन्न हो गया। इस वर्ष कुडू के टीको नदी छठ घाट में लगभग 200 व्रती और पांच हजार से अधिक श्रद्धालु अस्ताचलगामी एवं उदयीमान सूर्य को अर्घ्य देने पहुंचे। वहीं जिलिंग तालाब में 40, जिंगी तालाब में 30, सलगी में 60, चापी में 60, सुकमार में 20, लावागाई में 30 तथा माराडीह और उडुमुड्डू में 20 और 30 व्रतियों ने श्रद्धापूर्वक छठ महापर्व मनाया और दूध, जल और ठेकुआ-प्रसाद से भगवान भास्कर को अर्घ्य अर्पित किया। छठ पूजा समितियों और स्थानीय प्रशासन की ओर से घाटों की साफ-सफाई, सुरक्षा एवं प्रकाश व्यवस्था की सराहनीय तैयारी की गयी थी। घाटों को फूलों, केले के पत्तों, दीपों और रंग-बिरंगी झालरों से सजाया गया था, जिससे पूरा वातावरण दिव्य आलोक से जगमगा उठा। घाटों पर उमड़ी आस्था की बयार और दिव्य प्रकाश में नहाया पूरा क्षेत्र श्रद्धा और आस्था से आलोकित रहा। वहीं मौके पर पुलिस बल की सतर्क मौजूदगी से पूरा माहौल शांतिपूर्ण और भक्तिमय बना रहा। मंगलवार की सुबह उदयीमान सूर्य को अर्घ्य अर्पित करने के बाद व्रतियों ने व्रत समाप्त किया।

चंदवा में घाटों पर सेवा समितियों ने की व्यवस्था

आजाद सिपाही संवाददाता

चंदवा। चंदवा के देवनद नदी और भुषाड़ नदी के तट पर छठ महापर्व धूमधाम से मनाया गया। यह चार दिवसीय महापर्व को पूरी शुद्धता और स्वच्छता के साथ नदी के तट पर भगवान भवन भास्कर को उदयमान होते हुए अर्ग देकर व्रतियों पूजा संपन्न किया। इस अवसर पर चंदवा प्रखंड के प्रखंड प्रशासन और पुलिस प्रशासन की अहम भूमिका रही। प्रखंड के विभिन्न क्षेत्रों में प्रशासन के द्वारा सुरक्षा की विशेष ध्यान दी गयी। विशेष कर देवनद नदी के तट पर और भुषाड़ नदी के तट पर पुलिस प्रशासन और प्रखंड प्रशासन में अपनी अहम भूमिका निभायी देखा गया कि पूरे रात भर पूरे क्षेत्र में पुलिस प्रशासन के द्वारा चप्पे चप्पे रात्रि गश्ती की गयी। समय-समय पर चंदवा प्रखंड के प्रखंड विकास पदाधिकारी और अंचल पदाधिकारी के द्वारा हर एक क्षेत्र में अपनी नजर बनाये हुए थे। व्रतियों किसी भी असुविधा को लेकर प्रशासन तुरंत निदान करने के लिए तत्पर दिखाई दियक जिसको देखकर स्थानीय लोगों ने बड़ी सराहना किया। वहीं इस वर्ष दोनों घाट पर विवेकानंद छठ पूजा समिति, देवनद दामोदर छठ पूजा समिति और भुषाड़ नदी सेवा समिति के द्वारा पूरी व्यवस्था की गयी थी जिसमें और स्वयंसेवी संस्थान युवा भारत कमांडो क्लब रामानंद चैरिटेबल ट्रस्ट के साथ-साथ रजक परिवार की ओर से घाट पर श्रद्धालुओं के लिए दीप और चाय की सुविधा निशुल्क दी गयी। इसके साथ ही श्री श्री थाना टोली छठ पूजा समिति के द्वारा दूध गेहूं की निशुल्क व्यवस्था व्रतियों घर दी गयी। अंकित बीज भंडार के द्वारा एक की व्यवस्था निशुल्क किया गया। वही दुर्गा मंडल चंदवा के द्वारा लागत मूल्य पर फल बिक्री किया गया। यह व्यवस्था स्वर्गीय किरण बाबू के स्मृति में की गयी। किरण बाबू दुर्गा मंडल समिति के एक कर्मठ सदस्य के रूप में जाने जाते थे। इस तरह से कई स्वयंसेवी संस्थाओं ने छठ पर्व के अवसर पर छठ पर्व में व्यवस्था देने का काम किया है। पर्व संपन्न होने पर देवनद दामोदर छठ पूजा समिति के अध्यक्ष मनु कुमार गुप्ता और विवेकानंद छठ पूजा समिति के अध्यक्ष रमेश प्रसाद साहू ने सभी को आभार प्रकट किया है। वही देवनद नदी के तट पर भगवान भवन भास्कर की प्रतिमा स्थापित हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी की गयी थी जिसका पूजा संपन्न पंडित बालकृष्ण मिश्रा के द्वारा संपन्न कराया गया।

सड़क के किनारे दोनों ओर झाड़ियां, लगातार हो रहे हैं हादसे

आदर्श कुमार (चंचल)

गारु (आजाद सिपाही)। लातेहार जिले के गारु प्रखंड अंतर्गत गारु थाना क्षेत्र और बारेसाढ़ थाना क्षेत्र मे लगातार सड़क हादसे हो रहे हैं। जिससे कई यात्रियों की जान जा चुकी है। वजह है सड़कों के किनारे फैली हुई सघन झाड़ियां। महुआडांड-डाल्टनगंज मुख्य सडक में बारेसाढ़ से गारु तक एवं गारु -लातेहार मुख्य पथ पर अरमु मोड़ से कोटाम एवं कोटाम से सरयू तक सड़क के किनारे दोनों ओर सघन झाड़ियां हैं। झाड़ियां के कारण सड़क से दूसरी ओर से आने वाले वाहन नहीं दिखते इस वजह से लगातार दुर्घटनाएं हो रही हैं। कई बार तो वाहन आमने-सामने टकरा जाते हैं। राजेंद्र प्रसाद, रघुबर साव, विश्वनाथ यादव, श्रवण प्रसाद, राकेश कुमार, बृजकिशोर यादव, आकाश कुमार, राजा कुमार समेत अन्य ग्रामीणों ने प्रशासन पर आरोप लगाते हुए कहा कि सड़क के किनारे दोनों और सघन झाड़ियों की वजह से लगातार दुर्घटनाएं हो रही हैं। जिससे कई राहगिरों की जान जा चुकी है।

सड़क के किनारे फ्लैंक नहीं होने से भी सड़क हादसे बढ़े

ग्रामीणों के अनुसार सड़क के किनारे फ्लैंक भी कई जगह कट गये हैं इस वजह से सड़क के किनारे बड़े-बड़े गड्ढे हो गए हैं। आए दिन कइ यात्री दुर्घटना के शिकार हो रहे हैं। ग्रामीणों ने प्रशासन से इस मामले में पहल करने की अपील की है। ताकि दुर्घटना में अंकुश लगाया जा सके।

इस रूट में हैं कई सारे पर्यटक स्थल : लातेहार जिले के इस रूट में नेतरहाट, बेतला नेशनल पार्क, सुग्गाबांध, लोध फॉल एवं भेड़िया आश्रयनी समेत कई पर्यटक स्थल है जो यात्रियों को अपनी ओर लुभाते हैं। इस वजह से स्थानीय लोगों की अच्छी खासी कमाई भी हो जाती है, एवं रोजी रोजगार के कई साधन खुलते हैं। इसके अलावा दूसरे राज्यों के एवं विदेश से भी पर्यटक इन स्थलों का लुफ्त उठाने आते हैं एवं अपने कैमरे में यहाँ की तस्वीर कैद कर विदेशों में भी सोशल मीडिया एवं अन्य प्रकार से इन जगहों का प्रचार प्रसार करते हैं,जो झारखंड के लिए गौरवपूर्ण बात है। वहीं दूसरी ओर सड़क किनारे झाड़ियां एवं फ्लैंक के कटाव के कारण दुर्घटना का भय बना हुआ रहता है बावजूद इसके इस ओर प्रशासन सजग नहीं दिख रहा है।

हाल के दिनों में हो चुकी है कई घटनाएं

पहली घटना : गारु थाना क्षेत्र के कोटाम ग्राम के पास मोटरसाइकिल और कार के आमने-सामने की टक्कर में संतोष सिंह की घटनास्थल पर ही दर्दनाक मृत्यु हो गयी। वहीं दूसरे युवक की हालत अभी भी गंभीर है।

दूसरी घटना : बारेसाढ़ थाना के द्वारसैनी घाटी (घटवरिया) के पास वाहन को साइड देने में सड़क के किनारे फ्लैंक नहीं होने की वजह से बारेसाढ़ थाना क्षेत्र के कुजरूम निवासी बालकिसुन उरांव सड़क हादसे का शिकार हो गया था जिसमें युवक के पैर एवं हाथ टूट गए थे।

तीसरी घटना : अभी हाल में ही गारु के मिर्चइया फॉल देखने आये पर्यटको का कार दुर्घटना हो गया था। जिसमे सवार पर्यटको को काफी चोटे आयी थी।

इस कारण पर्यटक स्थलों के गुलजार होने में थोड़ी कमी दिख रही है।

अधिकारियो ने कहा : इस संबंध में बीडीओ अभय कुमार ने बताया कि इस संबंध में वन विभाग के बैठक में डीएफओ के समक्ष समस्या से अवगत करा दिया हूं वन विभाग के सहमति से ही झाड़ियां के साफ सफाई होना संभव है।

रेंजर उमेश दुबे ने बताया कि वन विभाग के पास मजदूरों को देने के लिए राशि उपलब्ध नहीं है। इस वजह से विभाग इतने बड़े एरिया में झाड़ियां के साफ सफाई करने में असमर्थ है।

पथ निर्माण विभाग के एइ विजय बाखला ने बताया कि सड़क के किनारे झाड़ियां की साफ सफाई के लिए जल्द से जल्द कदम उठाया जायेगा। लेकिन फ्लैंक के लिए हर बार मिट्टी मोरम करना संभव नहीं है। वन विभाग के क्लीयरेंस के बाद सड़क के किनारे फेवर ब्लॉक या पीएससी बनाया जायेगा जिससे दुर्घटना में अंकुश लगेगी।

'वोट चोर गद्दी छोड़' अभियान में सात हजार लोगों ने किये हस्ताक्षर

आजाद सिपाही संवाददाता

लोहरदगा। कांग्रेस पार्टी के अल्पसंख्यक विभाग द्वारा चलाए गए राज्यव्यापी हस्ताक्षर अभियान में लोहरदगा जिले ने उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है। प्रदेश अध्यक्ष मंजूर अंसारी के निर्देश पर चला अभियान में जिला कांग्रेस अल्पसंख्यक विभाग लोहरदगा के अध्यक्ष मोजम्मिल अंसारी एवं जिला प्रभारी शहनाज खातून के द्वारा प्रदेश ऑफिस अल्पसंख्यक विभाग के प्रदेश महासचिव सह कार्यालय प्रभारी गुलाम रब्बानी हस्ताक्षरित कॉपी सौंपते हुए बताया कि प्रदेश अध्यक्ष मंजूर अंसारी के निर्देशानुसार जिले को 5000 लोगों के हस्ताक्षर का लक्ष्य दिया गया था, लेकिन जिले के कार्यकर्ताओं की सक्रियता और एकजुटता के बल पर कुल 7268 लोगों के हस्ताक्षर कराये गये, जो निर्धारित लक्ष्य से कहीं अधिक है। यह हस्ताक्षर अभियान प्रदेश स्तर पर जूम मीटिंग के माध्यम से मिले निर्देश के बाद प्रारंभ किया गया था। मोजम्मिल अंसारी ने बताया कि इस अभियान में जिले सहित सभी प्रखंडों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और जनसंपर्क के माध्यम से लोगों को कांग्रेस की नीतियों से जोड़ा गया। अभियान के अंतर्गत सभी प्रखंडों से प्राप्त हस्ताक्षर में कुडू प्रखंड से 1997, कैरो से 1653, सेन्हा से 538, लोहरदगा से 713, भंडरा से 498, पेशरार से 310, किस्को से 1250 एवं लोहरदगा नगर से 359 शामिल हैं। मोजम्मिल अंसारी ने बताया कि यह अभियान जिला प्रभारी शहनाज खातून, जिला के सभी पदाधिकारी, प्रखंड पदाधिकारी और पंचायत अध्यक्षों के सहयोग से सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

ट्रक मालिकों की समस्याओं के निदान के लिए सांसद सुखदेव भगत ने प्रतिनिधि नियुक्त किया

आजाद सिपाही संवाददाता

लोहरदगा। सांसद सुखदेव भगत के आवास में झारखंड पठारी चंदवा लोहरदगा ट्रक ऑनर एसोसिएशन के संचालन समिति की बैठक हुई। जिसमे सांसद सह संसदीय समिति सदस्य कोयला खान एवं इस्पात मंत्रालय सुखदेव भगत के द्वारा लोहरदगा, चंदवा एवं घाघरा क्षेत्र से खनन एवं परिवहन के निमित्त ट्रक ऑनर के सहयोग एवं समस्याओं के समाधान हेतु प्रतिनिधि नियुक्त किया गाया। सांसद ने कहा की माइंस क्षेत्रो में उत्पन्न समस्याएं तथा हिंडाल्को कंपनी के द्वारा परिवहन कार्य परिचालन में जो भी समस्या उत्पन्न होगी हमारे नियुक्त प्रतिनिधियो के द्वारा इन समस्याओं का निदान किया जायेगा। सांसद के द्वारा शाहिद अहमद बेलू को संयोजक बनाया गया। इसके अलावा लोहरदगा क्षेत्र से प्रतिनिधि इरशाद अहमद/ काजू कुरैशी, पंकज सिंह, चंदवा टोरी क्षेत्र से प्रतिनिधि संजू कुमार, अमजद आलम, घाघरा क्षेत्र से प्रतिनिधि विजय जायसवाल, विनय राम बिनु व सचिन साहू को प्रतिनिधि के रूप में नियुक्त किया गया।।

लोहरदगा में भाजपा ने सरकार का पुतला फूंका

लोहरदगा (आजाद सिपाही)। भारतीय जनता पार्टी जिला अध्यक्ष मनीर उरांव के नेतृत्व में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन का संध्या 5:15 बजे पुतला पावरगंज चौक पर फूंका गया। पूतला फूंकने के बाद जिला अध्यक्ष मनीर उरांव ने कहा कि जब-जब हेमंत सरकार डरती है, पुलिस को आगे करती हैं। चाईबासा में अपने हक और सुरक्षा के लिए शांतिपूर्ण मांग कर रहे आदिवासी ग्रामीणों के साथ हेमंत सरकार के इशारे पर यह पुलिसिया दमन इस सरकार को बहुत महंगा पड़ने वाला है। सरकार के भ्रष्ट व्यवस्था के झारखंड के भविष्य के साथ खुला खेलवाड़ किया पहले से गंभीर रोग से ग्रसित बच्चों को एचआईवी जैसे संक्रमित ब्लड रक्त युवा को चढ़ाना उसके बाद मुआवजा 2 लाख की घोषणा यह बताता की वर्तमान हेमंत सोरेन जनता को गूंगा बहरा घोषित कर दिया है। ताकि लोग अपने मूल अधिकारों को भी मांग नहीं करेंगे। मौके पर उपस्थित जिला उपाध्यक्ष अजय कुमार पंकज, अनिल उरांव, पशुपति नाथ पारस, जगनंदन पौराणिक,मीना बाखला, सामेला भगत, लक्ष्मी नारायण भगत, प्रभा शर्मा,सचिन सिंघानिया,शंकर प्रजापति, नीरज कुमार, संजीव उरांव,अमित बैठा सहित अन्य उपस्थित थे।

आजाद सिपाही
रांची, बुधवार, 29 अक्टूबर, 2025
www.azadsipahi.in
09

मधुपुर बैंक डकैती मामले में 11 गिरफ्तार, 5.50 लाख बरामद

आजाद सिपाही संवाददाता

देवघर। मधुपुर स्थित एचडीएफसी बैंक में 22 सितंबर को हुए चार करोड़ से अधिक की डकैती का पुलिस ने उदभेदन कर लिया है। इस सिलसिले में पुलिस ने बिहार, हरियाणा, यूपी और गोवा में छापेमारी कर 11 अपराधियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार सभी अपराधी हाजीपुर के रहने वाले हैं। पुलिस ने इनके पास से 5.50 लाख, हथियार, एटीएम, गाड़ी, सिम आदि बरामद किया है। एसपी सौरभ ने प्रेसवार्ता में बताया कि कांड के उमेदन हेतु अनुमण्डल पुलिस पदाधिकारी सदर, सारठ और मधुपुर के नेतृत्व में टीम का गठन किया गया था। लगातार पुलिस उपाधीक्षक (मुख्यालय) देवघर के अलग-अलग चार छापामारी दलों का गठन छापामारी करते हुए मानवीय एवं तकनीकी के आधार पर झारखंड एवं अन्य राज्यों में कांड में प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से संलिप्त ग्यारह अपराधकर्मियों को गिरफ्तार किया गया है। छापामारी में सामानों की बरामदगी की गयी है तथा गिरफ्तार अभियुक्त में विकास, सन्नी सिंह उर्फ सूरज, गौतम कुमार, अन्नू सिंह उर्फ राहुल सिंह, आकाश कुमार, सोनु कुमार, इन्द्रजीत उर्फ कुन्दन सिंह, रोहित कुमार, आनन्द राज उर्फ टुकटुक, रितेश कुमार उर्फ छोटू, विशाल कु सिंह शामिल हैं।

हरिहरगंज में मिस्त्री की हत्या आक्रोशित लोगों ने सड़क जाम की

आजाद सिपाही संवाददाता

हरिहरगंज/ पलामू। जिले के हरिहरगंज नगर पंचायत क्षेत्र में सोमवार की शाम अज्ञात अपराधियों ने एक गेट-ग्रिल दुकानदार सह मिस्त्री की दिनदहाड़े धारदार हथियार से वार कर हत्या कर दी। इस हत्या से पूरे क्षेत्र में सनसनी फैल गयी। घटना हरिहरगंज प्रखंड कार्यालय परिसर के पीछे स्थित कर्बला के समीप की है, जहां अपराधियों ने योजनाबद्ध तरीके से मिस्त्री को बुलाकर वारदात को अंजाम दिया। जानकारी के अनुसार सतगांवा निवासी मोहम्मद जसमुद्दीन उर्फ नवाब खान (46) पिता अब्दुल हवाब खान को अपराधियों ने फोन कर गेट ग्रिल का माप लेने के बहाने बुलाया था। शाम लगभग 4 बजे के करीब जब वे पहुंचे, तो अपराधियों ने सुनसान कार्यालय परिसर में उन पर धारदार हथियार से ताबड़तोड़ हमला कर घायल कर दिया। छठ पूजा के कारण प्रखंड कार्यालय बंद था और सुरक्षा में तैनात सभी होमगार्ड और चौकीदार बाहर की तरफ ड्यूटी पर थे, जिससे अपराधियों को वारदात अंजाम देने में आसानी हुई। हमले के बाद घायल अवस्था में जसमुद्दीन को हरिहरगंज पुलिस ने ग्रामीणों के सहयोग से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। जहां डॉ अरविंद कुमार और अन्य चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर स्थिति को देखते हुए औरंगाबाद सदर अस्पताल रेफर कर दिया। चिकित्सकों ने बताया कि मृतक के सिर, नाक और गाल पर धारदार हथियार से कई वार किये गये थे। इलाज के लिए औरंगाबाद ले जाने के दौरान ही जसमुद्दीन की रास्ते में मौत हो गयी। मौत की सूचना पर आक्रोशित ग्रामीणों ने एनएच 139 को जाम कर दिया।

जाम की सूचना पर छतरपुर एसडीपीओ अवध कुमार यादव, सब इंस्पेक्टर संतोष कुमार, सीआई रवि कुमार ने मौके पर पहुंच कर सरकारी प्रावधान के तहत मिलने वाली मुआवजे का आश्वासन दिया। जबकि एसडीपीओ अवध कुमार यादव ने बताया कि आरोपियों को गिरफ्तार करने के लिए टीम गठित की गयी है और जल्द गिरफ्तार कर लिया जायेगा। इस आश्वासन पर आक्रोशित ग्रामीणों ने जाम हटाया। जिसके बाद आवागमन सुचारू हुआ।

अपराधियों की गिरफ्तारी और मुआवजे की मांग

इधर मंगलवार को पोस्टमार्टम से शव लौटने के बाद आक्रोशित ग्रामीणों ने ब्लॉक गेट के समीप एनएच 139 मुख्य मार्ग को जाम करते हुए शव के साथ सड़क पर बैठ गये। वहीं सड़क पर टायर जलाकर विरोध प्रदर्शन किया। इस दौरान ग्रामीणों ने हत्या के आरोपी को जल्द गिरफ्तार करने, मुआवजे के साथ परिवार वालों को सुरक्षा की मांग कर रहे थे। आक्रोशित ग्रामीणों ने सड़क करीब पांच घंटे तक जाम रखा। मौके पर आक्रोशित ग्रामीणों ने थाना से मात्र 400 मीटर की दूरी पर निर्मम हत्या की घटना पर गंभीर चिंता जताया। वहीं बसपा के पूर्व विधायक कुशवाहा शिवपूजन मेहता ने पुलिस की कार्य शैली में सवाल उठाते हुए कहा कि दिनदहाड़े ब्लॉक परिसर में एक आम आदमी की निर्मम हत्या से पुलिस के प्रति लोगों में विश्वास घट रहा है।

बैद्यनाथ मंदिर के निकास द्वार पर महिला पुलिस ने छठ व्रती को पीटा

महिला व्रती निकास द्वार से गर्भगृह में प्रवेश करना चाह रही थी

आजाद सिपाही संवाददाता

देवघर। बैद्यनाथ मंदिर के निकास द्वार पर ड्यूटी में तैनात एक महिला पुलिसकर्मी ने महिला छठव्रती के साथ मारपीट की और उसे भद्दी-भद्दी गालियां दीं। महिला व्रती निकास द्वार से मंदिर के गर्भगृह में प्रवेश करना चाह रही थी। पुलिस ने मना किया फिर भी महिला नहीं मानी। इसके बाद महिला पुलिसकर्मी ने व्रती के साथ मारपीट की और उसके गालियां दीं। पूरी घटना का वीडियो सोशल मीडिया में तेजी से वायरल हो रहा है। वीडियो में वर्दी की आड़ में महिला पुलिसकर्मी की गुंडागर्दी को साफ देखा जा सकता है। बड़ी बात है यह है कि ड्यूटी में तैनात अन्य महिला व पुरूष पुलिसवाले भी मारपीट करने वाली महिला पुलिसकर्मी का पक्ष से ले रहे थे। समाचार लिखे जाने तक इस मामले में मंदिर प्रशासन या जिला प्रशासन का कोई अधिकृत बयान नहीं आया था।

विधायक शशिभूषण मेहता ने उदयाचल सूर्य को अर्घ्य अर्पित किया

आजाद सिपाही संवाददाता

पांकी / पलामू। लोक आस्था के महान पर्व छठ के अवसर पर विधायक डॉ कुशवाहा शशिभूषण मेहता ने अपनी धर्मपत्नी श्रीमती किरण मेहता और समाजसेवी कमेश यादव के साथ नीलांबर-पीतांबरपुर के ग्राम गुरियादामर मलय नदी घाट पर भगवान सूर्य देव को उदयाचल अर्घ्य अर्पित किया। यह दिव्य क्षण श्रद्धा, भक्ति और लोकसंस्कृति की पवित्रता से ओतप्रोत रहा। उन्होंने मां छठी मइया से यही प्रार्थना किया कि देशवासियों और पांकी विधानसभा क्षेत्रवासियों के जीवन में सुख, समृद्धि, स्वास्थ्य और उजाला सदा बना रहे।

भगवान भास्कर सभी लोगों की मनोकामना पूरी करें : अरुणा शंकर

आजाद सिपाही संवाददाता

मेदिनीनगर। छठ महापर्व के अवसर पर प्रथम महापौर अरुणा शंकर कचरवा, अमानत, पंपूकल और कोयल रिवर फ्रंट घूम घूम कर हजारों छठ व्रतियों से मिलते हुए एक दूसरे को सिंदूर लगायी। प्रथम महापौर ने कहा कि भगवान भास्कर का यह पर्व साक्षात भगवान भास्कर से जुड़ने का पर्व है जहां सभी की मनोकामना पूरी होती है मैं भी इस पर्व में सूर्य देव से प्रार्थना करती हूं कि सभी निगम वासियों की मनोकामना को पूरी करें, भगवान शहर को सुख शांति और समृद्धि प्रदान करें यही मेरी आराधना है। प्रथम महापौर ने कई सामाजिक संगठनों द्वारा लगाये गये स्टॉल में जाकर सबों को बधाई दी और कहा कि व्रत करने वालों से ज्यादा फल ब्रतियों की सेवा में लगे लोगों को मिलता है।

चौड़ा पुल के पास नहर में डूबा युवक

हुसैनाबाद (आजाद सिपाही)। छठ पर्व के दौरान हुसैनाबाद क्षेत्र से एक और दर्दनाक हादसे की खबर सामने आयी है। सोमवार की शाम बिशुनपुर गांव के चौड़ा पुल के पास उत्तर कोयल मुख्य नहर में एक 15 वर्षीय युवक डूब गया। सूचना मिलते ही हुसैनाबाद अंचल अधिकारी पंकज कुमार, देवरी ओपी पुलिस एवं हुसैनाबाद थाना की टीम मौके पर पहुंच गयी और बचाव कार्य शुरू किया। जानकारी के अनुसार, डूबने वाले में 15 वर्षीय युवक नैतिक कुमार पिता अरबिंद चौहान गढ़वा जिला के परिहारा गांव का निवासी है। युवक हुसैनाबाद क्षेत्र के फातमाचक गांव में अपने ननिहाल आया हुआ था। घटना के वक्त युवक कुछ अन्य युवकों के साथ नहर पुल से कूदकर स्नान कर रहा था। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, नहाने के दौरान युवक तेज धार में बह गया।

देवघर के सारठ में कई अवैध आरा मिल हो रहे संचालित

आजाद सिपाही संवाददाता

देवघर। जिले के सारठ प्रखंड में इन दिनों पर्यावरण की खुलेआम धज्जियां उड़ाई जा रही हैं। प्रखंड के कई पंचायतों में अवैध आरा मिल संचालित हो रहे हैं, जो न केवल जंगलों को उजाड़ रहे हैं बल्कि सरकारी आदेशों की भी खुली अवहेलना कर रहे हैं।

जानकारी के अनुसार, सारठ प्रखंड के डिंडाकोली पंचायत के सरसा एवं नेयाडी गांव के साथ-साथ साधारिया पंचायत के सदरिया गांव के मोहम्मडन टोला में अवैध रूप से आरा मिल चल रहे हैं। इन आरा मिलों में आसपास के जंगलों से चोरी-छिपे पेड़ों की कटाई कर लकड़ियां लायी जा रही हैं। इससे क्षेत्र के पर्यावरण संतुलन पर गहरा असर पड़ रहा है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि आरा मिल संचालक खुलेआम दबंगई दिखाते हुए कहते हैं कि उन्हें ल्लबड़े सफेदपोशोंह्व का संरक्षण प्राप्त है। यही कारण है कि प्रशासनिक कार्रवाई से बेखौफ होकर ये लोग अपने अवैध कारोबार को बेधड़क चला रहे हैं। बताया जाता है कि इस गोरखधंधे में कुछ पदाधिकारी भी शामिल हैं, जिनकी मिलीभगत से आरा मिल मालिकों की जेबें भर रही हैं जबकि जंगल लगातार उजड़ रहे हैं। सरकार जहां हर साल करोड़ों रुपये 'वृक्ष लगाओ, वृक्ष बचाओ' अभियान पर खर्च कर रही है, वहीं जमीन पर उसकी नीतियां असफल साबित हो रही हैं। सारठ क्षेत्र के जंगलों में तेजी से पेड़ों की कटाई हो रही है, जिससे पर्यावरण असंतुलन, जलस्तर में गिरावट और जैव विविधता को भारी नुकसान पहुंच रहा है। स्थानीय लोगों ने मांग की है कि जिला प्रशासन अविलंब इन अवैध आरा मिलों की जांच कर कठोर कार्रवाई करे। अगर समय रहते इस पर रोक नहीं लगी, तो आने वाले वर्षों में इसका गंभीर पर्यावरणीय असर पूरे इलाके पर देखने को मिलेगा।

36 घंटे के निर्जला उपवास के बाद खोला व्रत

देवघर (आजाद सिपाही)। चार दिनों से मनाये जा रहे लोक आस्था के महापर्व छठ मंगलवार को उदीयमान सूर्य यानी उगते सूर्य को अर्घ्य अर्पित करने के साथ ही छठ महापर्व समापन हो गया। मंगलवार अहले सुबह चार बजे से ही मोहनपुर, रिखिया, बीचगढ़ा, डयालडीह, बरगछा, बराकोला, तुलसीवरण, बंका सहित जगह-जगह बनाये गये छठ घाटों पर श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी। यहां व्रतीयों ने श्रद्धा और आस्था के साथ भगवान भास्कर की उपासना की। घने कोहरे के बीच श्रद्धालुओं की आस्था नहीं डगी ओर व्रतीयों ने उगते सूर्य को अर्घ्य देकर परिवार की खुशहाली और समृद्धि की कामना की। यह पर्व अपनी अनूठी प्रकृति के लिए जाना जाता है। यहां ना तो पंडित होते हैं ना मंत्र की जाप। इसमें डूबते और उगते दोनों सूरज को प्रणाम किया जाता है। सभी जगह अर्घ्य अर्पित करने के दौरान मेला जैसा नजारा दिखा। छठी मइया के गीत गूंजते रहे।

छठ महापर्व हर्षोल्लास के साथ संपन्न

हुसैनाबाद (आजाद सिपाही)। लोक आस्था का महापर्व छठ को लेकर छठव्रतियों ने सोमवार को अस्तांचलगामी सूर्य को अर्घ्य दिया और मनवांक्षित फल की कामना की। हुसैनाबाद के जेपी चौक स्थित जपला छठ पोखरा, उत्तर कोयल नहर स्थित जमुहारी माई सूर्य मंदिर छठ घाट, गम्हरिया, उपरी, मिलनबांध, मोहम्मदाबाद, ब्लॉक रोड के पंच मंदिर सरोवर छठ घाट, देवरी खुर्द, देवरी कला, कुशुआ, विशुनपुर नहर पुल पर व दंगवार के सोन नदी छठ घाट समेत अन्य जलाशयों पर छठ व्रतधारियों ने पूरी नेम निष्ठा के साथ विधिवत भगवान भुवन भास्कर को अर्घ्य दिया। साथ ही सुख-शांति व समृद्धि की कामना की। इस दौरान छठ गीतों से छठ घाट पूरा गुलजार रहा। वहीं बजरंग दल, आरएसएस,विश्व हिन्दू परिषद, आरएसजी ,जीटेन ग्रुप,यूथ क्लब सहित विभिन्न संस्थाओं के द्वारा छठ व्रतधारी को आम की लकड़ी, दूध व अन्य पूजन सामग्री उपलब्ध कराने में सहयोग किया। जहां भक्तिमय वातावरण में मंगलवार को उदीयमान सूर्य को अर्घ्य देने के बाद चारदिवसीय छठ महापर्व का यह अनुष्ठान शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हो गया। इस मौके पर एसडीपीओ एस मोहम्मद याकूब, महिला थाना प्रभारी पार्वती कुमारी सहित सभी छठघाटों पर पुलिस बल के जवान व मजिस्ट्रेट तैनात थे।

प्रिंस सिंह ने भक्ति जागरण का किया उद्घाटन

पांकी / पलामू (आजाद सिपाही)। लोक आस्था महापर्व छठ पूजा के अवसर पर मंगलवार को पांकी प्रखंड के ग्राम नवडीहा मे भव्य भक्ति जागरण का आयोजन किया गया। जिसका उद्घाटन मुख्य अतिथि समाजसेवी अविनाश सिंह उर्फ प्रिंस सिंह ने किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रिंस सिंह ने कहा की इस तरह के कार्यक्रम का आयोजन करना बहुत बेहतर कार्य है। उन्होंने कहा की मैं नेता नहीं हूं इसी गांव के मिट्टी का बेटा हूं, कहा की कमेटी के सदस्यों ने जो मुझे स्नेह और प्यार दिया उसे कभी भुलाया नहीं जा सकता। उन्होंने इस तरह की आयोजन पर शेरे हिंदुस्तानी नवयुवक संघ को बधाई दी।

महिला से कान की बाली और अंगूठी की छिनतइ

मधुपुर (आजाद सिपाही)। मधुपुर के कुंडो-बांग्ला रोड पर सोमवार को एक महिला अंजु देवी से 2 और 3 की संख्या में बदमाशों ने उसके कान की बाली और अंगूठी झपटकर ले लिए। पीड़िता के अनुसार दो आभूषण सोने के हैं और एक अंगुठी हिरे की बताया जाता है जिसका अनुमानित कीमत लगभग 10 लाख है। घटना के तुरंत बाद इलाके में खलबली मच गयी और लोग घटनास्थल पर जमा हो गये। घटना के बारे में मिली जानकारी के अनुसार महिला कुंडो बांग्ला स्थित मंदिर से पुजा कर अपने घर जा रही थी। तभी बदमाशों ने सामने से केमिकल स्प्रे मारकर आभूषण छीन लिये और किसी वाहन भीड़ का फायदा उठाकर तुरंत फरार हो गये। घटना स्थल के आस-पास मौजूद लोगों ने पुलिस को सूचना दी। मौके पर पुलिस पहुंच कर छानबीन शुरू कर दी है।

छठ महापर्व पर अविनाश देव ने किया घाटों और क्लबों का दौरा

आजाद सिपाही संवाददाता

मेदिनीनगर। लोक आस्था और सामाजिक एक जुटता के महापर्व छठ के अवसर पर संत मरियम स्कूल के चेयरमैन सह समाजसेवी अविनाश देव ने सोमवार को जिले के विभिन्न छठ घाटों और सामाजिक संगठनों का दौरा किया। उन्होंने आयोजन में जुटे युवा क्लबों एवं समितियों के सदस्यों से मुलाकात की और उन्हें शुभकामनाएं दीं। अविनाश देव ने मारवाड़ी युवा मंच, अखिल भारतवर्षीय चंद्रवंशी क्षत्रिय महासभा, सिटी न्यूज झारखंड, छात्र कमेटी, एजीपीओ पब्लिक स्कूल चैनपुर सहित कई अन्य समितियों द्वारा लगाये गये शिविरों का निरीक्षण किया। इन शिविरों में घाटों की साफ-सफाई, प्रकाश व्यवस्था और व्रतियों की सुविधा सुनिश्चित करने के लिए किए जा रहे प्रयासों की उन्होंने सराहना की। उन्होंने चैनपुर स्थित शिवा घाट पर आयोजित भव्य गंगा आरती में भी हिस्सा लिया और खुला मंच व्हाट्सएप समूह के सदस्यों के साथ मिलकर व्रतियों के बीच फल वितरण किया। अविनाश देव ने कहा कि युवाओं की निःस्वार्थ सेवा भावना के कारण ही यह महापर्व हर वर्ष भव्यता और शुद्धता के साथ संपन्न होता है। उन्होंने व्रतियों से व्यक्तिगत रूप से मुलाकात कर उनका आशीर्वाद लिया और उन्हें पर्व की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि छठ केवल आस्था का नहीं, बल्कि शुद्धता, पवित्रता और सामाजिक समरसता का प्रतीक है। सेवा से बड़ा कोई धर्म नहीं है, और यही कारण है कि मैं हर वर्ष इस अवसर पर व्रतियों की सेवा में उपस्थित रहता हूं।

अरुणा शंकर ने भाई-बहन की सड़क दुर्घटना में मौत पर जताया शोक

मेदिनीनगर (आजाद सिपाही)। प्रथम महापौर अरुणा शंकर सुदना निवासी मेहता परिवार में कल हुए मोटरसाइकिल से दुर्घटना में हुई भाई बहन की मौत की खबर सुनकर स्वयं पोस्टमार्टम हाउस गई जहां पोस्टमार्टम हो चुका था उसके बाद शरीर दोनों का वही रखा हुआ था। प्रथम महापौर ने वहां पहुंचकर अपनी संवेदना प्रकट की फिर घाट पहुंच कर पूरे परिवार को सांत्वना दी। प्रथम महापौर ने बताया कि उदित महतो के पुत्र हेमंत कुमार और पुत्री सतवंती देवी छठ में अपनी बहन के यहां बेलहा गांव जा रहे थे उसी क्रम में मोटरसाइकिल से धक्का लगकर दोनों भाई बहन की दर्दनाक मौत हो गयी। प्रथम महापौर ने कहा कि यह घटना बहुत दुखद है छठ के दिन ऐसी घटना को भूलाया नहीं जा सकता है। मैं इस दुख की घड़ी में मेहता परिवार के साथ खड़ी हूं भगवान उनके परिवार को दुख सहने की शक्ति दे। प्रथम महापौर ने कहा कि इधर रोड़ दुर्घटनाएं बड़ी है कम उम्र के बच्चे मोटरसाइकिल लेकर काफी स्पीड में चल रहे हैं और इस पर लगाम लगना चाहिए अन्यथा ऐसी घटनाएं होती रहेगी।

आरपीएफ ने मोबाइल चोर को पकड़ा

मधुपुर (आजाद सिपाही)। ऑपरेशन यात्री सुरक्षा के तहत जामताड़ा आरपीएफ ने कुछ ही घंटों में चोरी हुआ मोबाइल बरामद किया। घटना के संबंध में बताया जाता है कि हटिया पाटलिपुत्र एक्सप्रेस से सफर कर रहे रेल यात्री हर्षवर्धन का मोबाइल विद्यासागर रेलवे स्टेशन के पास अज्ञात चोर के द्वारा चार्जिंग पॉइंट से चोरी कर लिया गया जिसकी शिकायत यात्री हर्षवर्धन के द्वारा आरपीएफ हेल्प नंबर 139 पर कॉल कर जानकारी दी थी। आरपीएफ पोस्ट जामताड़ा के एएसआइ समसुल अंसारी, हैड कांस्टेबल मोहम्मद असलम एवं कांस्टेबल प्रकाश मंडल के द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए घटना में शामिल अपराधी मोबाइल चोर तौसीफ अंसारी साकीन बड़ा नारायणपुर थाना मधुपुर के पास से रेल यात्री हर्षवर्धन का चोरी किया गया मोबाइल बरामद कर मधुपुर रेल थाना को सुपुर्द कर दिया गया। फिलहाल आरपीएफ ने आवश्यक कागजी कार्रवाई पूरी करने के बाद मधुपुर रेल पुलिस के हवाले कर दिया गया। वहीं उन्होंने बताया कि प्राथमिक दर्ज कर अग्रसर कार्रवाई की जा रही है। थाना प्रभारी कार्तिक महतो ने बताया कि यात्रियों की सुरक्षा के लिए स्टेशन परिसर और ट्रेनों में लगातार सघन जांच एवं गश्ती अभियान चलाया जा रहा है। साथ ही यात्रियों से अपील की गयी है कि वे अपने सामान की सुरक्षा स्वयं सुनिश्चित करें और किसी भी संदिग्ध व्यक्ति की सूचना तुरंत रेलवे पुलिस को दें।

पुलिस परिवार, समाजसेवियों और कई समितियों ने पूजन सामग्री का किया वितरण

आजाद सिपाही संवाददाता

हरिहरगंज/ पलामू। सूर्य उपासना और लोक आस्था के चार दिवसीय महापर्व छठ पूजा मंगलवार की सुबह भगवान भास्कर की छठ व्रतियों ने अर्घ्य अर्पित कर संपन्न किया। इस पावन अवसर पर सोमवार को पुलिस निरीक्षक सह थाना प्रभारी चंदन कुमार एवं समस्त पुलिस परिवार, समाजसेवियों और कई समितियों द्वारा पूजन सामग्री एवं फल वितरण किया गया। इस दौरान हरिहरगंज थाना गेट के पास सब इंस्पेक्टर संतोष कुमार के नेतृत्व में पुलिस परिवार ने पूजन सामग्री एवं विभिन्न प्रकार के फल वितरित किये गये। सब्जी मंडी स्थित समाजसेवी राजीव रंजन, थाना रोड सियरभूका मोड़ पर मुखिया सरोज प्रसाद कुशवाहा, बेलौदार मोड़ पर सपा नेता कमलेश कुमार यादव और कई समितियों ने स्टॉल लगाकर छठ व्रतियों के बीच पूजन सामग्री और कई प्रकार के फल वितरण किया।

इस अवसर पर बबलु कुमार, लालदीप कुमार, राहुल कुमार, राजा कुमार, प्रिंस कुमार, राणा कुमार, अमित कुमार, अरुण कुमार, सुबोध कुमार, मनोज कुमार, अक्षय कुमार, रोहित कुमार, विवेक विश्वकर्मा, पवन कुमार यादव, अखिलेश यादव, पंकज मेहता, राजू पासवान, राकेश मेहता, राजू कुमार, सोनू कुमार, विकास कुमार, सुरज पासवान, मृत्युंजय कुमार सिंह, संजय जयसवाल, अजय कुमार सिंह, अखिलेश मेहता, पूर्व प्रमुख शंभू यादव, छोटू कुमार, बलराम ठाकुर, दिनेश पासवान, राजेश रंजन मिश्रा उर्फ टटूं मिश्रा, कामदेव शर्मा, डॉ लक्ष्मण मेहता, बसंत मेहता, मिथलेश मेहता, मो असलम, रविकांत मेहता, सुरेश कुमार सिंह, मित्र अशोक मेहता, राजकुमार मेहता, बैजनाथ मेहता वार्ड अशोक मेहता, समीम अंसारी, कामता मेहता, काशी मेहता, महावीर मेहता शामिल थे।

विभिन्न घाटों पर छठ व्रतियों ने डूबते सूर्य को दिया अर्घ्य

आजाद सिपाही संवाददाता

गुमला। लोक आस्था का महापर्व गुमला जिले में धूमधाम और हर्षोल्लास के साथ मनाया जा रहा है। सोमवार की शाम 5 बजे सिसई रोड स्थित छठ तालाब मुरली बगीचा वन तालाब खटवा नदी अरमई तालाब नागफेनी नदी व विभिन्न जलाशयों में छठ व्रतियों ने डूबते सूर्य को अर्घ्य दिया। पैरों के मध्य नजर जिला प्रशासन की ओर से सभी छठ घाट हो वह जिला सहयोग में सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किये गये थे तालाबों में गोताखोरों को तैनात किया गया था साथी पुलिस सुरक्षा व्यवस्थाओं को लेकर पूरे शहर में गस्ती कर रही थी। इस बीच लोगों की भारी भीड़ देखी गयी भीड़ को देखते हुए यातायात व्यवस्था को नियंत्रित करने को लेकर शहर के सभी प्रमुख मार्गों में पुलिस बल तैनात किये गये थे। सभी पूजा स्थानों पर लाइटिंग की व्यवस्था की गयी है। पूरा शहर छठ मैया के गानों से भक्तिमय हो गया। अरमई तालाब में भी लोगों की भारी भीड़ देखी गई जहां तालाब के बगल में स्थित मंदिर में जो व्रती माताओं ने सामूहिक रूप से पूजा किया। शहर के सिसई रोड स्थित छठ तालाब में भगवान सूर्य की प्रतिमा बनाई गई है। तालाब के बीच में बना प्रतिमा लोगों को आकर्षित कर रहा है। मंगलवार की सुबह उगते सूर्य को अर्घ्य देने के साथ ही छठ पर्व समाप्त हो जायेगा।

शांतिपूर्ण और भक्तिमय वातावरण में छठ महापर्व संपन्न

चैनपुर(आजाद सिपाही)। श्रद्धा और कठिन तपस्या का प्रतीक लोक आस्था का महापर्व छठ पूजा मंगलवार की सुबह उदीयमान भगवान भास्कर को अंतिम अर्घ्य (अर्घ) प्रदान करने के साथ ही शांतिपूर्ण और भक्तिमय वातावरण में संपन्न हो गया। इस अवसर पर चैनपुर के सफी नदी छठ घाट पर श्रद्धालुओं का विशाल जनसैलाब उमड़ पड़ा, जो पर्व के प्रति अटूट आस्था को दर्शाता है। छठ पर्व, जो कि चार दिनों तक चलता है पवित्रता, संयम और कठोर व्रत के लिए जाना जाता है। इस दौरान व्रती लगातार 36 घंटे से अधिक समय तक निर्जला व्रत रखते हैं। पहले दिन (नहाय-खाय) व्रतियों ने पवित्र स्नान कर सात्विक भोजन ग्रहण किया और पर्व की शुरुआत की। दूसरे दिन (खरना) दिन भर उपवास रखकर शाम को गुड़ और चावल की खीर का प्रसाद ग्रहण किया गया, जिसके बाद से व्रतियों का कठिन निर्जला उपवास शुरू हो गया। तीसरे दिन (अस्तगामी सूर्य को अर्घ्य) सोमवार की शाम को सफी नदी घाट पर अस्ताचलगामी सूर्यदेव को पहला अर्घ्य दिया गया। इस दौरान सफी नदी छठ घाट पर हजारों की भीड़ जुटी जिसने भक्ति और दिव्यता का अद्भुत दृश्य प्रस्तुत किया। चौथे दिन यानि मंगलवार की भोर में जब चारों ओर अभी भी हल्की ठंड और अंधेरा था, व्रती अपने परिवार और पारंपरिक गीतों के साथ घाट पर पहुंचे। सूर्योदय होते ही उन्होंने जल में खड़े होकर छठी मईया और भगवान

भास्कर को अंतिम अर्घ्य दिया और विधिवत व्रत का पारण (समापन) किया। भक्तिमय माहौल में डूबा पूरा क्षेत्र चार दिनों तक पूरा चैनपुर क्षेत्र छठ महापर्व के रंगों में रंगा रहा। हर तरफ पारंपरिक छठ गीतों की गूंज सुनाई दे रही थी जिसने पूरे वातावरण को भक्ति और अध्यात्म से ओत-प्रोत कर दिया था। छठ व्रतियों के घर और घाट तक के रास्तों को विशेष रूप से साफ-सजाया गया था। इस दौरान छोटा नागपुरिया तेली उत्थान समाज के द्वारा छठ घाट पर लाइट, टेंट व छठ वर्तियों के लिए चेंजिंग रूम की व्यवस्था की गई थी। पर्व के दौरान छठ घाट पर आई भीड़ को देखते हुए, स्थानीय समाजसेवियों ने ठंड और सुबह के समय को ध्यान में रखते हुए श्रद्धालुओं और व्रतियों के लिए घाट पर गर्म चाय की व्यवस्था भी की गई थी जिससे लोगों को काफी सुविधा मिली। इस दौरान छठ घाट पर उमड़ी भारी भीड़ को नियंत्रित करने और किसी भी प्रकार की अव्यवस्था को रोकने के लिए पुलिस बल मुस्तैद रहा। चैनपुर थाना प्रभारी कृष्ण कुमार अपने दल-बल के साथ घाट पर मौजूद रहे और शांति व्यवस्था बनाए रखने के कार्य में जुटे रहे।

अर्घ्य अर्पित करने के लिए उमड़ी भीड़

घाघरा(आजाद सिपाही)। प्रखंड के विभिन्न छठ घाटों पर मंगलवार की सुबह छठव्रतियों ने विधि-विधान से उदयमान सूर्य को अर्घ्य अर्पित किया। श्रद्धा और आस्था के इस महापर्व पर घाटों पर भक्तिमय माहौल देखने को मिला। अर्घ्य के उपरांत छठव्रतियों ने भगवान सूर्य और छठ मैया की पूजा-अर्चना कर परिवार की सुख-समृद्धि की कामना की। पूजा के पश्चात श्रद्धालुओं ने सत्यनारायण भगवान की कथा सुनी और हवन कर पुण्य अर्जित किया। घाघरा मुख्यालय के छठ घाटों पर भक्तों की भारी भीड़ उमड़ी रही। महिलाओं ने पारंपरिक गीत गाकर माहौल को आध्यात्मिक बना दिया। इस अवसर पर घाघरा लंगोटिया दोस्त ग्रुप के सदस्यों की ओर से छठ घाट पर श्रद्धालुओं के लिए निःशुल्क चाय स्टॉल लगाया गया, जिससे आने-जाने वाले लोगों को काफी सुविधा हुई। वहीं प्रशासन और पूजा समिति की ओर से सुरक्षा व्यवस्था के पुख्ता इंतजाम किए गए थे। पुलिस जवानों ने घाटों पर निगरानी रखी ताकि कोई अप्रिय घटना न हो। इस प्रकार श्रद्धा, सुरक्षा और सेवा की भावना के साथ घाघरा प्रखंड में छठ महापर्व का समापन श्रद्धा और उल्लास के साथ हुआ।

छठ महापर्व की धूम, विभिन्न घाटों पर श्रद्धालुओं का सैलाब

(आजाद सिपाही)। लोक आस्था और सूर्योपासना का महापर्व छठ पूजा सिसई प्रखंड में भक्ति, पवित्रता और उत्साह के साथ संपन्न हुआ। सोमवार को सिसई प्रखंड अंतर्गत नागफेनी स्थित कोयल नदी तट पर हजारों की संख्या में छठव्रतियों और श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी। व्रतियों ने पारंपरिक तरीके से जल में खड़े होकर अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य दिया और भगवान सूर्य और छठी मैया से परिवार के सुख-समृद्धि की कामना की। इसके साथ ही कुदरा तालाब तथा बसिया रोड स्थित पारस नदी तट पर भी सैकड़ों की संख्या में छठव्रतियों ने पूजा-अर्चना की। घाटों पर आज मंगलवार सुबह से ही पूजा की तैयारियां शुरू हो गई थीं। महिलाओं ने गीत-भजन गाते हुए पूरे श्रद्धापूर्वक छठ विधि-विधान का पालन किया। बच्चों और युवाओं में भी उत्साह देखने को मिला। छठ घाटों की साफ-सफाई एवं सुरक्षा के लिए स्थानीय ग्रामीणों, स्वयंसेवकों और प्रशासन की ओर से विशेष प्रबंध किए गए थे। कई स्थानों पर घाटों की सजावट की गई थी और रोशनी की भी व्यवस्था की गई, जिससे श्रद्धालुओं को पूजा करने में किसी प्रकार की परेशानी न हो। इस दौरान आसपास के बाजारों में भी रौनक देखने को मिली। पूजा सामग्री, सूप-दौरा, फल-फूल और

प्रसाद के सामान की खरीदारी को लेकर दिनभर चहल-पहल रही। छठ गीतों की मधुर धुनें पूरे माहौल को भक्तिमय बनाती रहीं। मंगलवार को सुबह उदीयमान सूर्य को अर्घ्य के साथ छठ पर्व का समापन हुआ। स्थानीय लोगों ने कहा कि छठ पर्व हमारे समाज में आस्था, अनुशासन, शुद्धता और सामूहिकता का संदेश देता है। यह पर्व सदियों से हमारी सांस्कृतिक पहचान का प्रतीक है। अंत में व्रतियों और श्रद्धालुओं ने भगवान सूर्य एवं छठी मैया से वर्षभर परिवार की रक्षा, स्वास्थ्य और समृद्धि की कामना की।

गुमला में शांतिपूर्ण और भक्तिमय वातावरण में छठ महापर्व संपन्न

बिशुनपुर में छठ पूजा हर्षोल्लास के साथ संपन्न

बिशुनपुर (आजाद सिपाही)। प्रखंड में सूर्य उपासना का महापर्व छठ पूजा पूरे श्रद्धा और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस पावन अवसर पर सोमवार को व्रतियों ने चलअस्त गामी सूर्य को अर्घ्य अर्पित किया, वहीं मंगलवार की सुबह उदित होते सूर्य देव को अर्घ्य देने के साथ चार दिवसीय छठ व्रत का समापन हुआ। इस मौके पर प्रखंड के प्रमुख छठ घाट शिवालय तालाब सेरका, बनारी कोयल नदी, बानालात नदी, जोरी नदी, बड़का दोहर सहित अन्य जलाशयों पर भक्तों की भारी भीड़ उमड़ी। महिलाएं पारंपरिक वेशभूषा में सजे टोकरी और डाला लिए घाटों पर पहुंचीं। पूरा वातावरण छठ मइया के जयकारों से गूंज उठा। प्रशासन द्वारा घाटों पर सुरक्षा, साफ-सफाई और प्रकाश व्यवस्था की विशेष व्यवस्था की गयी थी। स्थानीय युवाओं और समाजसेवियों ने भी आयोजन को सफल बनाने में सक्रिय भूमिका निभाई। छठ पूजा के दौरान लोगों ने एक-दूसरे को शुभकामनाएं दीं और गांव-गांव में धार्मिक और सांस्कृतिक माहौल छाया रहा। इस प्रकार बिशुनपुर प्रखंड में छठ पर्व श्रद्धा, आस्था और भक्ति के संग एकता का संदेश देते हुए सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

श्रद्धालुओं ने घाट पर भगवान भास्कर को दिया अर्घ्य

कामडारा (आजाद सिपाही)। कामडारा छठ पूजा को लेकर तालाब को काफी आकर्षक तरीके से सजाया गया था। अस्ताचलगामी और उदीयमान सूर्य को अर्घ्य देने के लिए कामडारा का बड़ा तालाब के चारों ओर व पोकला स्थित बरदा नाला के समीप जन सैलाब उमड़ पड़ा। छठ घाट में साउंड सिस्टम से छठ की पारंपरिक गीत बज रहे थे। जिसमें लोग भक्ति के रस में सराबोर होते रहे ।उधर छठव्रती कल आप में प्रवेश कर अस्ताचलगामी सूर्य देव की आराधना उपासना में लगे रहे और फिर अर्घ्य दिया। मंगलवार को उदीयमान भगवान दीनानाथ को उगने से पहले घंटों पानी में प्रवेश कर सूर्य देव का उगने का प्रतीक्षा कर आराधना करते रहे। सूर्य के उदय होने के साथ ही शंख,घंट के आवाज के मध्य व्रतियों और श्रद्धालुओं ने अर्घ्य अर्पित किया। पटाखों की आवाज से तालाब परिसर गुंजायमान रहा। छठ घाट में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर थाना प्रभारी शशि प्रकाश दल बल के साथ अलर्ट रहे। उसके अलावे दुर्गा पूजा समिति व बजरंग दल के सदस्यों का योगदान सराहनीय रहा। छठ पर्व पर कामडारा व पोकला में खास उत्साह का माहौल देखा गया

वर्ष 2023-24 में बना सामुदायिक शौचालय पड़ा है बंद, राहगीर परेशान

डुमरी (आजाद सिपाही)। सरकारी पैसे के दुरूपयोग होने का एक बड़ा नमूना है डुमरी बस स्टैंड में बना शौचालय। लाखों रुपये की लागत से निर्मित इस सामुदायिक सुलभ शौचालय को बनाया गया। बनाने के बाद तामझाम से उद्घाटन हुआ और फिर जरूरतमंदों को मुंह चिढ़ाने के लिए शौचालय के दरवाजे पर ताला लगा दिया गया। यह शौचालय वर्षों से आज तक बंद पड़ा है। हालांकि इस शौचालय की जरूरत बस स्टैंड में काफी शिद्दत से है लेकिन शौचालय होने के बावजूद इस पर ताला लटका रहना यह सरकारी राशि का दुरुपयोग है। यह शौचालय जिला परिषद कार्य एजेंसी के द्वारा निर्मित किया गया है। जिसमें 15वीं वित्त आयोग की राशि खर्च की गयी है। वर्ष 2023-24 में बना यह शौचालय अभी तक जरूरतमंदों के काम में नहीं लाया जा रहा है। डुमरी बस स्टैंड में शौचालय और हैंड वॉश निर्माण यूनिट के नाम से इस योजना को पारित किया गया है। वर्तमान में इस शौचालय की देखरेख कौन कर रहा है और इसमें लगे ताले की चाबी किसके पास है इसकी कोई आधिकारिक जानकारी बस स्टैंड के लोगों को नहीं है। प्रतिदिन डुमरी बस स्टैंड में 25 से 30 बसों का आवागमन होता है, और एक अनुमान के अनुसार 150 से 200 यात्री रोज डुमरी से आते जाते हैं। शौचालय नहीं होने के कारण स्थानीय नागरिकों और राहगीरों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। बसों से आने-जाने वाले यात्रियों के साथ-साथ स्थानीय ग्रामीणों को भी शौच के लिए इधर-उधर भटकना पड़ता है। स्थानीय लोगों ने बताया कि पुरुष तो किसी तरह खुले में शौच कर लेते हैं, लेकिन महिलाओं के लिए स्थिति बेहद दयनीय रहती है। अक्सर महिलाएं सार्वजनिक स्थानों पर असुविधा और असुरक्षा के कारण घंटों तक शौच के लिए प्रतीक्षा करने को मजबूर होती हैं। ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि शौचालय को अतिशीघ्र चालू कराया जाए। उनका कहना है कि जब सरकार खुले में शौचमुक्त भारत का दावा करती है, तो ऐसे शौचालयों का बंद रहना योजना की मंशा पर सवाल खड़े करता है। स्थानीय समाजसेवियों का कहना है कि यदि प्रशासन और पंचायत मिलकर इस सुलभ शौचालय का रखरखाव सुनिश्चित करें, तो यह आम जनता के लिए बड़ी राहत साबित होगा।

दो गुटों में मारपीट, दो घायल, दो गिरफ्तार

दो ट्रैक्टर अवैध साइज पत्थर गिरफ्तार, दो फरार

आजाद सिपाही संवाददाता

बसिया। बसिया थाना अंतर्गत किंदिरकेला के पतुरा गांव में दो गुटों में जमकर मारपीट हो गयी। जिसमें दो लोग घायल हो गये हैं। मारपीट करने के आरोप में महताब खान, शीतल इंदवार, सनाउल्लाह खान, धीरज गुड़िया के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज की गयी है। वहीं साका खान उर्फ सागर खान गंभीर रूप से घायल है। साका खान ने बताया कि वह और दो लोग कहीं जा रहे थे वहीं महताब खान, शीतल इंदवार, सनाउल्लाह खान, धीरज गुड़िया अचानक आये और कहा कि तुम लोग मेरी गाड़ी में ठोकर मार दिए हो उसको बनवाने के लिए 20 हजार रुपये दो। पैसे देने से इनकार करने पर इन चारों ने दोनों पर वार कर दिया। दोनों अपनी जान बचाने के लिए एक दुकान में घुसे। वहां भी पहुंच कर दोनों के साथ मारपीट की गई। इस मार पीट से नाराज ग्रामीण काफी आक्रोशित हुए।

अवैध उत्खनन पर रोक लगाने की मांग : ग्रामीण बताया कि मारपीट करने वालों के अवैध पत्थर उत्खनन का कारोबार चलता है। अवैध उत्खनन करने वाले के द्वारा जब मारपीट की गयी तो ग्रामीणों ने पत्थर से लदे दो ट्रैक्टर को पकड़ लिया और बसिया थाना प्रभारी को बुलाकर उनके हवाले कर दिया। साथ ही ग्रामीणों ने कहा कि अवैध उत्खनन पर रोक लगायी जाये और अवैध उत्खनन करने वालों पर कानूनी कार्रवाई की जाये।

चार आरोपियों में दो गिफ्तार दो फरार : थाना प्रभारी ने बताया कि मारपीट करने वालों में दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है गिरफ्तार लोगों में महताब खान, शीतल इंदवार के नाम शामिल हैं। वहीं सनाउल्लाह खान और धीरज गुड़िया फरार बताये जा रहे हैं। लेकिन अभी तक उक्त जब्त पत्थर और उक्त ट्रैक्टर पर केस दर्ज करने की कोई सूचना नहीं है। अंचल अधिकारी से संपर्क करने पर उनका मोबाइल स्विच ऑफ था।

सरना धर्म महासम्मेलन और प्रार्थना सभा की तैयारी पूरी, आज होगा भव्य आयोजन

मुख्य अतिथि होंगे मंत्री चमरा लिंडा, सरना धर्मावलंबियों में दिखा उत्साह

आजाद सिपाही संवाददाता

गुमला। स्व. कार्तिक उरांव की जयंती के अवसर पर इस वर्ष भी सरना धर्म महासम्मेलन सह प्रार्थना सभा का भव्य आयोजन किया जा रहा है। यह कार्यक्रम 29 अक्टूबर 2025, दिन बुधवार को सरना झंडा पूजा स्थल (के.ओ. कॉलेज के पास) गुमला में आयोजित होगा। आयोजन की सभी तैयारियां पूरी कर ली गयी हैं। इस अवसर पर धार्मिक और सांस्कृतिक कार्यक्रमों की विशेष श्रृंखला होगी। सुबह 8 बजे पूजा और झंडा स्थापना, 8:30 बजे कार्तिक उरांव महाविद्यालय परिसर में स्थित प्रतिमा पर माल्यार्पण और 11 बजे से सांस्कृतिक कार्यक्रम की शुरुआत होगी। कार्यक्रम का उद्घाटन पुग्गू के पहान-पूजार विजय मुंडा, सुकरु पुजार, बसंत पहान और झोरा पहान करेंगे। मुख्य अतिथि के रूप में झारखंड सरकार के अनुसूचित जाति, जनजाति और पिछड़ा वर्ग कल्याण मंत्री चमरा लिंडा उपस्थित रहेंगे। महासम्मेलन का उद्देश्य सरना धर्म के मूल तत्वों और आदिवासी समाज की एकता को सशक्त बनाना है। कार्यक्रम में सरना भजन प्रतियोगिता का आयोजन भी किया गया है, जिसमें केवल मांदर और झांझ का उपयोग मान्य होगा। सामूहिक भजन गाये जायेंगे और गीत कुड़ुख या मुंडारी भाषा में होने चाहिए। विजेताओं के लिए आकर्षक पुरस्कार रखे गये हैं – प्रथम पुरस्कार 1,00,001, द्वितीय 51,000, तृतीय 26,000 और अन्य विजेताओं को क्रमशः 10,000 तक के पुरस्कार दिये जायेंगे। इसके अलावा आदिवासी वीर योद्धाओं बुद्ध भगत, तेलंगा खड़िया, जतरा टाना भगत और कार्तिक उरांव के जीवन पर आधारित नाटिका प्रतियोगिता भी होगी, जिसमें प्रथम पुरस्कार 25,000, द्वितीय 15,000 और तृतीय 10,000 रखा गया है। सरना धर्म प्रार्थना सभा जिला समिति गुमला के अध्यक्ष छोटेया उरांव ने बताया कि धर्म ही समाज की आत्मा है। धर्म से समाज में एकजुटता, प्रेम और अनुशासन आता है। सरना धर्म के सिद्धांतों के प्रचार-प्रसार के लिए यह सम्मेलन महत्वपूर्ण भूमिका निभायेगा। इस आयोजन के माध्यम से युवाओं में अपनी संस्कृति और परंपरा के प्रति सम्मान की भावना और भी प्रबल होगी। वहीं उपाध्यक्ष आह्लाद उरांव ने कहा कि सरना धर्म समाज को नशामुक्त, शिक्षित और संगठित बनाने की दिशा में कार्य करता है। भजन और नाटिका प्रतियोगिता के माध्यम से हम नई पीढ़ी को अपनी संस्कृति से जोड़ने का प्रयास कर रहे हैं। कार्यक्रम की सभी तैयारियां पूरी कर ली गयी हैं और गुमला सहित आसपास के जिलों के लोग इसमें भाग लेंगे। कार्यक्रम का समापन 30 अक्टूबर की सुबह 7 बजे प्रार्थना सभा के साथ किया जायेगा। आयोजन को लेकर सरना धर्मावलंबियों में उत्साह का माहौल है।

जंगली हाथी ने तोड़ी चहारदीवारी

घाघरा (आजाद सिपाही)। प्रखंड के सरईडीह गांव में जंगली हाथी ने बीरबल भगत के घर की चारदीवारी तोड़ दी। इस संबंध में पीड़ित बीरबल भगत ने बताया कि सोमवार और मंगलवार की मध्यरात्रि में हाथी ने उनके घर की चारदीवारी को नुकसान पहुंचाया। घटना की जानकारी मिलने पर ग्रामीणों ने शोर मचाया, जिसके बाद हाथी वहां से भाग गया। ग्रामीणों ने हाथी का पीछा करते हुए उसे तूसगांव स्थित पतरा इलाके तक खदेड़ दिया। समाचार लिखे जाने तक हाथी पतरा में ही मौजूद था। वहीं पीड़ित बीरबल भगत ने वन विभाग के अधिकारियों से मुआवजा देने की मांग की

सड़क दुर्घटना में व्यक्ति की हुई मौत

गुमला (आजाद सिपाही)। रायडीह थाना क्षेत्र के छतरपुर मांझा टोली निवासी 40 वर्षीय शिवा प्रसाद साहू की मौत अज्ञात वाहन के टक्कर से हो गयी। सदर अस्पताल में पोस्टमार्टम के उपरांत शव परिजनों को सौंप दिया गया। प्राप्त जानकारी के मुताबिक सोमवार की देर रात 11:30 बजे व्यक्ति शौच करने अपने घर के बाहर सड़क की ओर निकला था। इसी बीच अज्ञात वाहन उसे टक्कर मारते हुए घटनास्थल से फरार हो गया। घटना स्थल पर ही उसकी मौत हो गयी। सुबह जब परिजन और आसपास के लोगों ने सड़क पर शव देखा तो इसकी सूचना रायडीह पुलिस को दी। रायडीह पुलिस ने शव को कब्जे में लेते हुए पोस्टमार्टम हेतु सदर अस्पताल भेज दिया। मृतक के छोटे भाई सुरेश प्रसाद साहू ने रायडीह थाना में अज्ञात वाहन के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई है। प्राथमिकी दर्ज होते ही पुलिस आगे की जांच पड़ताल में जुट गयी है।

सड़क दुर्घटना में युवक की हुई मौत

गुमला (आजाद सिपाही)। रांची नेशनल हाईवे स्थित नागफेनी के समीप सोमवार की रात अज्ञात वाहन की टक्कर से पुसो थाना क्षेत्र अंतर्गत दर्री गांव निवासी 18 वर्षीय अखिलेश भगत की मौत हो गयी। मंगलवार की दोपहर 12 बजे सदर अस्पताल में शव का पोस्टमार्टम कर परिजनों को सौंप दिया गया। प्राप्त जानकारी के मुताबिक युवक सोमवार को बाइक से गुमला आया था। रात में वापस अपने गांव लौट रहा था तभी एक अज्ञात वाहन टक्कर मारते हुए घटनास्थल से फरार हो गया। परिजन उसे रेफरल अस्पताल सिसई से ले गये जहां इलाज के क्रम में उसकी मौत हो गयी। मृतक के दादा नरेश भगत ने सिसई थाना में अज्ञात वाहन के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कराई है पुलिस मामले की जांच पड़ताल में जुट गयी है।

सड़क दुर्घटना में दो बच्चे सहित छह घायल

गुमला (आजाद सिपाही)। शहर के गुमला करमटोली रोड स्थित श्री कृष्णा छात्रावास के पास तेज रफ्तार बाइक सवार ने ऑटो को जोरदार टक्कर मार दिया। घटना में ऑटो में सवार दो बच्चे सहित पांच लोग घायल हो गये जबकि बाइक चालक भी सड़क पर गिरकर घायल हो गया। घायलों में कोल्दा निवासी 28 वर्षीय आलम लकड़ा, डुमरी निवासी 40 वर्षीय ब्लमदीना कुजूर,ऊपर डुमरी निवासी 32 वर्षीय मंजू लकड़ा, ऊपर डुमरी निवासी 2 वर्षीय एलीना कुजूर और 4 वर्षीय अमोदी लकड़ा शामिल है जबकि लांजी निवासी 19 वर्षीय बाइक सवार कारण मुंडा भी सड़क पर गिरकर घायल हो गया। घटना की सूचना पर गुमला थाना के एस आइ सुजीत कुमार घटना स्थल पहुंचकर सभी घायलों को सदर अस्पताल पहुंचाया। जहां सभी घायलों का इलाज चल रहा है। प्राप्त जानकारी के मुताबिक मंगलवार की सुबह 11 बजे एक ऑटो में सवार होकर कुछ लोग साप्ताहिक बाजार करने गुमला पहुंचे और ऑटो से उतरने लगे। तभी तेज रफ्तार बाइक सवार जो करम टोली की ओर जा रहा था ऑटो को टक्कर मार दिया।

बोरागढ़ में दो घरों से लाखों की चोरी

आजाद सिपाही संवाददाता

झरिया/ जोड़ापोखर। बोरागढ़ ओपी क्षेत्र से महज 100 गज की दूरी पर स्थित स्टाफ कॉलोनी में मंगलवार तड़के चोरों ने दो घरों को निशाना बनाया। चोरों ने ताला तोड़कर दोनों घरों की अलमारियों से लाखों रुपये की संपत्ति चुरा ली और फरार हो गये। इस घटना की करतूत कॉलोनी में लगे सीसीटीवी फुटेज में कैद हो गयी है। पीड़ितों ने बोरागढ़ ओपी पुलिस को इसकी सूचना दी है। बोरागढ़ स्टाफ कॉलोनी निवासी प्रबीन सिंह ने बताया कि छठ पूजा के कारण मंगलवार सुबह पूरा परिवार तालाब गया था। सुबह करीब 5 बजे पूजा का सामान लेने घर लौटने पर देखा कि दरवाजे का ताला टूटा हुआ है और घर बिखरा पड़ा है। अलमारी से सोने की चेन, सोने की कान की बाली, चांदी की पायल सहित अन्य कीमती सामान चोरी हो गया, जिसकी अनुमानित कीमत 2 से 2.5 लाख रुपये है।

इसी तरह, पड़ोस में रहने वाले अमरजीत सिंह के घर में भी चोरों ने ताला तोड़कर अलमारी से सोने की चेन, मंगलसूत्र, सोने की कान की बाली और चांदी की पायल चुरा ली। इस चोरी से करीब 2 लाख रुपये की संपत्ति का नुकसान हुआ है।

घटना के बाद कॉलोनी में हड़कंप मच गया है। बोरागढ़ स्टाफ कॉलोनी को सुरक्षित माना जाता है, क्योंकि यहां झरिया विधायक के परिजन भी रहते हैं। दोनों पीड़ित परिवारों ने पुलिस से चोरों का पता लगाने और चोरी का खुलासा करने की मांग की है।

बोरागढ़ ओपी प्रभारी निरंजन कुमार ने बताया कि पुलिस सीसीटीवी फुटेज की जांच कर रही है और जल्द ही चोरी का खुलासा कर लिया जायेगा।

चास में आइआरबी जवान की गोली मारकर हत्या

मुख्य हत्यारोपी फरार, दो लोगों को पुलिस ने हिरासत में लिया

आजाद सिपाही संवाददाता

बोकारो। चास थाना क्षेत्र के आदर्श कॉलोनी स्थित गाय घाट के समीप सोमवार को सांध्य अर्घ्य के बाद रात करीब 9 बजे मामूली विवाद में आइआरबी जवान अजय यादव की गोली मारकर हत्या कर दी गयी। अजय के पेट में तीन गोलियां लगी। मृतक यदुवंश नगर निवासी लक्ष्मी नारायण यादव के पुत्र थे और उनकी पदस्थापना गिरिडीह जिले में थी। छठ के अवसर पर छूट्टी लेकर अजय अपने घर आये थे।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, घटना देर शाम करीब नौ बजे की है। बताया जा रहा है कि अजय यादव उर्फ सोनू और बलराम तिवारी के बीच किसी बात को लेकर तू-तू, मैं-मैं हो गयी थी। विवाद के कुछ देर बाद बलराम तिवारी अपने कुछ साथियों के साथ गाय घाट स्थित शिव मंदिर के पास पहुंचा। सोनू अपने दोस्तों के साथ वहीं खड़े थे। इससे पहले कि सोनू कुछ समझ पाते, बलराम तिवारी ने पिस्टल निकाल कर उनपर तीन से चार राउंड फायरिंग कर दी। फायरिंग में सोनू को तीन गोलियां पेट में लगीं, जिससे वे गंभीर रूप से घायल हो गए। आनन-फानन में स्थानीय लोगों की मदद से उन्हें बोकारो जनरल अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

घटना की सूचना मिलते ही चास थाना पुलिस मौके पर पहुंची और पूरे क्षेत्र को घेराबंदी कर जांच शुरू कर दी। पुलिस ने घटनास्थल से कई साक्ष्य एकत्र किए हैं। पूछताछ के लिए दो लोगों को हिरासत में भी लिया गया है। हत्या की खबर फैलते ही इलाके में तनाव का माहौल बन गया। बड़ी संख्या में स्थानीय लोग बीजीएच पहुंचे। चास एसडीपीओ प्रवीण कुमार सिंह और चास थाना प्रभारी सुषमा कुमारी ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है। मुख्य आरोपी बलराम तिवारी और उसके सहयोगियों की तलाश में छापेमारी जारी है। जानकारी के अनुसार मुख्य आरोपी बलराम तिवारी का पूर्व में भी आपराधिक रिकॉर्ड रहा है। वह कई बार जेल जा चुका है। उसपर पूर्व में भी पुलिस जवान के उपर जानलेवा हमला करने का मामला दर्ज हैं।

वहीं, मंगलवार के सुबह होते ही लोगों ने चास के बाईपास रोड़ को घंटों जाम कर दिया। मृतक के परिजनों के साथ साथ झामुमो नेता मंटू यादव, शक्ति सेना प्रमुख प्रदीप बर्मन आदि ने जिला प्रशासन से न्याय और आरोपी को 48 घंटे के अंदर गिरफ्तार करने की मांग रखी। पुलिस के आश्वासन के बाद लोगों ने जाम को हटाया। पुलिस अधीक्षक हरविंदर सिंह ने दुख जाहिर करते हुए कहा कि एक जवान की हत्या हुई है, दोषी को किसी भी हाल में बख्शा नहीं जायेगा।

डिगवाडीह में मामूली विवाद में युवक ने कट्टा लहराया

आजाद सिपाही संवाददाता

जोड़ापोखर/ झरिया। जोड़ापोखर थाना क्षेत्र के डिगवाडीह 10 नंबर में बुधवार की शाम दो युवक कंबल खरीदने के दौरान पैसा को लेकर विवाद हो गया। विवाद इतना बढ़ गया कि एक युवक ने कट्टा हाथ में लेकर लहराया, जिसके बाद स्थानीय लोगों ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने दोनों युवकों को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। जांच में पता चला है कि कंबल खरीदने के बाद ऑनलाइन पेमेंट को लेकर विवाद हुआ था। पुलिस जांच कर रही है कि कट्टा असल है या एयरगन।

इस मामले में जोड़ापोखर थाना प्रभारी उदय कुमार गुप्ता ने जल्द मामले का खुलासा करने की बात कही है।

सिंदरी विधायक चंद्रदेव महतो ने भगवान भास्कर को दिया अर्घ्य

आजाद सिपाही संवाददाता

झरिया/ सिंदरी। सहरपुरा मार्केट में विधायक चंद्रदेव महतो ने छठ घाटों का भ्रमण किया। इस अवसर पर बाजार क्षेत्र में उत्साह का माहौल देखने को मिला। स्वागत समारोह के उपरांत विधायक श्री महतो छठ पर्व के अवसर पर विभिन्न छठ घाटों का दौरा करने पहुंचे। उन्होंने सहरपुरा से लेकर सिंदरी क्षेत्र तक के सभी प्रमुख घाटों का भ्रमण किया और वहां उपस्थित छठ व्रतियों से मुलाकात कर उन्हें शुभकामनाएं दीं।

मौके पर विधायक चंद्रदेव महतो ने कहा कि छठ महापर्व लोक आस्था का महान पर्व है, जो समाज में स्वच्छता, श्रद्धा और एकता का संदेश देता है। उन्होंने सभी व्रतियों एवं क्षेत्रवासियों को छठ पर्व की हार्दिक शुभकामनाएं दीं।

सूर्य देव को अर्घ्य देने के लिए सुबह से ही घाटों पर व्रतियों और श्रद्धालुओं की रही भीड़

आजाद सिपाही संवाददाता

बोकारो। चार दिवसीय लोक आस्था का महापर्व 'छठ' मंगलवार को उदीयमान भगवान भास्कर को अर्घ्य देने के साथ संपन्न हो गया। छठ व्रतियों ने विभिन्न घाटों पर उगते सूर्य की उपासना की। इसके साथ ही 36 घंटे का निर्जला उपवास भी खत्म हुआ। सूर्य देव को अर्घ्य देने के लिए व्रती एवं श्रद्धालु सुबह चार बजे से ही बड़ी संख्या में छठ घाटों पर पहुंचने लगे। भक्ति पूर्ण वातावरण में व्रती सूप दउरा लेकर नदी, तालाबों के पवित्र जल में अर्घ्य के लिए उतरे और जल में डुबकी लगाकर उगते हुए सूर्य को अर्घ्य दिया। साथ ही, अपने परिवार की सुख-समृद्धि, संतान की दीर्घायु और जीवन में ऊर्जा की कामना की। इस दौरान छठ के लोकगीतों से शहर का माहौल भक्तिमय बना रहा। जिला प्रशासन की ओर से विधि- व्यवस्था, जनसुरक्षा व यातायात की सुगमता को लेकर व्यापक इंतजाम किए गये थे।

छठ पर्व के बाद यात्रियों की वापसी के लिए चलायी जा रहीं विशेष ट्रेनें

आजाद सिपाही संवाददाता

बोकारो। छठ पर्व सम्पन्न होने के उपरांत मंगलवार से बिहार क्षेत्र से श्रद्धालुओं एवं यात्रियों की वापसी प्रारंभ हो गई है। छठ पूजा सम्पन्न होने के बाद बिहार से भारी संख्या में यात्री अपने-अपने कार्यस्थलों की ओर लौट रहे हैं। यात्रियों की इस अत्यधिक भीड़ को देखते हुए भारतीय रेलवे द्वारा उनकी यात्रा को सुरक्षित, सुगम एवं आरामदायक बनाने हेतु विशेष तैयारिया की गई हैं। आद्रा मंडल से होकर भुवनेश्वर, चारलापल्ली, गोंदिया, इतवारी, अजमेर, झांसी, दुर्ग आदि प्रमुख गंतव्यों के लिए अनेक विशेष ट्रेनें संचालित की जा रही हैं। इसी क्रम में 28 अक्टूबर को आद्रा मंडल के बोकारो स्टेशन से होकर भुवनेश्वर, अजमेर, संतरागाछी, कामाख्या एवं तिरुपति की ओर जाने वाली कई पूजा स्पेशल ट्रेनें गुजरेंगी। यात्रियों की सुविधा एवं सुरक्षा सुनिश्चित करने हेतु स्टेशन परिसरों में हेल्प डेस्क, सूचना केंद्र स्थापित किए गये हैं। भीड़ नियंत्रण एवं टिकट जांच की सुचारु व्यवस्था के लिए अतिरिक्त टीटीई स्टाफ की तैनाती की गयी है। साथ ही, यात्रियों की सुरक्षा हेतु आरपीएफ/ जीआरपी की विशेष तैनाती एवं बैरिकेडिंग व्यवस्था भी की गयी है। स्टेशन परिसरों में स्वच्छता, प्रकाश व्यवस्था, पेयजल, शौचालय एवं अन्य यात्री सुविधाओं पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

बीएसएल में सतर्कता जागरूकता सप्ताह शुरू

आजाद सिपाही संवाददाता

बोकारो। इस वर्ष 27 अक्टूबर से 02 नवंबर तक की अवधि सतर्कता जागरूकता सप्ताह के रूप में मनाई जा रही है। इस पृष्ठभूमि में बीएसएल के इस्पात भवन में 27 अक्टूबर को अधिशासी निदेशक (मानव संसाधन) राजश्री बनर्जी ने सतर्कता जागरूकता सप्ताह का उदघाटन किया। इस अवसर पर अधिशासी निदेशक (माइंस) विकास मनवटी, अधिशासी निदेशक (सामग्री प्रबंधन) सीआर मिश्रा, अधिशासी निदेशक (परियोजनाएं) अनीष सेनगुप्ता, अधिशासी निदेशक (ऑपरेशन) अनुप कुमार दत्त, अधिशासी निदेशक (चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएँ) डॉ बीबी करुणामय, मुख्य महाप्रबंधक (सतर्कता) एवं एसीवीओ, ज्ञानेश झा सहित मुख्य महाप्रबंधकगण एवं वरीय अधिशासी तथा कर्मचारीगण उपस्थित थे।

सतर्कता जागरूकता सप्ताह के शुभारम्भ पर सरदार वल्लभभाई पटेल को बीएसएल के वरीय अधिकारीयों के द्वारा पुष्पांजलि अर्पित किया गया। तदोपरांत कार्यक्रम में उपस्थित सभी को अधिशासी निदेशक (मानव संसाधन) राजश्री बनर्जी ने सत्यनिष्ठा की शपथ दिलायी। मुख्य महा प्रबंधक (सतर्कता) एवं एसीवीओ ज्ञानेश झा ने उपस्थित समूह को 'सतर्कता : हमारी साझा जिम्मेदारी' विषय पर सतर्कता विभाग के तत्वावधान में पूर्व में आयोजित तथा होने वाले कार्यक्रमों की जानकारी दी। उद्घाटन समारोह के दौरान भारत के राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति, प्रधान मंत्री, इस्पात मंत्री और सीवीसी के संदेश को पढ़ा गया।

अधिशासी निदेशक राजश्री बनर्जी ने अपने संबोधन में सभी को व्यावसायिक शिष्टाचार, कामकाज में नैतिकता और सत्यनिष्ठा के मूल्यों को अपनाने का सन्देश दिया। कार्यक्रम का संचालन एवं समापन पर धन्यवाद ज्ञापन श्रीमती चित्रा पराशर, वरीय प्रबंधक (सतर्कता) ने किया।

जीतपुर पुलिया में गिरने से युवक की मौत

झरिया (आजाद सिपाही)। जोड़ापोखर थाना क्षेत्र के नोनिकडीह बस्ती निवासी राजेंद्र महतो के 35 वर्षीय पुत्र दैनिक मजदूर आंनद महतो की मौत जीतपुर पुलिया में गिरने से हो गई। घटना सोमवार की है। सूचना पाकर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए धनबाद भेज दिया। बताया जाता है कि मृत आंनद शराब का सेवन करता था। जीतपुर जाने के क्रम में पुलिया पार करने के दौरान माड़ी गोदाम के समीप स्थित पुलिया में गिर गया। आसपास के लोगो ने उसे बाहर निकाल कर जामाडोबा अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सक ने मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौप दिया। उसका दाह संस्कार दामोदर घाट पर किया गया। पत्नी रीना देवी, पुत्र रोशन कुमार, पवन कुमार, नीलेश कुमार, भाई साजन महतो, बिनोद महतो, गंगाधर महतो का रो-रो कर बुरा हाल है।

उगते सूर्य को अर्घ्य देने के लिए हजारों लोग घाटों पर पहुंचे

आजाद सिपाही संवाददाता

महुदा/ मधुबन। बाघमारा की धरती आज भक्ति की सुनहरी चादर ओढ़े खड़ी थी। चारों ओर दीपों की झिलमिलाहट, रंग-बिरंगी लाइटों की रौनक, और श्रद्धालुओं की भीड़ – मानो पूरा नगर किसी दिव्य लोक में परिवर्तित हो गया हो। संध्या की लालिमा में जब डूबते सूर्य को व्रतियों ने अर्घ्य अर्पित किया, तो जल की हर लहर पर आस्था का प्रतिबिंब झिलमिलाने लगा। हर हाथ जोड़े, हर आँख नम्र – सूर्य देव के समक्ष समर्पण और कृतज्ञता की अद्भुत झलक थी। इस पावन अवसर पर क्षेत्र के विभिन्न छठ घाटों पर आस्था और श्रद्धा का अद्भुत नजारा देखने को मिला। डूबते सूर्य को अर्घ्य अर्पित करने के लिए हजारों की संख्या में श्रद्धालु घाटों पर पहुंचे थे। और अपने परिवार व समाज की सुख-समृद्धि की कामना की। लाइटों से सजे घाट ऐसे लग रहे थे जैसे धरती ने स्वयं को दुल्हन की भाँति श्रृंगारित कर लिया हो। हवा में घुला गंगाजल, फल-फूलों की सुगंध, और छठ माता की जय के गूंजते स्वर – हर ध्वनि, हर दृश्य भक्ति का सजीव प्रमाण था। बाघमारा क्षेत्र की शाम एवं सुबह आज केवल एक पर्व नहीं, बल्कि आस्था का उत्सव, प्रेम का प्रकाश और श्रद्धा का संगीत बन गयी। जहाँ दीपों ने सजावट की, वहीं मनों ने समर्पण का दीप जला दिया। इस तरह सोमवार को तमाम छठ घाटों में उगते सूर्य को अर्घ्य अर्पित करते ही आस्था, श्रद्धा और पवित्रता का महापर्व छठ संपन्न हुआ। नदी तटों पर गूंजे छठ मइया के गीत, भक्ति और समर्पण से सराबोर श्रद्धालुओं ने सूर्य देव से परिवार की सुख-समृद्धि की कामना की। आस्था का अद्भुत संगम बना छठ का अंतिम अर्घ्य। प्रशासन और स्थानीय समितियों द्वारा घाटों की सुरक्षा, स्वच्छता और रोशनी की विशेष व्यवस्था की गयी थी।

टू टैंक गार्डन स्थित छठ घाट पर डीसी ने दिया अर्घ्य

बोकारो (आजाद सिपाही)। बोकारो स्टील सिटी के सेक्टर 03 स्थित टू टैंक गार्डन में मंगलवार सुबह उपायुक्त (डीसी) अजय नाथ झा ने उगते हुए सूर्य को अर्घ्य अर्पित किया। प्रभात की पहली किरणों के साथ उन्होंने जिले की सुख-समृद्धि, शांति और समरसता के लिए प्रार्थना की। उपायुक्त ने कहा कि सूर्य हमें न केवल प्रकाश देता है, बल्कि परिश्रम, अनुशासन और निरंतरता का भी संदेश देता है। जिस तरह सूर्य हर दिन बिना थके उगता है, उसी भावना से हमें भी अपने जिले की प्रगति के लिए कार्य करना है।

डीसी ने ब्लड बैंकों/ सेंटरों का किया निरीक्षण

आजाद सिपाही संवाददाता

बोकारो। डीसी अजय नाथ झा ने मंगलवार को जिले में संचालित विभिन्न ब्लड बैंकों (सदर अस्पताल, रेड क्रास बोकारो, बोकारो जनरल अस्पताल एवं केएम मेमोरियल अस्पताल) का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने रक्त संग्रहण की प्रक्रिया, भंडारण क्षमता, रख-रखाव व्यवस्था, रक्त वितरण प्रणाली एवं सुरक्षा मानकों का अवलोकन किया। संबंधित अधिकारियों से रक्त की गुणवत्ता जांच के मानकों, कोल्ड चेन व्यवस्था, रिकॉर्ड प्रबंधन तथा ब्लड डोनर रजिस्ट्रेशन की अद्यतन स्थिति की जानकारी ली। इसी क्रम में रेड क्रास में अव्यवस्था देख तत्काल प्रभाव से डा. मैथिली को रेड क्रास का प्रभारी प्रतिनियुक्त किया। निरीक्षण के उपरांत गोपनीय स्थित कार्यालय कक्ष में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में सिविल सर्जन डॉ. ए. बी. प्रसाद, सदर अस्पताल उपाधीक्षक डा. एन पी सिंह, सहायक जनसंपर्क पदाधिकारी अविनाश कुमार सिंह, विभिन्न अस्पतालों के प्रतिनिधि, रेड क्रॉस के सचिव एवं अन्य संबंधित पदाधिकारी उपस्थित थे। डीसी ने निर्देश दिया कि सभी ब्लड बैंक अपने कार्य में निर्धारित मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करें। उन्होंने यह भी कहा कि अगले 5 दिनों में जिले के सभी ब्लड बैंकों का ऑडिट कराया जाए । उन्होंने रेड क्रॉस सोसाइटी, बोकारो को रक्त संग्रहण और वितरण प्रक्रिया को तकनीकी रूप से अधिक सक्षम एवं आधुनिक बनाने का निर्देश दिया। कहा कि रेड क्रॉस ब्लड बैंक/ सेंटर एवं सदर अस्पताल में एनएटी मशीन का शीघ्र अधिष्ठापन किया जाए। इस मशीन के माध्यम से रक्त की जांच और अधिक सटीक एवं सुरक्षित हो सकेगी। जब तक एनएटी मशीन का अधिष्ठापन नहीं होता, तब तक केवल ईएलआइएसए पद्धति से ही रक्त की जांच की जाए, ताकि रक्त की गुणवत्ता एवं सुरक्षा सुनिश्चित रह सके। साथ ही, उन्होंने कहा कि प्रोफेशनल डोनरों की पहचान कर उनकी सूची भी तैयार कर ब्लड बैंकों/ सेंटरों को रखने को कहा।

झरिया के ऐतिहासिक राजा तालाब समेत विभिन्न घाटों पर उमड़ा आस्था का सैलाब

आजाद सिपाही संवाददाता

झरिया। मंगलवार की अहले सुबह जैसे ही पूर्व दिशा में सूर्यदेव की लालिमा दिखाई दी, वैसे ही झरिया के ऐतिहासिक राजा तालाब सहित विभिन्न तालाबों व छठ घाटों पर खड़ी व्रती महिलाओं के चेहरे भक्ति और संतोष से दमक उठे। छठ महापर्व के अंतिम दिन उदीयमान सूर्य को अर्घ्य अर्पित कर छठ व्रती महिलाओं ने अपने परिवार की सुख-समृद्धि और कल्याण की कामना की। जल में खड़ी महिलाओं ने परंपरा अनुसार भगवान सूर्य को दूध, जल और प्रसाद चढ़ाया। छठ घाटों पर छठ मैया के गीत और जयकारों से पूरा वातावरण गुंजायमान रहा। श्रद्धालुओं की भीड़ सुबह से ही घाटों पर उमड़ पड़ी थी। महिलाएं साड़ी में सजी-धजी, सिर पर पूजा की टोकरी लिए जब घाटों की ओर बढ़ीं, तो दृश्य अत्यंत मनमोहक था। सूर्योदय के साथ ही व्रती महिलाओं ने अर्घ्य देकर अपने चार दिवसीय व्रत का समापन किया। इसके बाद श्रद्धालुओं ने माता छठ का प्रसाद ग्रहण किया और परिवार तथा समाज के कल्याण की कामना की। घाटों पर प्रसाद वितरण, बच्चों की हंसी और श्रद्धा के गीतों से माहौल भक्तिमय बन गया। इस दौरान ओल्ड सार्वजनिक छठ सेवा समिति ओर समाजसेवियों और स्वयंसेवी संगठनों ने श्रद्धालुओं को चाय, नाश्ता और जल वितरित कर सराहनीय सेवा कार्य किया। जगह-जगह नगर निकायों द्वारा सफाई, प्रकाश व्यवस्था और सुरक्षा की बेहतरीन व्यवस्था की गयी थी।

अयोध्या के श्रीराम मंदिर में 25 नवंबर को पीएम मोदी शिखर पर करेंगे ध्वजारोहण

सेना ने किया राम मंदिर में ध्वजारोहण का ट्रायल, दिसंबर तक पूरी तरह से खुल जायेगा परिसर

आजाद सिपाही संवाददाता

अयोध्या। अयोध्या स्थित राम मंदिर में 25 नवंबर को श्रद्धालुओं को दर्शन की अनुमति नहीं होगी। राम मंदिर निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्र ने बताया कि 25 नवंबर के कार्यक्रम के दौरान सिर्फ आमंत्रित लोगों को दर्शन का मौका मिलेगा। इसमें लगभग आठ हजार लोगों को आमंत्रित किया जायेगा। राम मंदिर निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्र ने मीडिया से बातचीत करते हुए कहा कि इस कार्यक्रम के समय मंदिर में श्रद्धालुओं को दर्शन की अनुमति नहीं होगी। सिर्फ आमंत्रित लोगों को ही भगवान के दर्शन का अवसर मिलेगा और लगभग 8,000 आमंत्रित लोगों के लिए व्यवस्था की जा रही है। उन्होंने बताया कि अगले दिन से श्रद्धालुओं को दर्शन की अनुमति दी जायेगी। नृपेंद्र मिश्र ने कहा, ₹क्या श्रद्धालु सभी क्षेत्रों में बिना सुरक्षा जांच के स्वतंत्र रूप से आ-जा सकेंगे, इस पर ट्रस्ट विचार कर रहा है। मेरा निरंतर प्रयास है कि यहां बनने वाली हर चीज श्रद्धालुओं को समर्पित हो। उन्होंने यह भी कहा कि हमारा पूरा प्रयास होगा कि इस साल के आखिर तक राम जन्मभूमि परिसर में सभी मंदिर खोल दिये जायें, वाटिकाएं खुल जायें और कुबेर टीला तक भी श्रद्धालु पहुंच सकें।

नृपेंद्र मिश्र ने बताया कि यह जरूरी है कि कुछ जगह पर सीमित संख्या में ही जाया जा सकता है। जैसे कुबेर टीला में श्रद्धालु सीमित संख्या में ही जा सकते हैं। मंदिर के प्रथम तल पर भी सीमित संख्या होगी। उन्होंने कहा कि ट्रस्ट पूरी तरह से हर जिम्मेदारी से काम में जुटा हुआ है। हमारी कोशिश है कि जल्दी से जल्दी काम पूरा करके श्रद्धालुओं के समक्ष जा सकें कि जो निर्माण कार्य हमें विश्वास के साथ दिया है, वह पूरा हो गया है। बता दें कि अयोध्या में 25 नवंबर को राम मंदिर के शिखर पर ध्वज फहराया जायेगा। इस कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी हिस्सा लेंगे। श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ने एक दिन पहले जानकारी दी कि प्रधानमंत्री मोदी 25 नवंबर को मंदिर के शिखर पर ध्वजारोहण करेंगे।

राम मंदिर भवन निर्माण समिति की बैठक में मंगलवार को ध्वजारोहण समारोह की तैयारी पर चर्चा की गयी। बैठक से पहले निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्र ने बताया कि ध्वजारोहण के लिए लगातार ट्रायल चल रहा है और आगे भी जारी रहेगा। सेना की टीम ट्रायल में लगी हुई है। सेना ने कुछ जरूरी राय दी है, जिसको क्रियान्वित किया जायेगा। ट्रस्ट इसमें कोई हस्तक्षेप नहीं करेगा। ध्वजारोहण के दौरान किसी भी तरीके की चूक न हो यह सुनिश्चित किया जा रहा है। पैराशूट का कपड़ा काफी मजबूत होता है, इसलिए इसी कपड़े से ध्वज के निर्माण की राय आयी है। सेना की टीम दो दिनों में रिपोर्ट बनाकर उन्हें सौंपेगी, जिसे वे पीएम मोदी को भेजेंगे।

उन्होंने कहा कि हमारा पूरा प्रयास होगा कि इस साल के आखिर तक राम जन्मभूमि परिसर में सभी मंदिर खोल दिए जाएं, वाटिकाएं खुल जायें और कुबेर टीला तक भी श्रद्धालु पहुंच सकें। यह जरूरी है कि कुछ जगहों पर सीमित संख्या में ही जाया जा सकता है। जैसे कुबेर टीला में श्रद्धालु सीमित संख्या में ही जा सकते हैं। मंदिर के प्रथम तल पर भी सीमित संख्या होगी। ट्रस्ट पूरी तरह से हर जिम्मेदारी से काम में जुटा हुआ है। हमारी कोशिश है कि जल्द से जल्द काम पूरा कर-के श्रद्धालुओं के समक्ष जा सकें कि जो निर्माण कार्य हमें विश्वास के साथ दिया है, वह पूरा हो गया है।

25 नवंबर को केवल मेहमानों को मिलेगा रामलला का दर्शन

नृपेंद्र मिश्र ने बताया कि 25 नवंबर के समारोह के दौरान सिर्फ आमंत्रित मेहमानों को दर्शन का मौका मिलेगा। इसमें लगभग आठ हजार लोगों को आमंत्रित किया जाएगा। कार्यक्रम के समय मंदिर में श्रद्धालुओं को दर्शन की अनुमति नहीं होगी। अगले दिन से श्रद्धालुओं को दर्शन की अनुमति दी जाएगी। मिश्र ने कहा, क्या श्रद्धालु सभी क्षेत्रों में बिना सुरक्षा जांच के स्वतंत्र रूप से आ-जा सकेंगे, इस पर ट्रस्ट विचार कर रहा है। मेरा निरंतर प्रयास है कि यहां बनने वाली हर चीज श्रद्धालुओं को समर्पित हो।

परकोटा का निर्माण पूरा, म्यूरल का काम भी अंतिम चरण में

नृपेंद्र मिश्र ने बताया कि परिसर के चारों ओर बन रहे 800 मीटर लंबे परकोटा का निर्माण का पूरा हो चुका है। रैंप बन कर तैयार हो गया है। इस दौरान चार से छह नये स्थान निकले हैं, जहां पर कांस्य के रामकथा आधारित म्यूरल लगाये जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि रेलिंग का काम भी चल रहा है। पांच नवंबर तक यह सभी काम भी पूरे हो जायेंगे।

उत्तरप्रदेश में 46 आइएएस अधिकारियों के तबादले

आजाद सिपाही संवाददाता

लखनऊ। यूपी में 46 अफसरों का तबादला किया गया है। इसमें आइएएस कृतिका ज्योत्सना को बस्ती का डीएम, वाराणसी के सीडीओ हिमांशु नागपाल को वाराणसी का नगर आयुक्त बनाया गया है। वाराणसी की एडीएम वंदिता श्रीवास्तव को कुशीनगर का सीडीओ बनाया गया है। रामपुर के सीडीओ नंद किशोर कलाल को गाजियाबाद का उपाध्यक्ष बनाया गया है। मिजार्पुर के आइएएस बाल कृष्ण त्रिपाठी को सचिवालय सामान्य प्रशासन बनाया गया है। उनकी जगह राजेश कुमार की नियुक्ति की गयी है।

सीतापुर के डीएम बने विशेष सचिव आबकारी : सीतापुर के जिलाधिकारी अभिषेक आनंद को विशेष सचिव आबकारी बनाया गया है। वहीं, सिद्धार्थ नगर के डीएम राजा गणपति आर को डीएम सीतापुर बनाया गया है। कौशांबी और बलरामपुर के भी जिलाधिकारी बदल गये हैं। दूसरी ओर राजेश कुमार को मिजार्पुर का नया मंडलायुक्त नियुक्त किया गया है। अन्य तबादलों में प्रखर सिंह को वाराणसी का मुख्य विकास अधिकारी (सीडीओ) बनाया गया है।

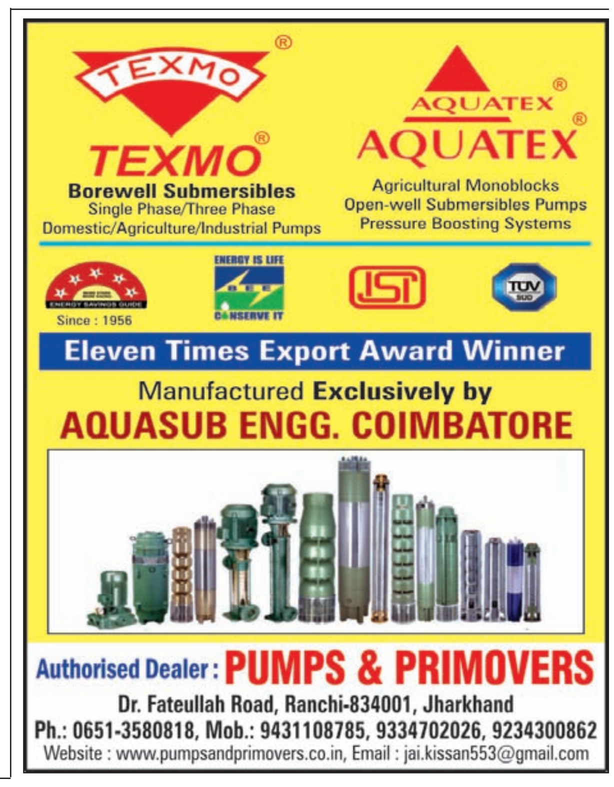

सोना 3,034 और चांदी 3,135 रुपये सस्ती

8 दिन में गोल्ड की कीमत 11,541 और चांदी की 27,334 रुपये कम हुई

आजाद सिपाही संवाददाता

नयी दिल्ली। सोने-चांदी के दाम में 28 अक्टूबर को भारी गिरावट रही। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के अनुसार 10 ग्राम सोने की कीमत 3,034 रुपये घट कर 1,18,043 पर आ गयी है। इससे पहले इसके दाम 1,21,077 रुपये प्रति 10 ग्राम थे। वहीं, चांदी 3,135 रुपये गिरकर ?1,41,896 प्रति किलोग्राम हो गयी। सोमवार को इसकी कीमत 1,45,031 प्रति किलोग्राम थी। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन की सोने की कीमतों में 3% जीएसटी, मेकिंग चार्ज और ज्वेलर्स मार्जिन शामिल नहीं होता। इसलिए शहरों के रेट्स इससे अलग होते हैं। इन रेट्स का इस्तेमाल आरबीआइ सोवरेन गोल्ड बॉन्ड के रेट तय करने के लिए करता है। कई बैंक गोल्ड लोन के रेट तय करने के लिए इसे इस्तेमाल करते हैं।

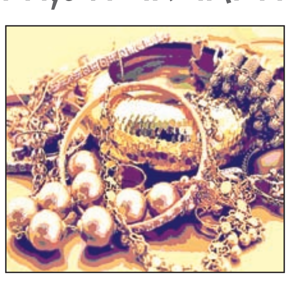

8 दिन में 11,541 रुपये सस्ता हुआ था सोना

सोने की कीमत पिछले 8 दिनों में 11,541 रुपये घटकर मंगलवार को 1,18,043 रुपये प्रति 10 ग्राम पर आ गयी है। 19 अक्टूबर को इसकी कीमत 1,29,584 रुपये के अपने अब तक के सबसे ऊंचे स्तर पर पहुंच गयी थी। वहीं चांदी 1,69,230 रुपये प्रति किलो से गिर कर 1,41,896 रुपये पर आ गयी है। ये 27,334 रुपये सस्ती हुई है।

सोना-चांदी के दाम में गिरावट के 3 कारण

भारत में सीजनल खरीदी का खत्म होना : दिवाली जैसे फेस्टिवल के बाद इंडिया में सोने-चांदी की खरीदारी का सिलसिला थम गया। इससे सोना-चांदी की डिमांड में कमी आई है। सोना-चांदी को 'सेफ-हेवन' माना जाता है, यानी मुश्किल वक्त में लोग इन्हें खरीदते हैं। ग्लोबल टेंशन के कम होने से इसमें गिरावट आयी है। रैली के बाद निवेशक प्रॉफिट बुक कर रहे हैं। टेक्निकल इंडिकेटर्स जैसे रिलेटिव स्ट्रेंथ इंडेक्स (आरएसआइ) दिखा रहे थे कि कीमतें ओवरबॉट (कीमतें ज्यादा बढ़ जाना) जोन में पहुंच चुकी थीं। इसलिए ट्रेंड फॉलोअर्स और डीलर्स ने बिकवाली शुरू कर दी है।

दिल्ली एयरपोर्ट के टर्मिनल-3 पर बस में अचानक लगी आग

- एअर इंडिया का विमान नजदीक खड़ा था, किसी के घायल होने की खबर नहीं

आजाद सिपाही संवाददाता

नयी दिल्ली। दिल्ली एयरपोर्ट के टर्मिनल-3 पर मंगलवार दोपहर एअर इंडिया के विमान से कुछ मीटर दूर खड़ी एक बस में अचानक आग लग गयी। यह बस एअर इंडिया रअळर एयरपोर्ट सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड की थी, जो कई एयरलाइंस के लिए ग्राउंड सर्विस देती है। आग लगने के समय बस में कोई यात्री मौजूद नहीं था। फिलहाल यह साफ नहीं हो सका है कि इस घटना में कोई घायल हुआ या नहीं। घटना का एक वीडियो भी सामने आया है। इसमें बस पूरी तरह आग की लपटों में घिरी दिखायी दे रही है। फायर ब्रिगेड की टीम ने मौके पर पहुंचकर आग पर काबू पा लिया है। घटना के बाद दिल्ली एयरपोर्ट मैनेजमेंट ने बयान जारी किया है। उन्होंने बताया- दोपहर करीब 12 बजे एक ग्राउंड हैंडलिंग कंपनी की बस में अचानक आग लग गई। एयरपोर्ट की फायर फाइटिंग टीम ने तुरंत कार्रवाई करते हुए कुछ ही मिनटों में आग पर काबू पा लिया। उस समय बस खड़ी हुई थी और उसमें कोई यात्री मौजूद नहीं था। सभी उड़ानों का संचालन सामान्य है।

हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड और रूसी कंपनी के बीच बड़ा समझौता

भारत में रूसी तकनीक से बनेगा सुखोई पैसेंजर प्लेन एसजे-100

आजाद सिपाही संवाददाता

नयी दिल्ली। भारत की एविएशन इंडस्ट्री के लिए ऐतिहासिक कदम उठाया गया है। हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) और रूस की यूनाइटेड एयरक्राफ्ट कॉरपोरेशन (पीजेएससी-यूएसी) ने सोमवार को मॉस्को में समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। इस समझौते के तहत दोनों देश मिलकर सुखोई एसजे-100 पैसेंजर एयरक्राफ्ट का निर्माण भारत में करेंगे। यह पहली बार होगा, जब भारत में किसी फुल पैसेंजर एयरक्राफ्ट का प्रोडक्शन किया जाएगा। इससे पहले ऐसा प्रोजेक्ट 1961 में शुरू हुए AVRO HS-748 विमान के साथ हुआ था, जो 1988 में बंद हो गया था।

एचएएल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर यह जानकारी देते हुए लिखा : एचएएल और रूस की पीजेएससी-यूएसी कंपनी ने 27 अक्टूबर 2025 को मॉस्को में एसजे-100 सिविल कम्यूटर एयरक्राफ्ट के निर्माण के लिए समझौता किया है। यह समझौता भारत के नागरिक उड्डयन इतिहास में एक नये अध्याय की शुरुआत है और 'आत्मनिर्भर भारत' की दिशा में अहम कदम है।

एसजे-100 का प्रोडक्शन भारत में शुरू होना न सिर्फ 'मेक इन इंडिया' को नयी उड़ान देगा, बल्कि देश को सिविल एविएशन के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में भी बड़ा कदम साबित होगा।

घरेलू यात्रियों के लिए बनेगा 'मेड इन इंडिया' प्लेन : इस समझौते के तहत एचएएल को भारत के घरेलू बाजार के लिए एसजे-100 बनाने का अधिकार मिलेगा। इसका मकसद सरकार की उड़ान योजना के तहत छोटी दूरी की हवाई कनेक्टिविटी को मजबूत करना है। विशेषज्ञों के मुताबिक अगले 10 साल में भारत को इस कैटेगरी के करीब 550 छोटे जेट विमान की जरूरत होगी, जिनमें से 200 क्षेत्रीय रूट्स के लिए और बाकी 350 भारतीय महासागर क्षेत्र एवं अंतरराष्ट्रीय टूरिस्ट रूट्स के लिए होंगे।

सुखोई एस-100 की खासियत

एसजे-100 एक ट्विन-इंजन, नैरो-बॉडी वाला शॉर्ट-हॉल जेट है, जो अभी 16 से ज्यादा एयरलाइन ऑपरेटरों के साथ उड़ान भर रहा है। अब तक दुनिया भर में 200 से अधिक एसजे-100 विमान बनाये जा चुके हैं। 103 यात्री की क्षमता, फ्लाइट रेंज 3,530 किलोमीटर, इंजन- ट्विन जेट इंजन, कंट्रोल सिस्टम- डिजिटल फ्लाई-बाय-वायर तकनीक, कॉकपिट- अत्याधुनिक कंट्रोल साइड स्टिक के साथ, सुविधा- विशाल ओवरहेड बिन्स, आरामदायक इंटीरियर, मुख्यधारा के जेट जैसी कम्फर्ट लेवल, सिक्योरिटी- एडवांस्ड एरोडायनामिक्स और आधुनिक टेक्नोलॉजी से लैस है।

आजाद सिपाही की ओर से स्वत्वाधिकारी लैंडस्केप मीडिया प्रा. लि., प्रकाशक एवं मुद्रक हरिनारायण सिंह के लिए 176 कोकर चौक, ओल्ड एचबी रोड, रांची 834001 (झारखंड) से प्रकाशित तथा डीबी प्रिंट सोल्यूशंस (ए यूनिट ऑफ डीबी कार्प लिमिटेड), प्लॉट नं. 535 एवं 1272, ललगुटवा, पुलिस स्टेशन, रातू, रांची, झारखंड से मुद्रित। **संस्थापक प्रधान संपादक :** स्व. हरिनारायण सिंह, **संपादक :** राकेश सिंह, **स्थानीय संपादक* :** विनोद कुमार,***पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के लिए जिम्मेदार, **राज्य समन्वय संपादक :** अजय शर्मा। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 9264434560, **R.N.I. No.-JHAHIN/2015/65109,** Postal Registration No. **RN/249/2019-21**